राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

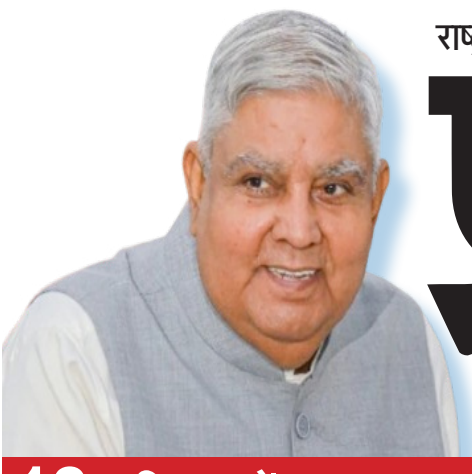

12 हरियाणा में अब राज्यसभा चुनाव की रेस, भाजपा विधायक के.....

शरद पवार बोले -महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाकर रहेंगे और इसके..... 12

वर्ष : 15 | अंक : 183 | नई दिल्ली, बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अल्जीरिया के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

अल्जीयर्स/नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को यहां अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के साथ द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाए पर चर्चा की। राष्ट्रपति भवन सचिवालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि राष्ट्रपति ने एल मौराडिया पैलेस का दौरा किया, जहां उन्होंने अल्जीरिया के राष्ट्रपति के साथ भारत-अल्जीरिया संबंधों को और अधिक ऊंचे स्तर पर ले जाने के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें व्यापार और निवेश पर विशेष ध्यान दिया गया। श्रीमती मुर्मु ने अल्जीरिया के लिए भारत के निरंतर समर्थन और अफ्रीका के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। दोनों राष्ट्रपतियों ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता का नेतृत्व किया और प्रेस के समक्ष बयान जारी किए। इससे पहले श्रीमती मुर्मु ने अल्जीयर्स में मकाम इचाहिद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और अल्जीरियाई स्वतंत्रता संग्राम में प्राण न्यौछावर करने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अल्जीरिया के मुक्ति संघर्ष की याद में मौदजाहिद के राष्ट्रीय संग्रहालय का भी दौरा किया। राष्ट्रपति ने बाद में अल्जीरियाई आर्थिक नवीनीकरण परिषद और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अल्जीरियाई-भारतीय आर्थिक मंच को संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-अल्जीरिया संबंधों को आगे बढ़ाना हमारे साझा मूल्यों, समान चुनौतियों और आपसी विश्वास पर आधारित है। राष्ट्रपति ने कहा कि

अल्जीरिया की तीव्र वृद्धि और विस्तारित अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में कई अवसर प्रदान करती है। उन्होंने भारतीय कंपनियों से आग्रह किया कि वे अल्जीरियाई अर्थव्यवस्था द्वारा पेश किए जाने वाले अवसरों से जुड़े रहें और निवेश करें। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और अल्जीरिया के बीच कुल व्यापार 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर का है, हालांकि, आर्थिक संबंध पूरी तरह से क्षमता का दोहन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने ऊर्जा, निर्माण, ऑटोमोबाइल, उर्वरक और फार्मास्यूटिकल्स में हमारे चल रहे सहयोग को मजबूत करने और एक उज्जवल भविष्य के लिए नए व्यापार और निवेश पहलों की पहचान करने की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी, आईटी, फिन-टेक, फार्मा, अंतरिक्ष, स्टार्ट-अप और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि भारत इन क्षेत्रों में अपने अनुभवों को हमारे अल्जीरियाई भागीदारों के साथ साझा करने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और भारतीय समाज ने विदेशों में भारत की स्थिति, प्रतिष्ठा और प्रतिष्ठा बढ़ाने में भारतीय समुदाय के योगदान को हमेशा महत्व दिया है और उसकी सराहना की है। अल्जीरिया में भारतीय समुदाय भारत के हितों और सॉफ्ट पावर को आगे बढ़ाने वाला एक सेतु है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे अपनी उपलब्धियों से भारत को गौरवान्वित करते रहेंगे और भारत-अल्जीरिया संबंधों की बेहतरी के लिए काम करेंगे। राष्ट्रपति रविवार शाम अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की अपनी राजकीय यात्रा के पहले चरण में अल्जीयर्सपहुंची थी। श्री तेब्बौने ने श्रीमती मुर्मु का हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। राष्ट्रपति के साथ इस राजकीय यात्रा पर राज्य मंत्री सुकान्त मजूमदार संसद सदस्य मुकेश कुमार दलाल और अतुल गर्ग भी हैं।

संक्षिप्त खबरें

नागपुरः नहर में बहे 4 नाबालिग छात्र

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नागपुर में रामटेक के बोरी इलाके में चार छात्र नहर में बह गए। मिली जानकारी के मुताबिक, कुल आठ छात्र पेंच नहर में नहाने गए थे। जिसमें से चार बह गए। यह सभी छात्र इंदिरा गांधी विद्यामंदिर में पढ़ते थे और यहीं होस्टल में रहते थे। लापता छात्रों की पहचान कक्षा 11 के छात्र मनदीप अविनाश पाटिल, कक्षा 7 के छात्र अनंत योगेश सांबरे, कक्षा 8 के मयंक कुणाल मेश्राम और कक्षा 9 के छात्र मयूर खुशाल बांगरे के रूप में हुई है। तलाशी अभियान जारी है, लेकिन अभी तक किसी का भी शव बरामद नहीं हुआ है। बता दें कि होस्टल के अधिकांश छात्र दशहरे की छुट्टी पर अपने गांव गए हुए हैं। बहुत कम छात्र रह रहे हैं। इन छात्रों ने नहर में नहाने का फैसला किया, ये इनके स्कूल के पीछे बहती है। नहर में पहले पांच विद्यार्थी कूदे थे। वो पानी के बहाव को ठीक से समझ नहीं पाए और तेज धारा में बहते चले गए।

पीएम मोदी न भारत मंडपम में आयोजित विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा का किया उद्घाटन

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 में 190 से ज्यादा देश ले रहे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ की ओर से आयोजित किए जाने वाली विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा का उद्घाटन किया। इसके अलावा पीएम ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के आठवें संस्करण का भी उद्घाटन किया। इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 में कई लेटेस्ट इनोवेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 6जी डेवलपमेंट के अपडेट आदि की जानकारी मिलेगी। इस दौरान टेलीकॉम स्टेकहोल्डर्स भी मौजूद थे। डब्ल्यूटीएसए दुनिया भर के दूरसंचार मानकों को तय करने वाली एक महत्वपूर्ण बैठक है। यह अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ के मुख्य सम्मेलनों में से एक है, जिसे हर चार

साल में आयोजित किया जाता है। भारत और एशिया-प्रशांत में पहली बार आईटीयू-डब्ल्यूटीएसए का आयोजन किया जा रहा है। यह एक महत्वपूर्ण वैश्विक कार्यक्रम है जो 190 से अधिक देशों के 3,000 से अधिक उद्योग जगत के नेताओं, नीति-निमाताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को एक मंच पर एकत्रित करने जा रहा है। डब्ल्यूटीएसए 2024 देशों को 6जी, एआई, आईओटी, बिग डेटा, साइबर सुरक्षा आदि जैसी अगली पीढ़ी की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के मानकों के भविष्य पर चर्चा करने और निर्णय लेने के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। भारत में इस कार्यक्रम की मेजबानी से देश के वैश्विक दूरसंचार एजेंडे को आकार देने और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। इसके जरिए भारतीय स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थान बौद्धिक संपदा अधिकार और मानक अनिवार्य पेटेंट विकसित करने में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 में भारत के इनोवेशन संबंधी इकोसिस्टम का प्रदर्शन होगा, इसमें अग्रणी दूरसंचार कंपनियां और इनोवेटर क्वांटम तकनीक और सर्कुलर इकोनॉमी में प्रगति को उजागर करेंगे। साथ ही, 6जी, 5जी यूज-केस शोकेस, क्लाउड और एज कंप्यूटिंग, आईओटी, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा, ग्रीन टेक, सैटकॉम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर भी प्रकाश डालेंगे। एशिया का सबसे बड़ा डिजिटल प्रौद्योगिकी मंच इंडिया मोबाइल कांग्रेस उद्योग जगत, सरकार, शिक्षाविदों, स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी समेत दूरसंचार क्षेत्र के इकोसिस्टम में अन्य प्रमुख हितधारकों के लिए अभिनव समाधान, सेवाओं और अत्याधुनिक उपयोग के मामलों को प्रदर्शित करने के लिए दुनिया भर में एक प्रसिद्ध मंच बन गया है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 में 400 से अधिक प्रदर्शकों, लगभग 900 स्टार्टअप और 120 से ज्यादा देशों की भागीदारी होगी। इस आयोजन का उद्देश्य 900 से अधिक तकनीकी उपयोग परिदृश्यों का प्रदर्शन करना, 100 से अधिक सत्र और चर्चाएं आयोजित करना है, जिसमें 600 से अधिक वैश्विक और भारतीय वक्ता शामिल होंगे।

एनसीआर में बढ़ता जा रहा है प्रदूषण, दिल्ली सरकार ने बुलाई हाई लेवल बैठक, ग्रैप लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में धीरे-धीरे प्रदूषण बढ़ता जा रहा है और स्थिति खराब हो रही है। एक्यूआई खतरे के निशान के पार पहुंच गया है। नोएडा ग्रेटर, नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं जहां पर एक्यूआई 300 के आंकड़े को पार कर चुका है। इसको देखते हुए दिल्ली सरकार ने आज एक हाई लेवल बैठक बुलाई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने यह हाई लेवल बैठक बुलाई है जिसमें सभी विभाग के अधिकारी और मंत्री शामिल होंगे। इसके साथ ही दिल्ली समय पूरे एनसीआर में ग्रैप का पहला चरण लागू कर दिया गया है जो आज मंगलवार सुबह 8 बजे से प्रभावी हो जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय पहले ही विंटर एक्शन प्लान जारी कर चुके हैं और उनके मंत्रालय द्वारा जगह-जगह जाकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि डस्ट और पॉल्यूशन से पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। आज की इस बैठक में गोपाल राय भी शामिल होंगे। दिल्ली सरकार ने इस बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पहले ही 1 जनवरी तक पटाखे जलाने, रखने और बनाने पर रोक लगा दी है। मौसम विभाग से मिले आंकड़ों की बात करें तो दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 416 दिखा रहा है। जो सबसे खतरनाक श्रेणी में आता है इससे लोगों को सांस लेने में काफी ज्यादा परेशानी महसूस होती है। गौरतलब है कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने हवा में निरंतर बढ़ रहे प्रदूषण के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी समेत पूरे एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस सिस्टम यानी ग्रैप के पहले चरण को लागू कर दिया है। इसके तहत आतिशबाजी होटल रेस्टोरेंट में कोयला और जलाऊ लकड़ी के उपयोग पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है इसके साथ ही खुले में कूड़ा फेंकना और कचरा जालना भी पूरी तरीके से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

अब्दुल कलाम का जीवन सभी के लिए प्रेरणा : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सभी भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्थायी स्रोत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका विजन और चिंतन विकसित भारत के संकल्प सिद्धि में देश के बहुत काम आने वाला है। एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने एपीजे अब्दुल कलाम के साथ ली गई अपनी विभिन्न तस्वीरों वाला एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए डॉ. कलाम की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब्दुल कलाम में सहजता और सरलता स्वाभाविक रूप से थी। इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, एक वह जो अवसरों की तलाश करते हैं और दूसरे वह जो चुनौतियों की तलाश करते हैं। अब्दुल कलाम हमेशा चुनौतियों की तलाश में रहते थे। पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि किस तरह यह विशेषता कलाम के जीवन को परिभाषित करती है। डॉ. कलाम की अद्वितीय उपलब्धियों पर टिप्पणी करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह बहुत दुर्लभ बात है कि कोई व्यक्ति राष्ट्रपति बनने से पहले ही राष्ट्र रत्न बन जाए। यह सम्मान अब्दुल कलाम के असाधारण जीवन और उपलब्धियों के बारे में बहुत कुछ कहता है। अपने एक संस्मरण को साझा करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा जब डॉ. कलाम से पूछा गया कि वह कैसे याद किए जाना चाहेंगे। उन्होंने सरलता से जवाब दिया था, ह्यमुझे एक शिक्षक के रूप में याद किया जाना पसंद है। पीएम मोदी ने कहा कि कलाम का यह उत्तर न केवल उनके शिक्षकों के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है, बल्कि उनके अडिग विश्वास और जीवनभर की प्रतिबद्धताओं को भी उजागर करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. कलाम द्वारा दिए गए मूल्यों को बनाए रखने के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए अंत में कहा, अब्दुल कलाम के आशीर्वाद से हम उनकी शिक्षाओं द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। यह उनके लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। वे एक आदर्श और दूरदर्शी व्यक्ति थे, जो अपने समर्पण, नवाचार और देशभक्ति के लिए जाने जाते थे। उन्होंने आगे कहा कि कलाम ने भारत को एक विकसित, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर देश के रूप में देखा। भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

9 साल बाद भारत के विदेश मंत्री का पाकिस्तान दौरा, एससीओ समिट में भाग लेंगे एस जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन समिट में शामिल होने के लिए आज शाम पाकिस्तान पहुंचेंगे। भारत के विदेश मंत्री का यह पाकिस्तान दौरा 9 साल बाद हो रहा है। 2015 में सुषमा स्वराज वहां गई थीं। भारत-पाकिस्तान में जारी तनाव के बीच भारत की ओर से पाकिस्तान की यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा होगी। भारत के विदेश मंत्री नौ साल बाद पाकिस्तान की यात्रा पर जा रहे हैं। बता दें कि पाकिस्तान एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की बैठक की मेजबानी कर रहा है, यह बैठक 15 और 16 अक्टूबर को होगी। जयशंकर से पहले सुषमा स्वराज ने बतौर विदेश मंत्री पाकिस्तान की यात्रा की थी। उन्होंने साल 2015 में अफगानिस्तान पर आयोजित एक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इस्लामाबाद की यात्रा की थी। विदेश मंत्री जयशंकर की यह पाकिस्तान यात्रा

काफी अहम मानी जा रही है। पाकिस्तान को लेकर जयशंकर ने हाल में ही एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था, किसी भी पड़ोसी देश की तरह भारत निश्चित रूप से पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहेगा पर यह सीमा पार आतंकवाद को नजरअंदाज करके और ऐसी (सीमा पार आतंकवाद खत्म करने की) इच्छा करने से नहीं हो सकता। पाकिस्तान में जयशंकर का दौरा चर्चा का विषय बना हुआ है। सत्तारूढ़ सरकार के कई मंत्रियों और विपक्षी नेताओं ने घरेलू राजनीतिक फायदे के लिए उनकी यात्रा को सुर्खियों में ला दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसद और खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) के सूचना सलाहकार बैरिस्टर मुहम्मद अली सैफ ने जयशंकर को पीटीआई कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए आमंत्रित किया, जो देश की राजधानी में विरोध रैली कर रहे हैं। आपको बताते चलें, शंघाई सहयोग संगठन एक यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा संगठन है जिसकी स्थापना 2001 में चीन और रूस ने की थी। इसका मुख्यालय बीजिंग में है और इसकी स्थापना चीन, रूस, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तजाकिस्तान ने मिलकर की थी। एससीओ एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो राजनीति, व्यापार, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संस्कृति, शिक्षा, ऊर्जा, परिवहन, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण आदि क्षेत्रों में प्रभावी सहयोग को प्रोत्साहित करके सदस्य राज्यों के बीच आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी की भावना को मजबूत करने पर जोर देता है।

न्यायालय ने मुफ्त सौगातों के खिलाफ याचिका पर केंद्र व निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी । उच्चतम न्यायालय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सौगातों का वादा करने के चलन के खिलाफ एक नई याचिका पर केंद्र तथा निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा है। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बेंगलुरु निवासी शशांक जे. श्रीधारा की याचिका पर भारत सरकार तथा निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किए। वकील श्रीनिवास द्वारा दायर याचिका में निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों को चुनाव से पहले मुफ्त सौगातें देने के वादे करने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है, मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बेलगाम वादे सरकारी राजकोष पर बड़ा और बेहिसाबी वित्तीय बोझ डालते हैं। इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए कोई तंत्र नहीं है कि चुनाव पूर्व किए वादे पूरे किए जाएं। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले को इसी मुद्दे पर अन्य याचिकाओं से संबद्ध कर दिया। इससे पहले, न्यायालय चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का वादा करने के चलन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमत हो गया था। वकील एवं जनहित याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने मामले पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। उपाध्याय की याचिका में कहा गया है ।

ड्रोन ड्रोन के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल के लिए देश में स्थापित होगा एमआरओ.....

यूएस से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदेगा भारत, 32 हजार करोड़ की डील पर हुए हस्ताक्षर

- नौसेना को 31 में से 15 ड्रोन, जबकि सेना और वायु सेना को आठ-आठ ड्रोन मिलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका ने मंगलवार को 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने के लिए 32 हजार करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पिछले सप्ताह अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने के सौदों को मंजूरी दी थी। खरीदे जाने वाले ड्रोन के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल के लिए देश में ही एमआरओ स्थापित किया जाएगा। भारतीय नौसेना को 31 में से 15 ड्रोन, जबकि सेना और वायु सेना को आठ-आठ ड्रोन मिलेंगे, जिनके शांतिकालीन निगरानी में गेम चेंजर साबित होने की उम्मीद है। दरअसल, चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने और निगरानी को बढ़ावा देने के लिए सेना, नौसेना और

वायु सेना ने एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन की जरूरत जताई थी। खासकर हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। इस ड्रोन के आने के बाद हिंद महासागर पर चीन के खिलाफ घेराबंदी और मजबूत हो सकेगी। इसी क्रम में प्रीडेटर ड्रोन के सौदे को 15 जून, 2023 को रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से मंजूरी मिली थी। इसके बाद पिछले सप्ताह 10 अक्टूबर को सीसीएस ने भी मंजूरी दे दी। यह अत्याधुनिक ड्रोन सिर्फ भारतीय नौसेना के लिए खरीदे जाने थे, लेकिन बाद में इसे तीनों सेनाओं के लिए 31 ड्रोन खरीदने का फैसला लिया गया। भारतीय नौसेना इस सौदे के लिए प्रमुख एजेंसी है, जिसमें 15 ड्रोन अपनी जिम्मेदारी के क्षेत्र में निगरानी संचालन के लिए समुद्री बल को दिए जाएंगे। इसके अलावा सेना और वायु सेना को 8-8 ड्रोन मिलेंगे। सौदे के पहले चरण में छह ड्रोन तत्काल एकमुश्त नगद भुगतान करके खरीदे जाएंगे। मौजूदा जरूरतों को देखते हुए फिलहाल दो-दो ड्रोन तीनों सेनाओं को दिए जाएंगे। बाकी 24 ड्रोन अगले तीन वर्षों में हासिल कर लिए जाएंगे। तीनों सेनाओं के लिए खरीदे जाने वाले ड्रोन को लेकर रक्षा मंत्रालय ने आज 31 एमक्यू-9बी स्काई/सी गार्जियन हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (एचएएलई) रिमोट पायलट एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) के लिए अमेरिकी सरकार के साथ डील फाइनल की। दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में नई दिल्ली में रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने की उपस्थिति में अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही खरीदे जाने वाले ड्रोन की भारत में डिपो स्तर के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल के लिए जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एमक्यू-9 रीपर ड्रोन की खासियतएमक्यू-9 रीपर ड्रोन को सैन डिएगो स्थित जनरल एटॉमिक्स ने बनाया है, जो लगातार 48 घंटे उड़ सकता है। यह 6,000 समुद्री मील से अधिक दूरी तक लगभग 1,700 किलोग्राम (3,700 पाउंड) का पेलोड ले जा सकता है। यह नौ हार्ड-पॉइंट्स के साथ आता है, जो हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों के अलावा सेंसर और लेजर-निर्देशित बम ले जाने में सक्षम है, जिसमें अधिकतम दो टन का पेलोड है। हथियारबंद ड्रोन से भारतीय सेना उस तरह के मिशन को अंजाम दे सकती है, जिस तरह का ऑपरेशन नाटो बलों ने अफगानिस्तान में किया था। इसका इस्तेमाल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के ठिकाने पर रिमोट कंट्रोल ऑपरेशन, सर्जिकल स्ट्राइक और हिमालय की सीमाओं पर लक्ष्य को टारगेट बनाने में किया जा सकता है। पिछले साल भारतीय नौसेना ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर तनाव के बीच दो शिकारियों को लीज पर लिया था। इससे भारतीय नौसेना दक्षिणी हिन्द महासागर में घूमने वाले चीनी युद्धपोतों पर नजर रख रही है। वर्तमान में भारतीय सुरक्षा एजेंसियां इजरायली यूएवी, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के नेत्रा और रुस्तम ड्रोन का उपयोग करती हैं।

युवा कांग्रेस का नौकरी दो, नशा नहीं आंदोलन कल से

नई दिल्ली, एजेंसी

युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु छिब ने कहा है कि युवाओं को नौकरी देने का वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रोजगार देने की बजाय युवाओं को नशाखोरी के दलदल में धकेलने का काम किया है और इसके खिलाफ उनका संगठन बुधवार से देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगा। श्री छिब ने मंगलवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार ने बेरोजगारी बढ़ाने और नशाखोरी फैलाने का काम किया है और इसके खिलाफ उनका संगठन बुधवार को दिल्ली से देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगा जो हर राज्य, जिले तथा गांव-गांव तक जाएगा। उनका कहना था कि आज देश का युवा खतरे में है और उन्हें बेरोजगारी के जरिए नशे के दलदल में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का युवा ड्रग्स की महामारी की चपेट में आ रहा है। विदेशों से भारत में ड्रग्स की खेप पहुंचाई जा रही है। देश के युवक को नौकरी चाहिए नशा नहीं है और इसको लेकर उनका संगठन आंदोलन कर रहा है। उन्हें विश्वास है कि उनका आंदोलन सरकार पर दबाव बनाएगा और देश में युवाओं को नशाखोरी की चपेट में आने से बचाने में उनकी यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी। युवा कांगेस अध्यक्ष ने कहा ह्यश्री मोदी का वादा था कि हर साल 2 करोड़ युवाओं को नौकरियां देंगे, विदेशों से काला धन वापस लाएंगे, लेकिन ये वादे तो पूरे नहीं हुए- इसके उलट नौकरियों की जगह युवाओं को नशा मिला है। विदेश से काला धन आने की जगह भारी मात्रा में ड्रग्स आई है। पिछले 10 साल में देश के युवाओं को सिर्फ धोखा मिला है, उसके खिलाफ यूथ कांग्रेस 16 अक्टूबर से एक देशव्यापी मुहिम का आगाज कर रहा है। इसका उद्देश्य है- 'नौकरी दो, नशा नहीं' ह्व श्री छिब के साथ ही संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी वरुण पांडे तथा अन्य ने इस मौके पर 'नौकरी दो-नशा नहीं' आंदोलन से जुड़ा पोस्टर भी लॉन्च किया।

संक्षिप्त समाचार

वायरल का कहर, लीवर और किडनी पर डाल रहा असर

रूड़की, एजेंसी। जिले में इस बार लोगों पर डेंगू कम, वायरल फीवर अधिक कहर बरपा रहा है। सिविल अस्पताल की ओपीडी में रोजाना वायरल फीवर के 50 से अधिक मरीज आ रहे हैं। वायरल फीवर के मरीजों को किडनी और लीवर में भी शिकायत हो रही है। दर्द के साथ लीवर में सूजन आ रही है।सिविल अस्पताल के चिकित्साधिकारी डॉ. नितीश कुमार ने बताया कि रोजाना ओपीडी में 50 मरीज वायरल फीवर, खांसी, जुकाम के आ रहे हैं। कई मरीजों की प्लेटलेट्स कम हो गई है। उनमें भूख न लगने की शिकायत भी मिल रही है। कुछ मरीज पेट और पीठ में दर्द की शिकायत लेकर आ रहे हैं। इन मरीजों की किडनी और लीवर की जांच कराई जा रही है। कुछ मरीजों में लीवर में सूजन की शिकायत मिल रही है। उन्होंने बताया कि इन मरीजों को उचित उपचार करवाने के अलावा खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जा रही है। साथ ही लीवर संबंधित मरीजों को शराब का सेवन, धूम्रपान और फास्ट फूड से दूरी बनाने की भी सलाह दी जा रही है।

पहाड़ पर लगे जैव चिकित्सा अपशिष्ट संयंत्र का विरोध

ऋषिकेश, एजेंसी। भोगपुर से लगभग पांच किलोमीटर की दूरी पर टिहरी जिले के नरेंद्र नगर ब्लॉक में जंगल से घिरे एक पहाड़ पर निजी भूमि पर जैव चिकित्सा अपशिष्ट संयंत्र लगाए जाने को लेकर कांग्रेस और स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया है।परवादून महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंशुल त्यागी ने अठूरवाला में पत्रकारों से कहा कि कोडारना पंचायत में जंगलों से घिरे पहाड़ पर अस्पतालों के मेडिकल कचरा निस्तारण के लिए भारत एनवायरमेंट सोल्यूशन नामक एक संयंत्र लगाया गया है। जिससे आसपास के करीब एक दर्जन गांवों में प्रदूषण और बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है।प्लांट लगाने से पहले गांव में हुई जनसुनवाई में अधिकांश लोगों के विरोध के बावजूद प्लांट स्थापित कर दिया गया। जिससे आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण फैल रहा है। स्थानीय निवासी भगवान सिंह नेगी ने कहा कि पूर्व में उन्होंने इसकी शिकायत डीएम, एसडीएम व प्रदूषण बोर्ड आदि को की थी। जिस पर कोई कार्रवाई नही की गई। वो इस संयंत्र के खिलाफ कोर्ट भी में लड़ाई लड़ रहे हैं। इस मौके पर कांग्रेस नेता मनोज नौटियाल, ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, करतार नेगी आदि मौजूद रहे।

पेयजल संकट को लेकर कृष्णा विहार के लोगों का फूटा गुस्सा

हल्द्वानी, एजेंसी। पेयजल संकट से परेशान कृष्णा विहार क्षेत्र के लोगों ने सोमवार को जल संस्थान के ट्रांसपोर्ट नगर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। पेयजल आपूर्ति जल्द सुचारू करने की मांग करते हुए उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी। क्षेत्रवासी महेश्वर दत्त तिवारी ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित है। कॉलोनी में मुख्य पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे कॉलोनी के आगे मुख्य मार्ग में जलभराव हो गया है, जबकि नलों से पानी की एक बूंद नहीं आ रही। इस संबंध में विभाग को अवगत कराने के बावजूद क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को ठीक नहीं किया गया। लोगों ने जल्द से जल्द पेयजल लाइन को ठीक करने की मांग की। वहीं सहायक अभियंता रविंद्र कुमार ने बताया कि नलकूप खराब होने के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित है। इसे सुधारने का कार्य चल रहा है। मंगलवार तक कॉलोनी में पानी की आपूर्ति सुचारू हो जाएगी। इस अवसर पर शेखर बिष्ट, सुंदर सिंह, महेंश चंद्र भट्ट, पीके भट्ट, जय दत्त तिवारी, महेश चंद्र तिवारी, ईश्वरी दत्त पांडे आदि मौजूद रहे।

नैनीताल में दिनभर रही जाम की स्थिति

नैनीताल, एजेंसी। शहर में सोमवार को दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। इसके चलते लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं, पर्यटकों की आमद बरकरार रहने से पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिले रहे। सप्ताहांत से ही नैनीताल में सैलानियों की आमद बढ़ी हुई है। सोमवार को पर्यटक वाहनों की वजह से जाम लगा रहा, जिसकी वजह से वाहन रेंग-रेंगकर चले। पर्यटकों के साथ ही पर्यटक वाहनों की अधिकता से नगर के सभी छोटे-बड़े कार पार्किंग दिनभर पैक रहे।

एनएच पर मलबे के निपटारे के लिए जगह चिह्नित करें

मुख्य सचिव के सभी डीएम को निर्देश

देहरादून, एजेंसी। सीएस ने एजेंसियों को निर्धारित डंपिंग जोन में ही मलबे के निस्तारण के नियमों को सख्ती से पालन के निर्देश दिए। उन्होंने नियमों की अवहेलना करने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी जिलाधिकारियों को एक सप्ताह में भूस्खलन या राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के दौरान निकलने वाले मलबे का निपटारा करने के लिए डंपिंग स्थल चिह्नित कर प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्राथमिकता से राजस्व भूमि चिह्नित करने और भूमि मुहैया न होने पर वन भूमि को चिह्नित करने के निर्देश दिए। बैठक में कार्यदायी संस्थाओं ने आगामी पांच साल के लिए 81.99 हेक्टेयर भूमि की जरूरत की जानकारी दी।

सीएस ने एजेंसियों को निर्धारित डंपिंग जोन में ही मलबे के निस्तारण के नियमों को सख्ती से पालन के निर्देश दिए। उन्होंने नियमों की अवहेलना करने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पीडब्ल्यूडी, बीआरओ, एनएचआईडीसीएल के अधीन कई राष्ट्रीय राजमार्गों में निर्माण के दौरान निकले मलबे के निस्तारण को पूर्व में तय डंपिंग स्थलों की क्षमता के विस्तार की संभावनाओं के अध्ययन के निर्देश दिए।

उन्होंने भर चुके डंपिंग स्थलों को कंप्रेस करने की संभावनाओं पर कार्य करने निर्देश दिए। डंपिंग जोन की जरूरत के संबंध में लोक निर्माण विभाग, बीआरओ और एनएचआईडीसीएल को अपनी रिपोर्ट के संबंध में जिलाधिकारी के साथ समन्वय और संयुक्त निरीक्षण के निर्देश दिए।

सीएस ने एजेंसियों को डंपिंग के संबंध में पांच वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए चिह्नित भूमि के प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। बैठक में कार्यदायी संस्थाओं ने राज्य में अगले पांच वर्षों की जरूरतों के दृष्टिगत 81.99 हेक्टेयर भूमि की मांग रखी, जिसमें वर्तमान में 55.69 और अगले पांच वर्षों में 26.30 हेक्टेयर भूमि शामिल है।

मुख्य सचिव ने डीएम को डंपिंग स्थलों पर मलबे के जमा के होने के बाद उसके उपयोग को लेकर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसे डंपिंग स्थलों पर ग्रीन पैच विकसित करते हुए बांस के पौधे रोपने के निर्देश दिए। सीएस के निर्देशों के अनुसार ऐसे स्थलों पर तेजी से विकसित होने वाले वृक्षों का रोपण किया जाएगा, जो भविष्य में क्रश बैरियर के रूप में उपयोगी होंगे। बैठक में लोनिवि सचिव पंकज कुमार पांडेय के अलावा लोनिवि, बीआरओ, एनएचआईडीसीएल व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी के अलावा डीएम रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, टिहरी मौजूद रहे।

प्रदेश के 500 से ज्यादा आयुष डॉक्टरों के लाइसेंस होंगे रद्द

देहरादून, एजेंसी। अपर सचिव आयुष डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने रजिस्ट्रार भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तराखंड को सभी पंजीकरण रद्द करने के आदेश दिए हैं। उत्तराखंड के पांच सौ से अधिक आयुष चिकित्सक की प्रैक्टिस कर रहे लोगों के लाइसेंस रद्द होंगे। शासन ने इस संबंध में भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तराखंड के रजिस्ट्रार को आदेश जारी कर दिए हैं।

ये सभी पंजीकरण वैध नहीं हैं, क्योंकि पंजीकृत चिकित्सकों के पास बीएएमएस या बीयूएमएस के बजाए अन्य राज्यों के डिप्लोमा हैं। दरअसल, उत्तराखंड गठन के बाद यूपी के उन सभी आयुष चिकित्सकों को भी राज्य की परिषद ने पंजीकृत कर लिया था, जो यूपी में पंजीकृत थे।

इस नियम का गलत तरीके से हवाला देते हुए राज्य में वर्ष 2019 में उत्तरांचल (संयुक्त प्रांत भारतीय चिकित्सा अधिनियम 1939) अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश 2002 की धारा 27, 28, 29, 30 के तहत नए डिप्लोमाधारकों को भी भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तराखंड ने पंजीकरण देना शुरू कर दिया।

वर्ष 2019 से मार्च 2022 तक 500 से अधिक आयुष या यूनानी डिप्लोमाधारकों को परिषद में पंजीकृत किया गया, जो वर्तमान में अलग-अलग जगहों पर प्रैक्टिस कर रहे हैं। उत्तराखंड के इस आदेश को सीसीआईएम के पत्र और लगातार आ रहीं शिकायतों के आधार पर शासन ने तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। इस मामले में कुछ माह पहले सीसीआईएम ने ये भी बताया कि जिन यूपी व अन्य राज्यों के आयुष संस्थानों से ये डिप्लोमा दिए गए हैं, वह संस्थान ही वैध नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी इस संबंध में एक याचिका दायर हुई थी, जिसमें सीसीआईएम ने स्पष्ट कर दिया था कि उत्तराखंड का यह नियम, केंद्रीय नियमों के विपरीत है। इस आधार पर अपर सचिव आयुष डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने रजिस्ट्रार भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तराखंड को सभी पंजीकरण रद्द करने के आदेश दिए

अंडरवर्ल्ड डॉन पीपी पांडे जूना अखाड़े से बर्खास्त, अल्मोड़ा जेल में पिछले दिनों दी गई थी दीक्षा

हरिद्वार , एजेंसी। अंडरवर्ल्ड डॉन पीपी पांडे को जूना अखाड़े से बर्खास्त कर दिया गया है। पीपी पांडे को अल्मोड़ा जेल में पिछले दिनों दीक्षा दी गई थी। अल्मोड़ा जेल में बंद अंडरवर्ल्ड डॉन प्रकाश पांडे उर्फ पीपी को श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा ने जांच कमेटी की रिपोर्ट के बाद अखाड़े से बर्खास्त कर दिया है। पिछले दिनों अल्मोड़ा जेल में कुछ संतों की ओर से पांडे को दीक्षा देते हुए कई मठों की जिम्मेदारी सौंप दी गई थी। मामला तूल पकड़ने पर जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक हरि गिरि महाराज ने जांच कमेटी गठित की थी। अंडरवर्ल्ड डॉन पीपी को जूना अखाड़े के कुछ संतों ने जेल में सन्यास की दीक्षा दी थी। जिसके बाद बड़ा हंगामा खड़ा हो गया था। आननफानन में जूना अखाड़े ने इस मामले में जांच कमेटी का गठन कर इसकी जांच करवाई।जूना अखाड़े में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में जूना अखाड़े के अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरिगिरी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम गिरी की अध्यक्षता में जांच कमेटी का गठन किया गया था। दशहरा तक जांच पूरी करने का समय दिया गया था। जूना अखाड़ा की जांच पूरी होने के बाद प्रकाश पांडे उर्फ पीपी को बर्खास्त कर दिया गया है। कहा की जेल में प्रकाश पांडेय को दीक्षा देने वाले संत फर्जी संत थे। सिर्फ दशनामी कुछ संत इसमें शामिल थे। उन्होंने बताया कि अंडरवर्ल्ड डॉन को अखाड़े से बाहर कर दिया गया है। संतों की भूमिका के सवाल पर हरिगिरि ने कहा कि मामले फिलहाल पीपी को बाहर किया है।

युवकों ने कार सवारों पर किया हमला, शीशे तोड़े

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में कुछ युवकों ने कार सवारों पर लोहे की रॉड से हमला कर कार के भी शीशे तोड़ दिए। इस दौरान राहगीरों में भी अफरा-तफरी मच गई और जाम की स्थिति बन गई। इसके बाद पीड़ित पक्ष कोतवाली पहुंचा और यहां से मेडिकल कराने के लिए जिला अस्पताल पहुंचा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चर्चा है कि दामाद ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमला किया। घटना रविवार की रात करीब आठ बजे के आसपास की है। बहादरपुर जट निवासी एक व्यक्ति अपनी कार से ज्वालापुर से होकर गांव की तरफ लौट रहे थे। सीतापुर अंडरपास के पास पहुंचते ही ज्वालापुर के मोहल्ले में रहने वाले युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन पर हमला बोल दिया। रोड से हमला कर गाड़ी में तोड़फोड़ कर डाली। कार में सवार लोगों से भी मारपीट की गई। ये देखकर राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई और जाम लग गया। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। इसके बाद कार सवार लोग ज्वालापुर कोतवाली पहुंचे।

प्रदेश में गरीबों के आशियाने के लिए शुरू करेगा सर्वे आवास विभाग

देहरादून, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत देशभर में तीन करोड़ मकानों की स्वीकृति दी गई है। जिनमें से एक करोड़ मकान शहरी क्षेत्रों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत उत्तराखंड के गरीबों के लिए आवास की आवश्यकताओं को आवास विभाग जल्द सर्वे करेगा। सर्वे के आधार पर केंद्र को मांग भेजी जाएगी। आवास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने सोमवार को पीएम आवास शहरी की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। मंत्री ने कहा, उत्तराखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मार्च 2022 से शुरू हो पाई है। कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत बीएलसी के माध्यम से 36 परियोजनाओं पर कार्य गतिमान है, जिसमें लगभग 25 हजार 972 स्वीकृत आवास में से लगभग 12 हजार 144 आवास पूर्ण हो चुके हैं। लगभग 11 हजार 962 आवास निर्माणाधीन हैं।

आवास मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत ईएचपी के माध्यम से 20 परियोजनाएं संचालित हैं, जिसके तहत लगभग 15 हजार 960 आवास स्वीकृत किए गए हैं। जिनमें लगभग 14,248 आवास निर्माणाधीन हैं, जबकि लगभग 1696 आवास पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने कहा, इस साल दिसंबर तक बाकी आवास पूरे करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा, हमारा मकसद है कि हर गरीब को छत मुहैया कराई जाए। कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत देशभर में तीन करोड़ मकानों की स्वीकृति दी गई है।

राजधानी पहुंची वायु वीर कार रैली, राज्यपाल के साथ ही सदस्यों ने की शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

देहरादून, एजेंसी। वायु वीर कार रैली के सदस्य शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। इस दौरान मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने शहीदों को पुष्प अर्पित किए। भारतीय वायु सेना और उत्तराखंड युद्ध स्मारक की संयुक्त कार रैली सियाचिन, लेह, श्रीनगर होते हुए सोमवार को दून पहुंची थी। इस दौरान रैली कमांडर विंग कमांडर विजय प्रकाश भट्ट, ग्रुप कैप्टन विनय अग्निहोत्री, पर्वतारोही एवरेस्ट विजेता कर्नल अश्विनी पवार, मेजर स्वाति सहित तीस वायुवीरों को सम्मानित किया गया था। बता दें कि भारतीय वायुसेना उत्तराखंड युद्ध स्मारक के साथ कार रैली आयोजित कर रही है। जिसकी एक अक्टूबर को नयी दिल्ली के राष्ट्रीय समर स्मारक से शुरुआत हुई थी। यह रैली देश के युवाओं को वायुसेना के प्रति आकर्षित करने, देश में वायुसेना की महान उपलब्धियों की जानकारी देने व सशस्त्र सेनाओं के प्रति युवाओं में सम्मान पैदा करने के लिए की जा रही है। रैली का नेतृत्व दून निवासी विंग कमांडर विजय प्रकाश भट्ट कर रहे हैं। रैली का %वार रूम% नियंत्रण दिल्ली में वायुसेना साहसिक निदेशालय के प्रमुख उत्तराखंड निवासी ग्रुप कैप्टन नमित रावत कर रहे हैं।

धार्मिक पेशवाओं के खिलाफ टिप्पणी करने वालों पर बने सख्त कानून

रुद्रपुर, एजेंसी। गाजियाबाद के डासना मंदिर के पुजारी यतिनरसिंहानंद सरस्वती के नबी ए करीम पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ बयान देने से मुस्लिमों में आक्रोश है। उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रभारी कलक्ट्रेट डॉ. अमृता शर्मा को सौंपा और यतिनरसिंहानंद के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की। इस दौरान धार्मिक पेशवाओं के खिलाफ टिप्पणी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की। सोमवार को हज कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मौलाना जाहिद रजा रिजवी व शहर इमाम जामा मस्जिद मुफ्ती दानिश मिस्बाही के नेतृत्व में शहर की मस्जिदों के इमाम और व बुद्धिजीवियों का प्रतिनिधिमंडल कलक्ट्रेट पहुंचा। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित ज्ञापन प्रभारी कलक्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में कहा कि पुजारी यतिनरसिंहानंद ने सस्ती शोहरत पाने के लिए पैगंबर ए इस्लाम रहमते आलम सल्लललाहो अलैहवसल्लम की शान में गुस्ताखी की। इससे पूरे देश के मुसलमानों में गुस्सा है।

उन्होंने यतिनरसिंहानंद के खिलाफ केस दर्ज करने, उस पर एनएसए की कार्रवाई करने, केंद्र सरकार से संसद में इसके खिलाफ कानून बनाने की मांग की। वहां मुफ्ती सईदुर्रहमान, मुफ्ती मन्नान मरकज़ी, अय्यूब खान, मौलाना फुरकान खान, हाफिज तसव्वुर नूरी, फरमान अली, फरीद मसूरी, मुजीब मिस्वाही आदि मौजूद रहे।

जमीयत-ए-उलेमा ऊधमसिंह नगर के महासचिव अली अनवर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि गाजियाबाद में यतिनरसिंघानंद सरस्वती ने मुस्लिम धर्म के नबी की शान में गुस्ताखी की थी। अब काशीपुर में हनुमानगढ़ी के राजू दास ने एक साक्षात्कार में मुस्लिम धर्म के धर्मगुरुओं के विरोध में दिया है।

उन्होंने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और सूबे के मुखिया को पत्राचार कर कहा है कि जिन धर्मगुरुओं पर कई मुकदमें चल रहे हों, उनकी रैली या कार्यक्रम में उपस्थिति पर रोक लगनी चाहिए।

बेस अस्पताल के लिए चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी में जुटी समिति

कर्णप्रयाग, एजेंसी। सिमली में संचालित महिला अस्पताल को पूर्ण बेस अस्पताल का दर्जा देने, विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती आदि समेत कई मांगों को लेकर समिति चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी में जुट गई है। इसके तहत समिति आगामी नौ नवंबर को विधानसभा भवन भराड़ीसैंण कूच करेगी। जबकि 14 नवंबर को देहरादून सीएम आवास तक पैदल यात्रा निकाली जाएगी। दस दिनों की इस यात्रा के बाद सीएम आवास पर ही भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।

मंगलवार को समिति की सिमली में बैठक हुई और सिमली महिला बेस अस्पताल को पूर्ण बेस अस्पताल का दर्जा नहीं देने पर नाराजगी जताई। कहा कि सिमली में विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद खाली हैं, पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउंड, एक्सरे की सुविधा भी मरीजों को नहीं मिल पा रही है। बेस अस्पताल निर्माण संघर्ष समिति ने कहा कि सरकार की ओर से मांग पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस कारण राज्य स्थापना दिवस नौ नवंबर को करीब 140 गांवों के लोग भराड़ीसैंण विस कूच करेंगे। 14 नवंबर से 10 दिन की पैदल यात्रा देहरादून सीएम आवास तक निकाली जाएगी। समिति के सदस्यों ने देहरादून में रह रहे क्षेत्र के पूर्व सैनिकों, युवाओं और अन्य लोगों से भी सहयोग की अपील की। बैठक में समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी, संरक्षक महेश डिमरी, कपीरी संघर्ष समिति के अध्यक्ष खिलदेव सिंह रावत, भास्करानंद डिमरी, लक्ष्मी प्रसाद सेमवाल, एसपी बहुगुणा, विक्रम सिंह नेगी, प्रकाश सेमवाल और बृजेश बिष्ट आदि मौजूद थे।

कुदरत रही मेहरबान तो राष्ट्रीय खेलों के बाद प्रदेश में होंगे विंटर गेम्स

देहरादून, एजेंसी। राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के बाद उत्तराखंड विंटर गेम्स करवाने के लिए तैयार है, अगर औली में पर्याप्त बर्फ गिरी तो राज्य को राष्ट्रीय खेलों के साथ विंटर गेम्स के आयोजन का गौरव भी हासिल होगा।

अगर कुदरत मेहरबान रही तो उत्तराखंड विंटर गेम्स कराने वाला देश का पहला राज्य बनने वाला है। खेल सचिवालय में सोमवार को खेल अधिकारियों और उत्तराखंड ओलंपिक संघ के बीच बैठक में विंटर गेम्स कराने को लेकर चर्चा हुई।

उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डीके सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के बाद उत्तराखंड विंटर गेम्स करवाने के लिए तैयार है, अगर औली में पर्याप्त बर्फ गिरी तो राज्य को राष्ट्रीय खेलों के साथ विंटर गेम्स के आयोजन का गौरव भी हासिल होगा। इस सिलसिले में खेल

अधिकारियों के साथ चर्चा की गई है। फिलहाल प्राथमिकता पर राष्ट्रीय खेल हैं। खिलाड़ियों के चयन को लेकर मंगलवार को भी बैठक जारी रहेगी, जिसमें राज्य की सभी फेडरेशन को बुलाया गया है।

वहीं, दूसरी ओर सवाल उठ रहे हैं कि 28 जनवरी से 14 फरवरी के मध्य 38वें राष्ट्रीय खेल कराने की तारीख तय होने के बाद राज्य के सामने सबसे बड़ी चुनौती बेहतर खिलाड़ियों के चयन की है, जिसके लिए अभी प्रक्रिया भी शुरू नहीं हुई है।

चयन के बाद अभ्यास शिविर भी लगाए जाने हैं। उस लिहाज से समय कम है। इस बारे में खेल निदेशालय के अधिकारियों का कहना है कि जहां तक तैयारियों का विषय है, उसके लिए संभावित स्थान, स्टेडियम, मैदान व अन्य जगहों पर बाकी काम पूरे करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। खिलाड़ियों का चयन राज्य ओलंपिक संघ और सभी खेल फेडरेशन को करना है। इसके लिए सोमवार को उत्तराखंड ओलंपिक संघ के साथ बैठक हुई, जिसे विस्तार देने के लिए मंगलवार को सभी खेल फेडरेशन को बुलाया गया है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए ग्रैप-1 को सख्ती से लागू करेगी आप सरकार : सीएम आतिशी

दिल्ली पुलिस जाम लगने वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करेगी, जरूरत पड़ने पर होमगार्ड भी तैनात किए जाएंगे

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने को लेकर आप सरकार सख्त हो गई है। सरकार ने ग्रैप-1 के नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। इस बाबत मंगलवार को सीएम आतिशी ने उच्च स्तरीय बैठक कर मौजूद हालात की समीक्षा की। सीएम ने कहा कि जनवरी से 12 अक्टूबर तक 200 दिनों तक दिल्ली की हवा गुड कटेगरी में रही है, लेकिन पिछले दो दिनों से एक्यूआई पुअर कटेगरी में है। लिहाजा, सोमवार की शाम से ग्रैप-1 के नियम दिल्ली में लागू कर दिए गए हैं। धूल प्रदूषण रोकने के लिए 99 टीमें निर्माण स्थलों का निरीक्षण करेंगी, जबकि पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, एनसीआरटीसी और डीएमआरसी अपने निर्माण स्थलों पर एंटी स्मॉग गन लगाएंगी। पीडब्ल्यूडी, एमसीडी समेत सभी विभाग सड़कों की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर पूरा करेंगे। सीएम ने दिल्ली की जनता से कार पूलिंग, पटाखे व कूड़ा न जलाने और प्रदूषण की सूचना ग्रीन दिल्ली एप पर देने की अपील की है।

दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के साथ प्रेसवार्ता कर मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि एक्यूआई बढ़ने के कारण सोमवार शाम से दिल्ली में ग्रैप-1 को लागू किया गया है। इस संबंध में मंगलवार को मैंने पर्यावरण मंत्री गोपाल राय और दिल्ली सरकार के संबंधित सभी विभागों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा मीटिंग की। बैठक में पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, दिल्ली मेट्रो, राजस्व विभाग, उद्योग विभाग, एनएचएआई, बिजली विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारी शामिल रहे। बैठक में ग्रैप-1 के कार्यान्वयन को लेकर समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली में इस साल 1 जनवरी से 12 अक्टूबर तक 200 दिन हवा (एक्यूआई) अच्छे स्तर पर रही है। यह पिछले कई सालों की तुलना में बेहतर है। दिल्ली में इस साल दिल्लीवालों के प्रयासों और प्रदूषण रोकथाम के दिल्ली सरकार के प्रयासों की बदौलत बेहतर एयर क्वालिटी मिली है। उन्होंने कहा कि पिछले 1-2 दिन में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। 13 अक्टूबर को एयर क्वालिटी इंडेक्स 224 के स्तर पर पहुंच गया और 14 अक्टूबर को यह 234 पर पहुंच गया। यानी की पिछले 2 दिन से हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई है।

सीएम आतिशी ने कहा कि ग्रैप-1 के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण हिस्सा निर्माण साइटों पर धूल की रोकथाम है। इस बाबत डीपीसीसी की 33 टीमें, राजस्व विभाग की 33 टीमें और उद्योग विभाग की भी 33 टीमें बनाई गई है। यह सभी 99 टीमें रोजाना प्राइवेट और सरकारी निर्माण साइटों का स्थलीय निरीक्षण कर धूल प्रदूषण की रोकथाम के जारी नियमों के पालन का जायजा लेंगी। यह टीमें रोजाना अपने निरीक्षणों की रिपोर्ट ग्रीन वॉर रूम, पर्यावरण मंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजेंगी।

सीएम ने कहा कि एमसीडी को कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन वेस्ट (सीएनडी वेस्ट) के निपटान को लेकर खास निर्देश दिए गए है। सीएनडी वेस्ट भी हवा की गुणवत्ता को खराब करता है। एमसीडी द्वारा सीएनडी वेस्ट को हटाने के लिए दिन में 79 टीमें और रात में 75 टीमें काम करेंगी। साथ ही ओपन बायोमास वेस्ट बर्निंग रोकने के लिए एमसीडी द्वारा दिन में 116 टीमें और रात में भी 116 टीमें तैनात की जाएंगी। ताकि किसी भी प्रकार की ओपन बर्निंग न की जाए।

उन्होंने कहा कि सड़कों पर उड़ने वाली धूल का एक महत्वपूर्ण कारण सड़कों का टूटा होना है। इसके लिए युद्ध स्तर पर पीडब्ल्यूडी के 1400 किमी सड़कों के रिपेयर का काम चल रहा है। साथ ही डीएमआरसी और एनसीआरटीसी के अंतर्गत आने वाली सड़कों की रिपेयरिंग के लिए 30 अक्टूबर तक का समय निर्धारित किया गया है। एमसीडी भी अपनी सड़कों का मरम्मत करवा रही है।

आईसीआई ने दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में अभूतपूर्व अस्पताल खोला

(जीतेन्द्र शर्मा)

नई दिल्ली :भारतीय कैंसर संस्थान ने आज दिल्ली में अपने अनुसंधान और उपचार अस्पताल के उद्घाटन की घोषणा की। आईसीआई में, मरीज कीमोथेरेपी और सर्जरी दोनों के साथ-साथ टारगेट थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। रोगियों में उन्नत कैंसर चरण के मामलों में भी उपचार के विकल्पों पर विचार किया जाता है।

आईसीआई का निर्माण विविध डॉक्टरों और ऑन्कोलॉजिस्ट की मजबूत नींव पर किया गया है जो उच्चतम स्तर की देखभाल और सहानुभूति के साथ रोगियों का इलाज करते हैं। विशाल अनुभव के साथ, वे पूरी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ जरूरतमंद लोगों को दयालु देखभाल प्रदान करने के लिए मिलकर काम करते हैं। दिल्ली और पूरे भारत में सही इलाज की तलाश करने वाला कोई भी व्यक्ति सही देखभाल के लिए आईसीआई का दौरा कर सकता है। उपचार में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए जीके1 के अस्पताल में पहले से ही कई लोग आ रहे हैं।

आईसीआई के साझेदारों में से एक, लोकप्रिय गायक मीका सिंह ने भी अपने एनजीओ डिवाइन टच और आईसीआई के बीच एक करीबी कामकाजी सहयोग विकसित किया है। उन्होंने और आईसीआई के संस्थापक सदस्य डॉ. तरंग कृष्णा दोनों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वे जरूरतमंद लोगों के लिए परिवर्तन के बड़े कारण में योगदान देना जारी रखेंगे।

मुख्य अतिथि - प्रसिद्ध बॉलीवुड सेलिब्रिटी सुनील शेट्टी ने अपनी उपस्थिति से इस उद्घाटन को सफल बनाया।

आईसीआई उन अस्पतालों में से एक है जिसका एजेंडा समुदाय को कैंसर से बचाना है, और यही कारण है कि वे कैंसर का पता लगाने के लिए हर शुक्रवार दोपहर 3 बजे से मुफ्त परीक्षण की पेशकश कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने बैजयंत पांडा को दिल्ली चुनाव प्रभारी बनाया

- चुनाव प्रभारी के रूप में उनकी नियुक्ति से भाजपा को राष्ट्रीय राजधानी में उनके अनुभव का लाभ मिलने की उम्मीद है।

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा के अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा नेतृत्व ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग सह प्रभारी होंगे। ओडिशा से लोकसभा सदस्य पांडा, इससे पहले दिल्ली के संगठन प्रभारी रह चुके हैं और संगठनात्मक जिम्मेदारी संभाल रहे थे। चुनाव प्रभारी के रूप में उनकी नियुक्ति से भाजपा को राष्ट्रीय राजधानी में उनके अनुभव का लाभ मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में होने की संभावना है। भाजपा के दिल्ली के चुनाव बेहद कठिन माने जाते हैं, क्योंकि वह 1998 से सत्ता से बाहर है। भाजपा व पूर्ववर्ती जनसंघ के गढ़ माने जाने वाले दिल्ली में भाजपा ने 21वीं सदी में लगभग एक चौथाई हिस्सा गुजर जाने के बाद भी अभी तक सरकार बनाने में सफलता नहीं पाई है। दिल्ली को विधानसभा का दर्जा मिलने के बाद भाजपा ने पहली सरकार 1993 में बनाई थी और पांच साल में उसके तीन मुख्यमंत्री रहे, लेकिन इसके बाद वह सत्ता में नहीं आई है। हालांकि, भाजपा लोकसभा की सातों सीटें लगातार तीन बार से जीत रही है।

इस बार भाजपा नेतृत्व ने दिल्ली में जीत की पुख्ता तैयारी शुरू कर दी है और उसने तीन महीने पहले ही चुनाव प्रभारी घोषित कर चुनावी कमान अपने हाथ में ले ली है। इस बार भी यहां पर त्रिकोणीय मुकाबला भाजपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी में होने की संभावना है। तीनों ही दल राष्ट्रीय दल हैं, ऐसे में सभी के लिए यह प्रतिष्ठा के चुनाव होंगे। भाजपा के लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वह देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार सफलता हासिल कर रही है। लेकिन, केंद्र में सत्ता में होने के बावजूद वह दिल्ली से दूर बनी हुई है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन को अभी राहत नहीं, जमानत याचिका पर टला फैसला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी सत्येंद्र जैन की नियमित जमानत याचिका पर फैसला टाल दिया है। जज राकेश स्याल के उपलब्ध नहीं होने की वजह से जमानत याचिका पर फैसला टला है। आज दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी सत्येंद्र जैन की नियमित जमानत याचिका पर फैसला आना था।

कोर्ट ने 5 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सत्येंद्र जैन ने दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रायल कोर्ट की ओर से समन जारी करने के आदेश को चुनौती दी है। सत्येन्द्र जैन की याचिका पर 25 जुलाई को हाईकोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी किया था। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश वकील विवेक गुरनानी ने इस मामले में ईडी को नोटिस करने का विरोध करते हुए कहा था कि सत्येंद्र जैन को जुलाई 2022 में ही समन जारी किया गया था, लेकिन जब ईडी उनके डिफॉल्ट जमानत का विरोध कर रही है तब उन्होंने ये याचिका दायर किया है।

ईडी की दलीलों को दरकिनार करते हुए हाईकोर्ट ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एन हरिहरन ने कहा था कि वे सभी सवालों का जवाब बहस के दौरान देंगे। जैन पर आरोप है कि उन्होंने 2009-10 और 2010-11 में फर्जी कंपनियां बनाई। इन कंपनियों में अकिंचन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रयास इंफो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। इस मामले में ईडी ने सत्येंद्र जैन के अलावा जिन्हें आरोपी बनाया है उनमें उनकी पत्नी पूनम जैन, अजीत प्रसाद जैन, सुनील कुमार जैन, वैभव जैन, अंकुश जैन, मेसर्स अकिंचन डेवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्स प्रयास इंफो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और जेजे आइडियल इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड को आरोपी बनाया गया है। ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया था।

गाजियाबाद में दो जगह पुलिस और बदमाशों में हुए मुठभेड़

गाजियाबाद। गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार की रात में अलग-अलग क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान आपराधिक वारदात के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले का आरोपी है जबकि दूसरा रुपये के विवाद में एक शख्स की पीट-पीट कर हत्या के मामले का आरोपी है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा चलाई गई गोलियों से दोनों ही आरोपी घायल हो गए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसीपी नन्दग्राम पूनम मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि नंदग्राम निवासी चाट हलवाई ने नन्दग्राम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी सात वर्षीय बेटी को एक शख्स मेले से बहला कर आइसक्रीम के बहाने अपने साथ ले गया

कोलकाता के डॉक्टरों के समर्थन में आईएमए की भूख हड़ताल, दिल्ली में सेवा जारी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर की हत्या और रेप के मामले में न्याय की मांग को लेकर पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन के समर्थन में भारतीय मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) जूनियर डॉक्टर नेटवर्क ने 12 घंटे की भूख हड़ताल का आह्वान किया था। हालांकि, दिल्ली के अस्पतालों में जूनियर डॉक्टरों की ओर से किसी प्रकार की हड़ताल देखने को नहीं मिली। अस्पतालों में सभी सेवाएं सुचारू रूप से जारी रहीं, जिससे मरीजों को इलाज में कोई कठिनाई नहीं हुई। दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में प्रतिदिन की तरह बड़ी संख्या में मरीज ओपीडी में पहुंचे, और चिकित्सकों ने सभी मरीजों की देखभाल की। दिल्ली एम्स में भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया, वहां भी डॉक्टर अपने ड्यूटी पर मौजूद रहे। एम्स रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर इंद्रशेखर ने कहा कि वे कोलकाता के डॉक्टरों के साथ खड़े हैं और उनकी मांगों का समर्थन करते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे जल्द ही बैठक करेंगे, ताकि यह तय किया जा सकेगा कि किस तरह से आंदोलन को समर्थन दिया जाए।

दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों जैसे जीटीबी, आरएमएल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, जीबी पंत, गुरु नानक आई केयर, लाल बहादुर शास्त्री और स्वामी दयानंद अस्पताल में भी डॉक्टरों की हड़ताल का कोई असर नहीं देखा गया। इस स्थिति के कारण मरीजों को अस्पतालों में इलाज कराने में कोई परेशानी नहीं हुई।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने भी पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में आईटीओ स्थित आईएमए हेडक्वार्टर पर चार घंटे का धरना दिया। डीएमए के पदाधिकारियों ने पश्चिम बंगाल सरकार से अपील की कि वे जल्द से जल्द हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों की मांगों को सुनें। उनका कहना था कि डॉक्टरों की मांगें बिल्कुल जायज हैं और लंबे समय से उनकी समस्याओं की अनदेखी हो रही है।

कोचिंग सेंटर में छात्रों की मौत के मामले में 6 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर

- सीबीआई ने अपनी जांच के दौरान पाया कि आरोपियों ने आपराधिक साजिश रची और गैर इरादतन हत्या की।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में स्थित राव आईएएस स्टडी सर्कल में एक भयानक जलसैलाब के कारण तीन छात्रों की जान जाने के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राउज एवेन्यू कोर्ट में छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इसके तहत परविंदर सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह, सरबजीत सिंह, कोचिंग के सीईओ अभिषेक गुप्ता और कोआर्डिनेटर देशपाल सिंह को आरोपी बनाया गया है। घटना 27 जुलाई 2024 को घटित हुई जब राव आईएएस स्टडी सर्कल के बेसमेंट में स्थित लाइब्रेरी में अध्ययन कर रहे यूपीएससी की तैयारी कर रहे तीन छात्र अचानक जलसैलाब में फंस गए। जब तक उन्हें बचाने की कोशिश की गई, तब तक उनकी मौत हो गई। यह घटना न केवल छात्रों के परिवारों के लिए एक अपूरणीय क्षति थी, बल्कि पूरे देश में शिक्षा संस्थानों की सुरक्षा पर सवाल उठाने वाला मुद्दा बन गई। सीबीआई जांच और चार्जशीटः इस भयानक घटना के बाद दिल्ली में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने 2 अगस्त को मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। सीबीआई ने अपनी जांच के दौरान पाया कि आरोपियों ने आपराधिक साजिश रची और गैर इरादतन हत्या की। थार चालक मनोज कथूरिया को आरोपी नहीं बनाया गया है। जमानत और कोर्ट की प्रक्रियाः देखने वाली बात है कि मामले के सभी आरोपी अब जमानत पर हैं। 23 सितंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीईओ अभिषेक गुप्ता और को-आर्डिनेटर देशपाल सिंह को अंतरिम जमानत दी। जबकि, इससे पूर्व 13 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने सह-मालिकों तजिंदर सिंह, परविंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह को जमानत दी थी। कानूनी धाराएंः दिल्ली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 106(1), 115(2), 3(5) के तहत मामले को दर्ज किया था।

दिल्लीः पार्क में ओपन जिम का उपकरण गिरने से 4 वर्षीय बच्चे की मौत

- बच्चों के परिवार को सहायता राशि दिलाने के लिए उन्होंने मेयर से बात की है।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पश्चिमी जिले के मोती नगर इलाके में एक पार्क में लगे ओपन जिम में एक्सरसाइज मशीन टूटकर एक बच्चे के ऊपर गिर गई। घटना में बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल मोती नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक घटना 13 अक्टूबर शाम की है, जब पुलिस को आचार्य भिक्षु अस्पताल से एक कॉल मिली थी। कॉल में बताया गया था कि चार साल का बच्चा मृत लाया गया है। पूछताछ में पता चला कि बच्चा पार्क में खेल रहा था, तभी ओपन जिम की एक मशीन उसके ऊपर आ गिरी। जिससे बच्चे की छाती में गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई।

पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार मृतक बच्चे की पहचान अरविंद (4) के रूप में हुई है। उसके पिता संजय सऊदी अरब में मजदूरी का काम करते हैं। जबकि मां हाउस वाइफ है और वह नेपाल की रहने वाली है। सांसद बांसुरी स्वराज ने की मुआवजे की मांग

इस मामले में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने बच्चे के परिजनों को सहायता राशि देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी घटना होने पर भी आम आदमी पार्टी के किसी बड़े नेता ने अब तक कोई बयान नहीं दिया है। उन्होंने दिल्ली नगर निगम के पार्कों की बदहाल स्थिति को दुरुस्त करने की मांग की। साथ ही सभी पार्कों में लगे झूलों और जिम मशीनों के सेफ्टी ऑडिट की मांग की।

2016 में भी हुई एक बच्चे की मौत

जानकारी के अनुसार 2016 में भी इसी पार्क में इसी जगह पर झूला लगा हुआ था और उसके टूटने से एक बच्चे की मौत हुई थी। इलाके के आम आदमी पार्टी (आआपा) पार्षद राकेश जोशी का कहना है इस संबंध में जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि बच्चों के परिवार को सहायता राशि दिलाने के लिए उन्होंने मेयर से बात की है। घटना के बाद बच्चे के अंतिम संस्कार के लिए परिवार गांव चला गया है और वहां से आने के बाद उन्हें उचित मुआवजा दिया जाएगा। पार्क में लगी एक्सरसाइज मशीनों के मेंटेनेंस को लेकर राकेश जोशी ने बताया कि समय-समय पर मेंटेनेंस का काम किया जाता है।

विजेंद्र गुप्ता ने विजिलेंस कमिश्नर को लिखा पत्र, मुख्यमंत्री आवास में अवैध निर्माण का लगाया आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजेंद्र गुप्ता ने विजिलेंस कमिश्नर को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने आम आदमी पार्टी(आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर मुख्यमंत्री आवास में अवैध निर्माण का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इसके निर्माण में नियमों का पालन नहीं किया गया। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस पूरे मामले की जल्द से जल्द जांच की जानी चाहिए। गुप्ता ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री आवास पर कई नियमों का उल्लंघन किया गया है, जिनमें अनधिकृत तोड़फोड़ के साथ -साथ सरकारी संपत्तियों की बबार्दी भी की गई है। साथ ही वहां अन्य भवनों का निर्माण किया गया है। इन सभी कार्यों में पर्यावरण को भी क्षति पहुंची है। विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया है कि 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित आवास पर अवैध रूप से वी टाइप के 8 फ्लैटस और दो बंगलों को तोड़ दिया गया। इसके अलावा, वहां 8 एकड़ में कॉम्प्लेक्स बनाया गया है। जिसमें कई नियमों का पालन नहीं किया गया है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि शीश महल केजरीवाल की बेईमानी का सबसे बड़ा उदाहरण है। यह सब कुछ नियमों और कानूनों को ताक पर रखकर किया गया। उन्होंने इस मामले को लेकर विजिलेंस कमिश्नर (सीवीसी) को पत्र लिखा है और शीशमहल में हुए अवैध निर्माण की जांच कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

गाय खरीदने पर मिलेगी 80 हजार की सब्सिडी

गाजियाबाद। पशु पालक और किसानों को देसी गाय खरीदने के लिए 80 रुपये तक का अनुदान सरकार की ओर से मिलेगा। नंद बाबा दुग्ध मिशन और मुख्यमंत्री गोसंवर्धन योजना को बढ़ावा देने के लिए किसानों और पशुपालकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए देसी गाय खरीदने पर 80 हजार रुपये तक का अनुदान मिलेगा। योजना में आवेदन प्रक्रिया आज 15 अक्तूबर से प्रारंभ होगी। इसके लिए आगामी 13 नवंबर तक आवेदन किए जा सकेंगे। पशुपालन अधिकारी डॉक्टर एसपी पांडेय ने बताया कि जिले के किसानों के लिए पशुपालन विभाग की ओर से योजना शुरू की गई है। जिसके तहत किसान या पशुपालक को दो देसी गाय खरीदने के लिए 80,000 रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में भूख हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने दिया धरना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हुई हत्या मामले में पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टर पिछले 67 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही कुछ डॉक्टरों ने भूख हड़ताल भी शुरू कर दी है। आज भूख हड़ताल का 11वां दिन है। लेकिन, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा जूनियर डॉक्टरों की मांगे पूरी नहीं की गई है, इसलिए डॉक्टरों का अनशन जारी है।

पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में आज दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (उटअ) ने आईटीओ हेडक्वार्टर पर धरना प्रदर्शन किया। साथ ही बंगाल सरकार से वहां के जूनियर डॉक्टरों की मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की। आईएमए एक्शन कमेटी के अध्यक्ष और आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल ने बताया कि कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दरिंदगी को 2 महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है। लेकिन, पश्चिम बंगाल सरकार ने अभी तक डॉक्टरों की मांगों को नहीं सुना।

पांच डॉक्टरों की हालत गंभीरः डॉ. विनय अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टर पूरे धैर्य के साथ न्याय और इंसाफ की मांग कर रहे हैं। वहीं, बंगाल सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। मजबूरन जूनियर डॉक्टरों को भूख हड़ताल पर बैठना पड़ा है, जिसमें से पांच डॉक्टरों की हालत गंभीर है। दो से ज्यादा डॉक्टर आईसीयू में भर्ती हैं। इसलिए दिल्ली यूनिट दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन, आईएमए जूनियर डॉक्टर नेटवर्क दिल्ली यूनिट और आईएमए मेडिकल स्टूडेंट नेटवर्क (एमएसएन) ने आज आईएमए हेडक्वार्टर पर धरना दिया और पश्चिम बंगाल सरकार से मामले में जल्द सुनवाई की मांग की है।

आंदोलन के लिए किया गया मजबूरः डॉ. विनय अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल की घटना के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वत संज्ञान लिया। राष्ट्रपति ने भी चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने भी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात की। लेकिन, इसके बावजूद मामले में अभी इंसाफ मिलता नहीं दिख रहा है। डॉक्टर के सब्र का इम्तिहान लिया जा रहा है। हम लोग पहले भी 12 घंटे तक गैर जरूरी सेवाओं को ठप कर चुके हैं। फिर आंदोलन के लिए मजबूर किया जा रहा है।

डॉक्टर को चाहिए भय मुक्त वातावरणः डॉ. विनय अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टर को अपने कार्यस्थल पर काम करने के लिए भय मुक्त वातावरण की बहुत जरूरत है। अगर उन्हें वह माहौल नहीं मिलेगा तो वह पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ अपना काम नहीं कर पाएंगे। इसलिए आईएमए एक्शन कमेटी के बतौर अध्यक्ष मैं पश्चिम बंगाल सरकार से मांग करता हूं कि जल्दी से जल्दी डॉक्टरों की बात सुनी जाए। साथी उन्होंने कहा कि डॉक्टर को देशभर में सुरक्षा प्रदान करने के लिए सेंट्रल हेल्थ प्रोटेक्शन एक्ट भी लागू करना बहुत जरूरी है।

JOTINDRA INFRASTRUCTURE LIMITED
(Formerly Known as: Jotindra Steel & Tubes Ltd.)
CIN: L27104HR1970PLC005240
Registered Office-14/3 Mathura Road, Sector45, Faridabad 121010, (Haryana) India
Phone : +91-129-2477888 E-mail: jotindra@jotindra.com

Dear Member,

We wish to inform you that the 1/2024-25 Extra-Ordinary General Meeting **("EGM")** of the Members of Jotindra Infrastructure Limited (Formerly Known as Jotindra Steel and Tubes Limited) will be held on **Wednesday, the 6th day of November, 2024** at 11:30 A.M to transact the business as set out in the Notice of the EGM of the Company.

Pursuant to provisions of Section 101 of the Companies Act, 2013 ("the Act") read with the Rules made thereunder, Regulation 36 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("Listing Regulations") and Secretarial Standard on General Meetings (including any statutory modification(s) or re-enactment(s) thereof, for the time being in force), the Notice of the EGM is being served through electronic mode to your e-mail address registered with your Depository Participant(s)/ Registrar and Transfer Agent ("RTA") of the Company, as the case may be.

The Notice of the EGM and other documents are available on the website of the Company and can be accessed/ downloaded using below given **link:https://jotindra.com/**

The aforesaid documentS are also available on the website of the Stock Exchanges, i.e., Metropolitan Stock Exchange of India Limited (MSEI) at https://www.msei.in/ respectively and on the website of National Securities Depository Limited ("NSDL") at **www.evoting.nsdl.com.**

Please note that the above link can be opened in Portable Document Format ("PDF"). If need be, the necessary PDF software may be downloaded from the Adobe Reader website **www.adobe.com,** after following the instructions to download the appropriate version of Adobe Reader for your system.

Pursuant to provisions of Section 108 of the Act read with the Rules made thereunder, Regulation 44 of the Listing Regulations and Secretarial Standard on General Meetings (including any statutory modification(s) or re-enactment(s) thereof, for the time being in force), the Company is providing to its Members with a facility to cast their vote on all the business items set forth in the Notice of EGM by electronic means from a place other than venue of the EGM ("remote e-voting"). The Company has engaged the service of NSDL for providing e-voting services through e-voting platform.

The voting rights of the Members shall be in proportion to their shares in the paid-up Share Capital of the Company as on the cut-off date, being 30th October 2024. Any person, who ceases to be a Member of the Company as on the cut-off date and is in receipt of this communication, shall treat the same for information purpose only.

The remote e-voting period begins on 3rd November, 2024 at 09:00 A.M. and ends on 5th November, 2024 at 05:00 P.M. During this period, Members of the Company holding shares either in physical form or in dematerialized form, as on the cut-off date, may cast their votes through remote e-voting. The remote e-voting will not be allowed beyond the aforesaid date and time and the remote e-voting module shall be forthwith disabled by NSDL upon expiry of the aforesaid period. Details of the process and manner of remote e-voting are furnished in the Notice of EGM.

Please carefully read the instructions and information relating to e voting, furnished in the Notice of the EGM, before exercising the vote through e voting.

Pursuant to provisions of Section 107 of the Act (including any statutory modification(s) or re-enactment(s) thereof, for the time being in force), since the Company is providing the facility of remote e-voting to the Members, there shall be no voting by show of hands at the EGM. The Company is also offering facility for voting by way of polling papers / ballot papers at the EGM for the Members attending the Meeting, who have not casted their vote by remote e-voting. However, Members who have already cast their votes by remote e-voting prior to the EGM, may attend the EGM but shall not be entitled to vote. If a Member cast votes by both modes i.e., remote e-voting and polling papers at the EGM, then voting done through remote e-voting shall prevail and vote cast through polling paper shall be treated as invalid.

The Board of Directors of the Company has appointed Mrs. Sanmeet Kaur (Company Secretary, in Whole-time Practice) as scrutinizer to scrutinise the remote e-voting and ballot process in a fair and transparent manner.

The result of e-voting will be declared within two working days from the conclusion of the EGM and the same, along with the consolidated Scrutiniser's Report, will be placed on the website of the Company at **https://jotindra.com/** and on the website of NSDL at **www.evoting.nsdl.com.** The result will simultaneously be communicated to the stock exchange.

In case of any queries, you may refer to the Frequently Asked Questions ("FAQs") for Members and e-voting user manual for Members available at the download section of **www.evoting.nsdl.com** or address the same to Ms. Pallavi Mhatre – Senior Manager, National Securities Depository Limited, Trade World, A wing, 4th Floor, Kamala Mills Compound, Lower Parel, Mumbai – 400 013 or call at:- 022-24997000 and 022-4886700 or send a request at **evoting@nsdl.co.in.**

Yours faithfully,
For JOTINDRA INFRASTRUCTURE LIMITED
(Formerly Known as JOTINDRA STEEL AND TUBES LIMITED)
Sd/-
(Nimanshu Singh)
Company Secretary & Compliance Officer
Membership No.: 68281

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024

वेस्ट दिल्ली में 9 शातिर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

वेस्ट दिल्ली जिले के अलग-अलग थाना इलाके से पुलिस ने सप्ताह भर में कुल 9 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों के पास से चोरी की चार मोटरसाइकिल, पांच मोबाइल फोन और दो स्कूटी बरामद की गई है। इनकी गिरफ्तारी से लगभग दर्जन भर मामले सुलझाने का दावा भी पुलिस कर रही है। वेस्ट दिल्ली के डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार, त्योहारों के इस मौसम में अपराधियों की धर पकड़ के लिए अलग-अलग थाना इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है।

अलग-अलग जगह से हुई बदमाशों की गिरफ्तारीः पहला आरोपी हरि नगर थाना इलाके से गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी गिरफ्तारी एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की टीम ने केशवपुर सब्जी मंडी इलाके से की गई। जब टीम को एक ऑटो लिफ्टर के आने की जानकारी मिली थी। जबकि, तीसरी गिरफ्तारी तिलक विहार चौकी पुलिस ने की। वहीं चौथे बदमाश की गिरफ्तारी भी तिलक विहार चौकी पुलिस द्वारा ही की गई जब वह बाइक चुरा कर ला रहा था। पांचवां आरोपी एंटी ऑटो थेफ्ट एस्कॉर्ड की टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। छठे बदमाश की गिरफ्तारी राजौरी गार्डन थाना पुलिस द्वारा तब किया गया जब वो चोरी की मोबाइल लेकर जा रहा था। जबकि, सातवें आरोपी की गिरफ्तारी एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड द्वारा वहीं आठवें और नवें आरोपी को हरी नगर चौकी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार बदमाशों का है लंबा आपराधिक रिकॉर्ड : गिरफ्तार आरोपियों में एक नाम अमरजीत है, जो निलोठी का रहने वाला है और उस पर दो मामले पहले से दर्ज है। जबकि, दूसरे आरोपी का नाम प्रदीप है, वह मंगोलपुरी का रहने वाला है। उस पर भी पहले से दो मामले दर्ज हैं। तीसरे आरोपी का नाम परमजीत सिंह है, जो जहांगीरपुरी का रहने वाला है और उस पर कुल 22 मामले दर्ज है। चौथे आरोपी का नाम जसप्रीत है, जो शाहपुरा तिलक नगर का रहने वाला है। जबकि, पांचवें आरोपी का नाम राजा पटेल है, यह रोहिणी का रहने वाला है और उस पर 18 मामले पहले से दर्ज है। छठे आरोपी का नाम अनवर है, यह बिंदापुर इलाके का रहने वाला है। इस पर भी पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज है।

आठवें आरोपी पर पहले से कोई मामला नहीं : जबकि, सातवें आरोपी का नाम शत्रुघ्न सिन्हा है यह नारायण गांव का रहने वाला है। इस पर पहले से दर्जनों मामले दर्ज है। जबकि, आठवें आरोपी का नाम तुषार है और यह ख्याला इलाके का रहने वाला है। उस पर पहले से कोई मामला दर्ज नहीं है। जबकि, नौवें आरोपी का नाम सूरज सिंह है, जो विष्णु गार्डन का रहने वाला है और उसे पर पहले से दो आपराधिक मामले दर्ज है।

गुरुजी गौतम ऋषि द्वारा यमुना महा आरती प्रारंभ करने का सराहनीय प्रयास, केंद्रीय मंत्री को सौंपे ज्ञापन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य और अखिल भारतीय गुरुकुल एवं गौशाला अनुसंधान संस्थान के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरुजी गौतम ऋषि ने 14 अक्टूबर (सोमवार) को केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ राजभूषण चौधरी, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, से मुलाकात की इस मुलाकात के दौरान उन्होंने ओखला पक्षी अभ्यारण्य के समीप में यमुना तट पर यमुना महा आरती प्रारंभ करने को लेकर ज्ञापन सौंपा। गुरुजी ने केंद्रीय मंत्री को सनातन धर्म एवं भारतीय परंपरा में यमुना नदी के महत्व से अवगत कराते हुए अनुमति मांगी। ज्ञापन में यमुना महाआरती से होने वाले लाभ का उल्लेख किया है और युवाओं को सतमार्ग एवं धर्म के मार्ग पर लाने, उन्हें आध्यात्म से जोड़ने और अपनी परम्पराओं का सम्मान करने के लिए इसे अति महत्वपूर्ण बताया है। गौतमबुद्ध नगर का गौरवशाली अतीतः गुरु जी

मीडिया से बातचीत के दौरान गुरुजी गौतम ऋषि जी ने कहा कि यमुना आरती प्रारंभ होने से जनपद में ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश और देश में धर्म एवं सकारात्मकता का भाव बढ़ेगा। भारतीय परंपरा में प्राचीन काल से ही नदियों को पूज्यनीय माना गया है। और विशेष रूप से यमुना नदी का हमारे वेदों एवं ग्रंथों में भी उल्लेख है। यमुना आरती प्रारंभ होने से नोएडा और गौतमबुद्ध नगर को धर्म की नगरी के रूप में एक अलग पहचान मिलेगी। युवा जोकि धीरे - धीरे अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं से कटता जा रहा है, वह भी इससे जुड़ेगा और सतमार्ग पर चलेगा।

इतना ही नहीं गुरु जी ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर का अपना एक गौरवशाली अतीत रहा है। गौतमबुद्ध नगर सदैव ही धर्मार्थियों की भूमि रही है, ऐसे में गौतमबुद्ध नगर के नोएडा में यमुना आरती प्रारंभ होना हम सभी जनपद वासियों के लिए गर्व एवं गौरव की बात होगी। पूजा करने से बढ़ती है आस्था व सकरात्मक ऊर्जा का संचार होता हैः गुरुजी गौतम ऋषि गुरुजी गौतम ऋषि ने कहा कि

हम जिस चीज की आस्थापूर्वक पूजा करते हैं, स्वतः ही उसके प्रति एक पवित्र भाव मन में उत्पन्न होता है। यदि यमुना आरती प्रारंभ होगा तो इससे क्षेत्र के लोगों में यमुना मैया के प्रति आस्था बढ़ेगी और वो इसे साफ एवं पवित्र रखने का प्रयास करेंगे। भारतीय परंपरा एवं सनातन धर्म में यमुना का महत्व

उत्तर प्रदेश से होकर यात्रा करने वाली यमुना नदी हम सनातनियों के लिए महज एक नदी नहीं बल्कि हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति एवं परंपरा का अभिन्न अंग है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यमुना को सूर्य देव की पुत्री और मृत्यु के देवता यम की बहन माना जाता है। उसकी पौराणिक उत्पत्ति हिंदू संस्कृति में उसके महत्व को बढ़ाती है। इतना ही नहीं यमुना का सनातन संस्कृति में व्यापक आध्यात्मिक महत्व भी है, यमुना नदी को देवी के रूप में पूजा जाता है। लाखों हिंदू इसकी पूजा करते हैं। यह नदी योगेश्वर श्री कृष्ण से बहुत निकटता से जुड़ी हुई है। यमुना नदी कई हिंदू अनुष्ठानों और समारोहों की पृष्ठभूमि है, देशभर से तीर्थ यात्री स्नान करने और आशीर्वाद लेने यमुना नदी के तट पर आते हैं। कार्तिक पूर्णिमा जैसे त्योहार में सनातन धर्मावलंबियों के लिए यमुना नदी का विशेष महत्व है। इस खास मौके पर बिहार प्रदेश भाजपा आईटी सेल प्रभारी एवं युवा नेता रवि रौशन, टेन न्यूज नेटवर्क के वरिष्ठ संवाददाता रंजन अभिषेक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आप और कांग्रेस के बाद अब भाजपा ने बिजली मुद्दे पर जनता को साधा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के गरीबों को महंगी बिजली की मार से बचाने के लिए विशेष पहल की है। यहां पर गरीबी रेखा (बीपीएल धारकों) से नीचे व्यक्तियों को करीब आधे दर पर बिजली उपलब्ध कराने की शुरूआत की गई है। उत्तर प्रदेश 2027 विधानसभा चुनाव से पहले इस फैसले को मास्टर स्ट्रोक की तरह देखा जा रहा है। पिछले कुछ सालों से हाल-फिलहाल जिन-जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं, वहां पर बिजली का महंगे बिल एक महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। इसलिए तमाम पार्टियों के चुनावी एजेंडे में इस मुद्दे को प्रमुखता से जगह दी जाती रही है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली वासियों को 200 यूनिट फ्री बिजली देकर इस मुद्दे को राजनीति की मुख्यधारा में ला दिया है। इसके बाद ह्यआपह्न शासित पंजाब में भी मुफ्त बिजली बिल योजना की घोषणा की गई। हाल ही में हरियाणा में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भी आम आदमी पार्टी ने इस मुद्दे को प्रमुखता से अपने एजेंडे में रखा था। दक्षिण भारतीय कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक में भी उपभोक्ताओं को 200 यूनिट फ्री बिजली दी जा रही है।

केंद्र की भाजपा सरकार भी हाल ही देश के एक करोड़ परिवारों के घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने की योजना लाई थी। इसमें केंद्र सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को 40 प्रतिशत तक भारी-भरकम सब्सिडी भी दी जा रही है।। दावा किया जा रहा है कि इस योजना से आम आदमी के खर्च में 2,000 से 3,000 रुपए तक की मासिक बचत होगी।

बिजली दर में जनता को राहत देने की श्रेणी में अब यूपी सरकार की भी एंट्री हो गई है। प्रदेश में अभी औसत आपूर्ति लागत 7.86 रुपये प्रति यूनिट है। वहीं बीपीएल धारकों को ये बिजली तीन रुपए प्रति यूनिट की दर से मुहैया कराने का फैसला किया गया है और बाकी का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। इसके अलावा किसानों के सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली का भी प्रावधान रखा गया है। माना जा रहा है कि यूपी सरकार के इस फैसले से प्रदेश के खजाने में करीब 10,067 करोड़ रुपए के भारी-भरकम राजस्व का अंतर पड़ेगा। माना जाना जा रहा है कि विधानसभा-2027 से पहले भाजपा सरकार का ये मास्टर स्ट्रोक है, जो चुनाव में बड़ा अंतर ला सकता है।

दिल्ली पुलिस ने 104 किलो पटाखे जब्त किए, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 104 किलोग्राम पटाखे जब्त किए। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को, बाहरी दिल्ली के सुल्तान पुरी इलाके में एक व्यक्ति द्वारा खाद्य पदार्थों में पटाखे छिपाकर ले जाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने एक मोटरसाइकिल को रोका और चालक मोहम्मद आकिब (24) को पकड़ लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्होंने मोटरसाइकिल पर रखे एक सफेद, प्लास्टिक के बैग की जांच की और खाद्य पदार्थों में छिपा कर रखे गए 10 किलो पटाखे बरामद किए। अधिकारी ने बताया कि आकिब ने खुलासा किया कि उसने तालिब यूसुफ (46) के गोदाम से पटाखे खरीदे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने यूसुफ को उसके गोदाम से गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 93 किलोग्राम से अधिक पटाखे जब्त किए गए।

रिश्वत लेने के आरोपी सिपाही की जमानत मंजूर

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने रिश्वत लेने के आरोप में दिल्ली पुलिस के सिपाही को जमानत दे दी है। मामला पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद के दर्ज न करने को लेकर परिजनों से रिश्वत लेने से जुड़ा है। अदालत ने जमानत की कुछ शर्तें भी लगाई हैं। इसमें आरोपी वर्तमान मामले के गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा। साथ ही, उनके संपर्क में नहीं आएगा। इसके अलावा मामले में संबंधित जांच अधिकारी के बुलाने पर जांच में शामिल होना होगा। विशेष न्यायाधीश जगदीश कुमार ने 50 हजार के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की एक जमानत पर आरोपी अमित को जमानत दी। इसके अलावा अदालत ने कहा कि अगर आरोपी के पास पासपोर्ट है तो उसे वो अदालत में जमा कराएं।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज, ग्रैप के पहले चरण के तहत प्रतिबंध लागू

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में लगातार तीसरे दिन मंगलवार को वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज किए जाने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में ह्यग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के पहले चरण के तहत प्रतिबंध लागू हो गए हैं। सर्दियों में विशेष प्रदूषण रोधी उपायों के अंतर्गत ग्रैप के पहले चरण के तहत प्रतिबंध का उद्देश्य निर्माण स्थलों पर धूल को कम करना, उचित अपशिष्ट प्रबंधन और सड़कों की नियमित सफाई के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करना है। ग्रैप एक के पहले चरण में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की सख्त जांच, बेहतर यातायात प्रबंधन और उद्योगों, बिजली संयंत्रों और ईंट भट्टों में उत्सर्जन नियंत्रण को अनिवार्य बनाया गया है। ग्रैप के पहले चरण के अंतर्गत कचरे को खुले में जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है, डीजल जेनरेटर के उपयोग को सीमित किया गया है तथा भोजनालयों में कोयले या लकड़ी के उपयोग पर रोक लगाई गई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मंगलवार को 207 दर्ज किया गया और लगातार तीसरे दिन वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई। दशहरा के बाद शहर का एक्यूआई खराब श्रेणी में पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमाान से दो डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे हवा में नमी का स्तर 64 प्रतिशत दर्ज किया गया। विभाग ने दिन में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आस पास रहने की संभावना है। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बेहद खराब तथा 401 और 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में केजरीवाल के सामने होंगे डॉ. मुनीष रायजादा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय लिबरल पार्टी (बीएलपी) अध्यक्ष डॉ. मुनीश कुमार रायजादा ने दिल्ली विधानसभा के आगामी चुनाव में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आआपा) संयोजक अरविंद केजरीवाल को चुनौती देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल दिल्ली में जहां से भी मैदान में होंगे, वह वहीं से चुनाव लड़ेंगे। डॉ. रायजादा ने बताया कि उन्होंने नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र (एसी -40) में चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है, क्योंकि केजरीवाल वर्तमान में इसी क्षेत्र से विधायक हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सीधी लड़ाई भ्रष्ट लोगों को सत्ता से बाहर करने के बीएलपी के संकल्प का आगाज है। उल्लेखनीय है कि डॉ. रायजादा यूएसए से लौटे हैं। वह अन्ना आंदोलन के शुरूआती स्वयंसेवकों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल दिल्ली राज्य की दयनीय स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। डॉ. रायजादा ने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो सबसे पहले भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए एंटी करप्शन कमीशन का गठन करेगी। यह आयोग न केवल भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करेगा, बल्कि राजनीति में पारदर्शिता और सच्चाई की नींव को मजबूत करेगा।

सोमनाथ भारती की याचिका पर उच्चतम न्यायालय का उप्र सरकार को फिर से नोटिस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सोमनाथ भारती की उस याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नया नोटिस जारी किया, जिसमें राज्य में अस्पतालों और स्कूलों की स्थिति पर कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए उनके खिलाफ दर्ज मामले को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। भारती के खिलाफ मामला सुल्तानपुर के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में लंबित है। उन्होंने मामले को यहां राउज एवेन्यू कोर्ट में स्थानांतरित करने का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने इस मामले में शिकायतकर्ता को भी नोटिस जारी किया और मामले की सुनवाई के लिए तीन सप्ताह बाद की तारीख तय की।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल तीन जुलाई को भारती के खिलाफ सुल्तानपुर अदालत में लंबित कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। पिछले साल 10 अप्रैल को उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर भारती द्वारा मामले को स्थानांतरित करने के अनुरोध वाली याचिका के संदर्भ में कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

आप नेता की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ रायबरेली और अमेठी में दो मामले दर्ज किये गये थे। भारती ने आरोप लगाया कि दोनों मामले राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित होकर दर्ज किए गए हैं। आप नेता ने 10 जनवरी, 2021 को अमेठी जिले के दौरे के दौरान मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कथित अपमानजनक टिप्पणी की थी। उनके खिलाफ अमेठी के जगदीशपुर थाने में स्थानीय निवासी सोमनाथ साहू ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

एफएनपी के साथ 30 मिनट की क्विक डिलीवरी के साथ उपहार भेजने की व्यवस्था

नई दिल्ली ।भारत के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद गिफ्टिंग प्लेटफॉर्म एफएनपी (फर्न्स एन पेटल्स) ने आज देशभर के 36 शहरों में अपनी नई 30 मिनट की क्विक डिलीवरी सेवा शुरू करने की घोषणा की है। भारत में उसी दिन डिलीवरी करने के क्षेत्र में सबसे आगे एफएनपी ने इस विरासत को आगे बढ़ाया है। अब इस पेशकश में लगातार इनोवेशन की पहल करते हुए अधिक सहज विकल्प प्रदान करते हुए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। एफएनपी ने हमेशा उपहार के ऑर्डर वाले दिन ही डिलीवरी देने में उद्योग का नेतृत्व किया है। देश भर में इस सेवा को शुरू करने वाली पहली कंपनियों में से एक है। अब, कंपनी ने दिल्ली एनसीआर (गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद), मुंबई (ठाणे, वसई, विरार, डोंबिवली), बैंगलोर, चंडीगढ़ (जीरकपुर, मोहाली) और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों के साथ-साथ पुणे, अहमदाबाद, लुधियाना, कानपुर, जयपुर और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में 30 मिनट की क्विक डिलीवरी की पेशकश कर स्टैंडर्ड्स को और भी ऊंचा कर दिया है। एफएनपी के ग्लोबल सीईओ और डायरेक्टर पवन गाडिया ने कहा, ह्यएफएनपी में हमारा मानना है कि उपहार देना विचारशीलता और किसी व्यक्ति के प्रति प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है। हमारी 30 मिनट की क्विक डिलीवरी सेवा यह सुनिश्चित कर हमारे ग्राहकों के अनुभव को बढ़ाती है। इसके जरिये उनके विचारशील पहल को सहजता से पूरे करने पर हमारा ध्यान है। चाहे कोई खास अवसर हो या कोई सहज क्षण, हमारा लक्ष्य ग्राहकों को उन लोगों के साथ यादगार अनुभव बनाने में मदद करना है जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।

एफएनपी की क्विक डिलीवरी सेवा एआई और रियल-टाइम लॉजिस्टिक्स ऑप्टिमाइजेशन तकनीक से संचालित होती है। यह सिस्टम रूट इफिशियंसी को बढ़ाता है। पूर्वानुमानित ऑर्डर मैनेजमेंट में सुधार करता है। बिना किसी समस्या के अंतिम व्यक्ति तक उपहार पहुंचाना सुनिश्चित करता है। इस अत्याधुनिक दृष्टिकोण के साथ एफएनपी न केवल उपहार, बल्कि खुशी के पल, सीधे ग्राहकों के दरवाजे तक पहुँचा रहा है।

विश्वास और साथ का जश्नः येसमैडम और श्रद्धा कपूर के साथ इस दिवाली का नया संदेश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आ रहे हैं, यस मैडम अपने दिल छू लेने वाले कैंपेन के जरिए खुशी, आपसी जुड़ाव और घर पर देखभाल का सफर जारी रखे हुए है। यह ब्रांड लगातार बढ़ती कीमतों और ब्यूटी इंडस्ट्री में नकली उत्पादों के इस्तेमाल जैसी समस्याओं से निपटने के लिए काम कर रहा है, और यह नया फेस्टिव कैंपेन उसी वादे को निभाने का एक और कदम है। भारत, 15इं अक्टूबर, 2024: यस मैडम, जो भारत की प्रमुख एट-होम सलून सर्विस प्रदाता है, ने दिवाली के मौके पर एक दिल छू लेने वाला कैम्पेन पेश किया है जिसमें बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर नजर आ रही हैं। जिस तरह दिवाली का त्योहार गर्मजोशी, एकजुटता और नई शुरूआत का प्रतीक है, उसी तरह यस मैडम के इस नए कैम्पेन में इन त्योहारों की विशेषताएं खूबसूरती से दिखाई गई हैं। श्रद्धा कपूर और उनके पिता शक्ति कपूर के पिछले कैम्पेन की सफलता के बाद, इस नए कैम्पेन में सबको साथ लेकर चलने और एक-दूसरे पर विश्वास करने का संदेश और भी मजबूती से दिया गया है। यह काम करने के ऐसे तरीके को बढ़ावा देता है, जहां हर कोई शामिल हो और एक-दूसरे पर भरोसा करे। आजकल लोग गिग इकॉनमी की बातें करते हैं, यानी छोटे-छोटे काम करके पैसा कमाना। लेकिन इस कैम्पेन के जरिए, यस मैडम ने दिखाया है कि सिर्फ बातों से कुछ नहीं होता, इसे सही मायनों में अपनाने की भी जरूरत है। इस वीडियो में दिवाली की चमक को खूबसूरती से दिखाया गया है, जहां श्रद्धा कपूर और यस मैडम के एक सर्विस पार्टनर के बीच दिल को छू लेने वाली बातचीत होती है। श्रद्धा उस सर्विस पार्टनर को अपने परिवार के उत्सव में शामिल होने का न्योता देती हैं। ये छोटा लेकिन असरदार पल, उपभोक्ताओं और सर्विस पार्टनर्स के बीच के रिश्ते को उजागर करता है और यस मैडम की एकता और जुड़ाव की सोच को मजबूत बनाता है। अक्सर हमें ये एहसास नहीं होता कि ये सर्विस पार्टनर्स हमारे खास मौकों का हिस्सा बनकर हमें सिर्फ बाहर से नहीं, बल्कि अंदर से भी बेहतर महसूस कराते हैं।

यस मैडम, एक बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप, न केवल होम सलून इंडस्ट्री में उपभोक्ता-केंद्रित सेवाओं का नया रूप दे रहा है, बल्कि गिग वर्कर्स को बेहतर मौके और आर्थिक आत्मनिर्भरता भी प्रदान कर रहा है। अधिकांश गिग वर्कर्स अकेले ही अपने घर का खर्चा चलाते हैं और पूरे परिवार का भरण-पोषण करते हैं। हर एक वर्कर की अपनी प्रेरणादायक कहानी होती है, और यस मैडम के साथ वे न सिर्फ उपभोक्ताओं की जिंदगी को खूबसूरत बनाते हैं, बल्कि अपनी भी जिंदगी को बेहतर करते हैं। त्योहारों पर यह सिर्फ अच्छे दिखने की बात नहीं है, बल्कि एक साथ मिलकर अच्छा महसूस करने की भी बात है। यस मैडम का विश्वास इस हद तक पहुंच चुका है कि उन्होंने शार्क टैंक सीजन 3 में कहा था कि उनका लक्ष्य यह है कि वे एक दिन सलून सेवा प्रदाताओं से कोई कमीशन नहीं लेंगे। इस कैम्पेन के बारे में अपनी राय रखते हुए, मयंक आर्या, को-फाउंडर और सीईओ, यस मैडम ने कहा, हमारा नया कैंपेन हमारे सपने को दिखाता है। हम एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते हैं, जहां छोटे-छोटे काम करने वाले लोग महसूस करें कि वे कितने जरूरी हैं। अक्सर लोग उनके काम को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन उनके काम से ग्राहकों और पूरे बिजनेस को बहुत फायदा होता है। हम इस सोच को बदलना चाहते हैं और चाहते हैं कि जो भी हमारे साथ काम करता है, वह खुद को इस बड़े परिवार का हिस्सा माने।

आकांक्षा विश्नोई, को-फाउंडर, यस मैडम ने कहा, इस कैम्पेन में दिखाया गया है कि कैसे हमारी ब्रांड वैल्यू इन सार्थक बातचीतों में झलकती है। हम एक-दूसरे से जुड़ाव को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं, जो हर किसी के त्योहार में खुशी और रोशनी लाता है, और हमारे सर्विस पार्टनर्स के महत्व को भी बढ़ाता है। हमें पूरा यकीन है कि हर कोई इस कैम्पेन से जुड़ाव महसूस करेगा। यह कैंपेन गर्मजोशी, सम्मान और सराहना से भरी बातचीत का रास्ता खोलेगा।

ब्राण्ड के साथ जुड़ाव जारी रखने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए श्रद्धा कपूर कहती हैं, इस कैम्पेन में बहुत खूबसूरती से दिवाली के असली मतलब को दिखाया गया है। इसमें एकजुटता का आनंद और खास मौकों को साथ मनाने की गर्माहट साफ नजर आती है। यस मैडम का अपने सर्विस पार्टनर्स और गिग कर्मचारियों को परिवार का हिस्सा बनाने का दिल छूने वाला संदेश वाकई खास है। यह हमें याद दिलाता है कि कैसे त्योहारों के दौरान चुपचाप हमारी मदद करने वाले लोगों का सम्मान और आभार जताना जरूरी है। मुझे यकीन है कि यह कैम्पेन एकता की गहरी समझ देगा और हमें उन सर्विस प्रोफेशनल्स के प्रति कृतज्ञ होने के लिए प्रेरित करेगा, जो खासतौर पर त्योहारों के समय हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यस मैडम के दिवाली कैम्पेन में उन गिग कर्मचारियों के योगदान को खूबसूरती से दिखाया गया है, जो हमारे त्योहारों को रोशन करने में अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन अक्सर उनके काम को नजरअंदाज कर दिया जाता है। चाहे वह हमें खूबसूरत बनाने वाले ब्यूटी सर्विस पार्टनर हों, आपके सामान या गिफ्ट को समय पर पहुंचाने वाले डिलीवरी वाले, या फिर हमें अपनों तक सुरक्षित पहुंचाने वाले कैब ड्राइवर–ये गुमनाम नायक हमारे त्योहारों का अहम हिस्सा हैं। यह कैम्पेन एक प्यारा-सा रिमाइंडर है कि कैसे उनकी मेहनत और सेवा हमारी जिंदगी को बेहतर और आसान बनाती हैं। यह उन लोगों की तारीफ का अनोखा तरीका है, जो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी और त्योहारों को बिना रुके खास बनाने में लगे रहते हैं।

दिल्ली एनसीआर के 6 शातिर बदमाश गिरफ्तार, 10 मोबाइल फोन व चाकू बरामद

नोएडा। दिल्ली एनसीआर में भीड़भाड़, मेला व बाजार आदि स्थानों से कीमती सामान के साथ-साथ मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक गिराह के 6 शातिर बदमाशों को थाना सेक्टर-24 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से चोरी किये गये 10 मोबाइल फोन, 2 अवैध चाकू व घटना में प्रयुक्त होने वाला एक टैम्पू बरामद किया है। अभियुक्त एक गिरोह बनाकर वारदातों को अंजाम देने में माहिर है।

बदमाशों की गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी देते हुए डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-24 नोएडा पुलिस ने आज लोकल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से थाना क्षेत्र के एच ब्लाक सेक्टर-22 नोएडा के पास से 6 अभियुक्त सोनू उर्फ शानू पुत्र स्व. सईद, मौ. अकरम पुत्र मौ. सुलेमान, शाहीद पुत्र अब्दुल, अभिषेक पुत्र राजकुमार, ऋषि पुत्र रामरतन तथा तुषार पुत्र बबलू को गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी ने बताया कि अभियुक्तगण भीड़भाड़ वाले स्थानों जैसे मेला, साप्ताहिक बाजार, मार्केट आदि में योजना बनाकर ऑटो से नोएडा आते है और सभी लोग एक साथ घुसकर उनको जो भी आसान टारगेट लगता है, उसको देख लेते है। ये लोग उसके चारो तरफ खडे-होकर उनमें से कुछ लोग टारगेट को बातों में उलझाकर या उसका ध्यान भटकाकर उसकी जेब या बैग में से मोबाइल फोन को निकाल लेते है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त मोबाइल चोरी की घटनायें पूरे एनसीआर क्षेत्र में करते है। अभियुक्तों ने पूछताछ के दौरान बताया है कि उनसे बरामद हुए मोबाइल फोन मेले, साप्ताहिक बाजारों व भीड़भाड़ वाले स्थानों से रैकी करके चोरी किये गये थे।

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट की टिकटों की कालाबाजारी, दिल्ली पुलिस ने आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

गायकी और अभिनय से करोड़ों दिलों पर राज करने वाले पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने दिल-लुमिनाटी कॉन्सर्ट की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं। अब दिल्ली पुसिल ने दलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट की फर्जी टिकट बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। फिलहाल, पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है। दरअसल, दिल्ली पुलिस को सूचना मिली थी कि दलजीत के दिल्ली में प्रस्तावित शो का टिकट कुछ लोग कालाबाजारी के जरिए बेच रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने इस सूचना के बाद मामले की जांच शुरू की और एक आरोपी को दबोच लिया। दिलजीत दोसांझ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में शो कर चुके हैं। अब वह सुपरहिट दिल-लुमिनाटी टूर को दिल्ली सहित देश के 10 प्रमुख शहरों में कॉन्सर्ट करेंगे। ऐसे में दिलजीत के कॉन्सर्ट की फर्जी टिकट भी खूब बेची जा रही थी।

दिलजीत दोसांझ के आगामी प्रोग्रामः दलजीत दोसांझ 26 और 27 सितंबर को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में एक शो करने वाले हैं। नई दिल्ली के बाद, दिलजीत अपने दिल-लुमिनाटी टूर में भारत के कई अन्य शहरों में भी अपना शो करेंगे।

जानकारी के मुताबिक, दिलजीत दोसांझ 3 नवंबर को राजस्थान के जयपुर में परफॉर्म करेंगे, जिसकी टिकटें पहले ही बिक चुकी है। इसके बाद, वह अपना अगला शो 15 नवंबर को हैदराबाद में करेंगे। वहीं, इसके दो दिन बाद वह अहमदाबाद और 22 नवंबर को लखनऊ में नजर आएंगे। उड़ता पंजाब गायक 24 और 30 नवंबर को क्रमशः पुणे और कोलकाता मेंअपना शो करेंगे। इसके आलावा, दिलजीत दोसांझ की बाकी चार कॉन्सर्ट इस साल दिसंबर महीने में बेंगलुरु, इंदौर, चंडीगढ़ और गुवाहाटी में होंगे।

संक्षिप्त खबरें

आज होगी पेंशनर समाज जिला शाखा कार्यकारिणी की बैठक

मुंगेर। बिहार पेंशनर समाज जिला शाखा कार्यकारिणी की बैठक 16 अक्टूबर को किला परिसर स्थित कार्यालय में संपन्न होगी। इसकी जानकारी देते हुए पेंशनर समाज के सभापति नवल किशोर प्रसाद सिंह ने बताया कि जिला कार्यकारिणी की बैठक में पेंशनरों की समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि पेंशनरों से संबंधित समस्याओं को लेकर पिछले दिनों प्रधानमंत्री को त्राहिमाम पत्र भेजा गया था। उन्होंने बताया कि जिला के सभी वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य इस बैठक में मौजूद रहेंगे।

चोरों ने की बाइक की चोरी

मुंगेर। मुंगेर से कल्याणपुर दुर्गा पूजा का मेला देखने पहुंचे कासिम बाजार थाना क्षेत्र के बीचागांव निवासी रंणधीर कुमर शर्मा की बाइक शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने इस संबंध में रणधीर कुमार शर्मा ने बताया कि वह बाइक से मेला देखने कल्याणपुर जा रहा था। रास्ते में जाम रहने के कारण वह अपनी बाइक को नया छावनी में सड़क किनारे लगाकर पैदल कल्याणपुर चला गया। देर रात वापस आया तो बाइक नहीं मिली। इस सम्बन्ध में उन्होंने बरियारपुर थाना में लिखित आवेदन दिया है। बरियारपुर थाना अध्यक्ष ने बाइक चोरी होने की पुष्टि की है प्राथमिकी दर्ज होने के बाद छानबीन की जा रही है।

युवा लोजपा द्वारा किया गया निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन

मुंगेर सदर।वाटा चौक बाजार मुंगेर में दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन उपरांत निशुल्क सेवा शिविर युवा लोक जनशक्ति आर के द्वारा आयोजित की गई। शिविर का उद्घाटन के पूर्व प्रत्याशी अभिमन्यु यादव तथा लोजपा जिला अध्यक्ष ने फीता काटकर किया गया। वहीं पूर्व प्रत्याशी द्वारा कहा गया कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। मौके पर उपस्थित जिला कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम प्रकाश द्वारा कहा गया कि मां दुर्गा के विसर्जन में युवा लोक जनशक्ति पार्टी आरके ओर से एक छोटा सा प्रयास है मेले में आए भक्त जनों का निशुल्क जल एवं फास्ट फास्ट अन्य की सुविधा प्रदान करने का प्रयास किया गया है।

घर जा रहे एक छात्र के साथ तीन युवको ने कि मारपीट

जमुई [झाझा] बस स्टैंड स्थित एक कोचिंग संस्थान से टयूशन पढ़कर अपने घर जा रहे 12 वीं के छात्र के साथ गणेशी मंदिर के पास रास्ता रोकते हुए तीन युवकों ने मारपीट करते हुए घायल कर दिया। घायल छात्र की पहचान बोसबगान गांव के रहने वाले सुरेश कुमार वर्मा का पुत्र अनुप आनंद के रूप में हुई है। परिजनों को सूचना मिलने पर छात्र के मां- पिता उसे घायल अवस्था में इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया जहां चिकित्सक ने घायल छात्र का इलाज किया गया। घायल छात्र ने बताया कि सुबह करीबन दस बजे टयूशन पढ़कर अपने घर जा रहा था कि तभी तीन युवक बिना किसी बात के मेरा रास्ता रोक दिया जिससे रास्ता रोकने का कारण पूछा तो वे तीनों युवक मारपीट करने लगा और बांस की फटटी से मारते हुए मुझे घायल कर दिया।

एक महिला के उपर लोहे के रॉड से मारकर किया घायल

जमुई [झाझा] सिमुलतला थानाक्षेत्र अंतगर्त बूढ़ीबाड़ गांव में मंगलवार को एक महिला के साथ जमीन विवाद को लेकर उसके रिश्तेदारों के द्वारा मारपीट करते हुए घायल कर दिया। घायल महिला की पहचान पार्वती देवी के रूप में हुई है जिसे इलाज के लिए उसके परिजनों ने रेफरल अस्पताल झाझा लाया जहां चिकित्सक ने घायल महिला का इलाज किया। घायल महिला ने बताया कि भैसुर के बेटे अरूणदेव राय के साथ अन्य चार लोगों ने 45 फीट जमीन की विवाद को लेकर मेरे साथ मारपीट करते हुए लोहे के रॉड से मार कर घायल कर दिया। घायल महिला ने बताया कि मारपीट की सूचना सिमुलतला पुलिस को दे दी गई है।

सास- बहु के साथ हुई मारपीट

जमुई [झाझा] मंगलवार को सतीघाट में एक महिला और उसकी बड़ी बहु के साथ उसके छोटा बेटा अरमान अपनी पत्नी और भाभी के साथ मिलकर मारपीट कि घटना को अंजाम दिया। घायल की पहचान रेबुन निशा और उसकी बहु नाजमा खातुन के रूप में हुई है। दोनो का इलाज रेफरल अस्पताल झाझा में किया गया। घायल रेबुन निशा ने बताया कि स्नान करने के लिए छोटा बेटा को चापाकल चलाने के लिए बोला तो इसी बात को उक्त लोगों ने मारपीट करते हुए हमदोनो को घायल कर दिया।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम व अर्जुन मंडल की मनाई गई पुण्यतिथि

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। प्रखंड के किसान भवन के सामने भारत के पुर्व राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम और बिहार सरकार के पूर्व वन एवं पर्यावरण मंत्री अर्जुन मंडल की पुण्य तिथि मनाई गई ।बुधवार को मिसाइल मैन अब्दुल कलाम व पुर्व मंत्री स्व.अर्जुन मंडल की पुण्यतिथि मनाई गई। सर्वप्रथम उनके तेलिये चित्र पर मालप्पन कर उनको नमन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी शेखावत अली ने कहा भारत के राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम न केवल एक महान राष्ट्रपति थे बल्कि एक अद्भुत वैज्ञानिक भी थे। जिन्हें हम सब मिसाइल मैन के नाम से भी जानते हैं। विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में उन्होंने अतुलनीय योगदान दिया है। जिसकी वजह से उन्हें सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया उन्होंने अपने जीवन में लगभग 40 साल रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के लिए काम करते हुए बिताएं। वही पूर्व प्रमुख श्रवण यादव ने कहा की कलाम अपने परिवार में काफी लाडले थे। लेकिन उनका परिवार छोटी बड़ी मुश्किलों से हमेशा ही जुझते रहे थे। उन्होंने बचपन में ही अपनी जिम्मेदारी का एहसास हो गया था उस वक्त उनके घर में बिजली नहीं हुआ करती थी और वह केरोसिन तेल का दीपक जलाकर पढ़ाई किया करते थे। मौके पर समाजसेवी श्रवण याद ,रामटहल साह,शंभू यादव,शेखावत अली,चंद्रशेखर यादव,भागीरथ यादव अब्दुल कलाम व अर्जुन मंडल के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गिद्धौर झाझा मुख्य राजमार्ग पर केतरु नवादा के समीप सड़क दुर्घटना में एक युवक घायल, सदर रेफर

झाझा थाना क्षेत्र के मकरकेंद गांव का निवासी है युवक

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। गिद्धौर-झाझा मुख्य राजमार्ग पर केतरु नवादा गांव के निकट तेज गति से आ रहे एक ट्रक वाहन द्वारा एक बाइक सवार युवक को पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में उक्त बाइक सवार युवक झाझा प्रखंड के मकरकंद गांव निवासी गौरी शंकर राम का पुत्र दीपू राम गंभीर रूप से घायल हो गया। वही घटना के बाद ट्रक वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इस सड़क दुर्घटना की भनक स्थानीय ग्रामीणों को लगते ही घायल युवक को आनन फानन में दिग्विजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिद्धौर लाया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक द्वारा घायल युवक दिपू राम का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। वहीं घटना की जानकारी गिद्धौर पुलिस को मिलते ही मामले की छानबीन की जा रही है।

मृतिका के पिता ने ससुराल वालों पर बेटी-नाती की हत्या का दर्ज कराई प्राथमिकी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] सोमवार को नागी डैम में मिले मां बेटे के शव मामले में मृतिका के पिता सुरेश यादव के द्वारा बेटी और नाती की हत्या कर शव फेंके जाने को लेकर बेटी के ससुराल वालों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। मृतिका के पिता के द्वारा दामाद पप्पू यादव, समधी सत्यनारायण यादव और समधन सुमंती देवी पर दहेज को लेकर बेटी और नाती की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस के द्वारा पूछताछ के लिए मृतिका के पत्नी को हिरासत में लिया गया जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया।

खंड बिहारी गांव में चोरों का आतंक

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। अनुमंडल क्षेत्र के खंड बिहारी गांव में चोरों के आतंक से गांव के नागरिक परेशान हैं चोरी करने के उद्देश्य से चोरों ने आए दिन चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया है। खंड विहारी गांव के सैकड़ो ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व सियाराम सिंह का चापानल काट लिया और मोटर चुराने की कोशिश में नाकाम रहे दूसरी घटना दुर्गा पूजा में लगे कांडला भोंपू भोंपू का मशीन साथ भोपू का मशीन खोल लिया वहीं गत 14 अक्टूबर 2024 की रात स्कूल के मैदान के पास बने तीन दुकानों का चोरों ने ताला तोड़ दिया लेकिन शटर का लॉक नहीं तोड़ पाने से सामानों की चोरी नहीं हो सका । दुकानदार गौतम कुमार ने बताया कि दो कपड़े की दुकान और एक मेरे किराना की दुकान का ताला तोड़ा गया किसी भी प्रकार की सामानों की चोरी नहीं हो पाई इस संबंध में खंड बिहार दुर्गा काली पूजा समिति के द्वारा अज्ञात चोरों के खिलाफ खड़गपुर थाने में आवेदन किया गया है इस तरह की घटना से ग्रामीण परेशान है। ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से चोरी की घटनाओं में लिप्त लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

बड़ी दुगार्मंदिर में हुआ कन्याकुंवारी भोज सह महाभंडारा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] शारदीय नवरात्र के समापन के बाद मुख्य बाजार स्थित श्री श्री 108 वैष्णवी दुगार्मंदिर में मंगलवार को कन्याकुंवारी भोज सह महाभंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में कुंवारी कन्या सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित हुए। कन्याभोज को प्रारंभ करने से पहले मां दुर्गा की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कि गई और मां को महाभंडारा के प्रसाद का भोग लगाया उसके बाद 108 कन्याओं को पूजा समिति के अध्यक्ष प्रभाष बंका एवं अन्य कमेटी के सदस्यों ने कन्याओं को लाल चुनरी ओढ़ाते हुए भोजन करवाया और फिर दक्षिणा देते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त कर विदाई दी। कन्याभोज होने के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाभंडारा किया जिसमें सैकड़ो की संख्या में मौजूद लोगों ने मां दुर्गा की महाप्रसाद को ग्रहण किया। अध्यक्ष ने कहा कि पारंपरिक नियमों का पालन करते हुए पूरी निष्ठा एवं भक्ति के साथ कन्याकुंवारी भोज सह महाभंडारा का आयोजन किया। उन्होनें आगे बताया कि कुंवारी कन्याओं में मां का स्वरूप होता है और उसी को लेकर कन्याभोज का आयोजन किया गया। मौके पर साधु केशरी, राजेश शर्मा, ध्रुव अगहरी, संटू गुप्ता, दीपक शर्मा सहित बड़ी संख्या में कमेटी के सदस्य थे। कन्याभोज सह महाभंडारा के दौरान लोग जयमाता दी के जयघोष लगाते हुए पूरे वातावरण को भक्तिमय बनाए हुए था।

ऑनलाइन कामकाज- विभाग ने निकाला सरल उपाय, बिचौलियों से भी लोगों को मिलेगी मुक्ति

ऑनलाइन मिलेगा खतियान व रजिस्टर वन का नकल,एक पेज के दस रूपए

- सर्वे में बाधा ना हो,इसके लिए अधिकारियों ने उठाया कदम, किसानों को राहत

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। भूमि विवाद एवं राजस्व से जुड़े सभी कार्यों को आसान बनाने के लिए भूमि सुधार विभाग लगातार कुछ नया कर रहा है। ताकि आम लोगों को राजस्व से जुड़े कार्यों का निष्पादन करवाने में कोई दिक्कत ना हो। लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों का चक्कर न काटना पड़े। इन दिनों सर्वे का कार्य चल रहा है। आमजन खतियान एवं रजिस्टर वन की नकल निकलवाने के लिए परेशान है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। खतियान अथवा रजिस्टर वन की नकल के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे जहां एक तरफ लोगों को कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे वहीं दूसरी ओर अभिलेखागार के पास बैठे बिचौलियों से भी मुक्ति मिलेगी। बता दें कि आए दिन लोगों की शिकायत अधिकारियों के पास पहुंचती रहती है कि अभीलेखागार के बाहर बैठे कई बिचौलियों द्वारा एक नकल के लिए तीन से चार हजार रुपये की वसूली की जाती है। ऐसे में ऑनलाइन नकल की यह व्यवस्था लोगों के लिए लाभकारी होगा। गौरतलब है इन दिनों जिला के कई राजस्व ग्राम का सर्वे भी चल रहा है। लेकिन कई रैयतों द्वारा समय पर संबंधित दस्तावेज जमा नहीं करने के कारण सर्वे का काम नहीं हुआ है। क्योंकि पहले अपनी जमीन के खतियान या रजिस्टर वन की नकल के लिए ऑफलाइन आवेदन करना पड़ता था। जिसे लेने में लोगों को परेशानी होती थी। नाजायज रुपए खर्च करने के बाद भी उनको नकल एक से दो माह बाद मिलता था। लेकिन ऑनलाइन प्रक्रिया होने के बाद लोगों को नकल आसानी से मिलेगी। विभाग के साइट पर निबंध कर प्राप्त कर सकते हैं खतियान व रजिस्टर वन कोई भी कर सकता है लांगिन गिद्धौर सीओ ने कहा है कि कोई भी रैयत अपने स्तर से खतियान अथवा रजिस्टर वन की अभीप्रमाणित प्राप्ति लेने के लिए विभागीय साइट पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इस साइट को खोलने के बाद सरकारी और पब्लिक का ऑप्शन दिखेगा। रैयत को पब्लिक ऑप्शन पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करना पड़ेगा। नकल प्राप्त करने के लिए आवेदक को प्रति पेज 10 रुपये का ऑनलाइन भुगतान करना पड़ेगा। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद कुछ ही दिनों में रैयत अपने खतियान अथवा रजिस्टर वन की डिजिटल कॉपी को देख सकेंगे। जो डाउनलोड भी होगा। बता दें कि इसका सबसे ज्यादा लाभ उन लोगों को होगा जो सुदूर ग्रामीण इलाके में रहते हैं। विवरण के साथ करना होगा आवेदन इस संबंध में सीओ आरती भूषण ने बताया कि लोगों को पूर्ण विवरणी के साथ ही आवेदन करना होगा। उन्होंने कहा कि पूर्ण विवरण जैसे अंचल,थाना,मौजा,खाता,खसरा और रैयत का नाम नहीं रहने के कारण अभिप्रमाणित कॉपी देने कठिनाई होती है।इसलिए लोगों को ध्यान पूर्वक अपने आवेदन को भरकर भेजना चाहिए। उन्होंने बताया कि अभी कुछ दस्तावेजों के नकल ऑफलाइन भी दिए जा रहे हैं। सच्ची प्रतिलिपि(नकल) प्राप्त करने के लिए हर पन्नें पर राजस्व टिकट को आवेदक के द्वारा ही दिया जाना है।

दुर्गा पूजा प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने पर डीएम ने बधाई दिया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । दुर्गा पूजा और प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह ने जिले की पूरी जनता और जिला एवं पुलिस प्रशासन की पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि सोमवार की दोपहर तक जमालपुर की भी लगभग आधी से अधिक प्रतिमा का विसर्जन अत्यंत ही शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया है जो लगभग 3 बजे तक पूर्ण रूप से संपन्न हो जाएगा। रविवार को बड़ी मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ शहर की अन्य सभी प्रतिमा भी देर रात तक विसर्जित कर ली गई। इस पूरे विसर्जन में आम जन तथा जिला एवं पुलिस प्रशासन की टीम का जा सहयोग रहा, वह अत्यंत ही सराहनीय है। पिछले 72 घंटों से जिला एवं पुलिस प्रशासन की पूरी टीम ने जो बिना पलक झपकाए अपनी ड्यूटी पर लगे रहे उनको जिला प्रशासन धन्यवाद देता है। उन्होंने कहा कि मुंगेर की विसर्जन शोभा यात्रा देश भर में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है तथा इसमें उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ मां दुर्गा के प्रति उनकी आस्था को स्पष्ट परिलक्षित करती है। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित कर विसर्जन को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना अत्यंत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि आम जन ने जो जिला प्रशासन को अपना सहयोग दिया है उसके लिए जिला प्रशासन उन्हें बधाई देता है। साथ ही जिलाधिकारी ने सभी मीडिया कर्मियों को भी न्यूज के माध्यम से आमजन को देने वाली अच्छी अच्छी जानकारी और सूचनाओं के लिए शुभकामनाएं दी है।

गिद्धौर निवासी मोहित कुमार ने मारपीट व छिनतई के लेकर थाना में दिया आवेदन

मारपीट करते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर कर दिया वायरल

- कुडिला निवासी अरविंद पासवान चौकीदार के पुत्र और अन्य साथी मेले में किया जमकर मारपीट

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर गिद्धौर निवासी मोहित केसरी गिद्धौर थाना अध्यक्ष को आवेदन दिया है आवेदन में उन्होंने बताया कि सोमवार को एक बजे गिद्धौर मेला में अपनी बहन लोग के साथ मेला घूम रहे थे इस दौरान तारामाची के समीप मुझे बुलाया सनी कुमार यादव पिता तारों यादव गिद्धौर व कुडिला के निवासी धर्मपाल पासवान पिता अरविंद पासवान चौकीदार के पुत्र जिसका घर कुडिला व तीन चार अज्ञात लोग जो उन्ही के साथ थे जो कि मेरे साथ मारपीट किया जिसमें मेरा मोबाइल व गले का चैन और 4000 हजार रुपए केस था जो कि छीन लिया और मुझे सुबह कुडिला बुलाकर मोबाइल धर्मपाल पासवान ने दिया चैन और पैसा नहीं दिया गया वही मेरे साथ मारपीट करने के बाद वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया वहीं मेले में जिस तरह मोहित कुमार को पीटा जा रहा था वह बार-बार बोल रहा था तुम लोग क्यों मार रहे हो तुम मेरा दोस्त है लेकिन चौकीदार का पुत्र और अन्य साथी इस तरह से कहर बरपा रहा था कि जैसे मानो कि कानून उसके हाथ में है और वही तीन चार और व्यक्ति द्वारा भक्ति भक्ति गाली दिया जा रहा था जो की यह दशार्ता है कि कितने मंनचले व्यक्ति यह लोग हैं और स्थानीय प्रशासन का इसका भनक भी नहीं लगा खैर जो भी हो मेले परिसर में इस तरह की घटना कहीं ना कहीं प्रशासन की लापरवाही साफ देखी जा सकती है। वही इस संबंध में थाना अध्यक्ष सर्वजीत कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि आवेदन दिया गया है जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

61 करोड रुपए की लागत से खड़गपुर तारापुर सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा: कार्यपालक अभियंता

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। हवेली खड़गपुर और तारापुर 12 किलो पॉइंट 30 किलोमीटर लंबी सड़क खड़गपुर तारापुर मुख्य सड़क का चौड़ीकरण एवं कालीकरण कार्य दशहरा के बाद आरंभ कर दिया जाएगा उपर्युक्त बातें पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता अजीत कुमार प्रेम ने एक भेंट में कहा है उन्होंने आगे बताया की पथ निर्माण विभाग की ओर से खड़गपुर तारापुर पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूती की कार्य के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात राशि भी आवंटित कर दी गई है सड़क चौड़ीकरण के साथ इस पथ पर पड़ने वाले सभी पुल पुलिया का भी जीर्णोद्धार कर चौडीकरण कराया जाएगा पथ निर्माण विभाग की ओर से संवेदक को कार्य आदेश भी निर्गत कर दिया गया है संवेदक संजय टेक्नो डेट प्राइवेट लिमिटेड शेखपुरा की एजेंसी द्वारा दशहरा के बाद सड़क चौड़ीकरण का कार्य आरंभ करने की बात कही गई है पूरी तरह जर्जर हो चुके खड़कपुर तारापुर मुख्य पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूत कार्य होने से के पश्चात पाठ से वाहनों का आवागमन सुगम हो सकेगा फिलहाल इस जर्जर सड़क पर वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।

भारतीय क्रिकेट टीम से मिलकर बच्चों का सपना हुआ सच

प्रात : किरण संवाददाता

भारत में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं है, यह लाखों लोगों के लिए जुनून और प्रेरणा का स्रोत भी है। हमारे समाज में क्रिकेट हमेशा से ही दिलों पर राज करता आया है। हममें से ज्यादातर लोग टीवी पर मैच देखते हैं या रेडियो पर कमेंट्री सुनते हैं। अपने पसंदीदा क्रिकेटरों से मिलना या उन्हें लाइव खेलते देखना एक सपना जैसा लगता है। ठीक इसी प्रकार, परिक्रमा ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के पाँच बच्चों के लिए भी यह सपना सच हो गया, जब उन्हें भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मिलने और उनके साथ नेट प्रैक्टिस करने का मौका मिला। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस की इस पहल का उद्देश्य वंचित बच्चों के जीवन को बेहतर बनाना है। यह न केवल उनकी शिक्षा और विकास में मदद करता है, बल्कि उन्हें बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए प्रेरित भी करता है। एसबीआई लाइफ में ब्रांड और सीएसआर के प्रमुख श्री रवींद्र शर्मा ने कहा, ह्लहमें गर्व है कि हमने इन बच्चों को ऐसा अनुभव कराया, जो उनकी जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। हम बीसीसीआई और क्रिकेट के दिग्गजों के आभारी हैं जिन्होंने बच्चों के साथ खेला और उन्हें प्रोत्साहित किया। परिक्रमा ह्यूमैनिटी फाउंडेशन की फाउंडर सुश्री शुक्ला बोस ने कहा, ह्लएसबीआई लाइफ ने बैंगलोर में वंचित बच्चों के लिए हमारे स्कूल और कॉलेज चलाने में बहुत मदद की है। उन्होंने हमें आर्थिक मदद दी है और हमारे बच्चों के लिए कई अवसर भी दिए हैं। एसबीआई लाइफ ने हमारे कुछ बच्चों को दिल्ली में 20:20 क्रिकेट मैच के लिए आमंत्रित किया, इसके लिए हम उनके बहुत आभारी हैं। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और बीसीसीआई द्वारा आयोजित इस खास मीट एंड ग्रीट में बच्चों ने संजू सैमसन से विकेट कीपिंग के टिप्स लिए, अर्शदीप सिंह की गेंदबाजी देखी और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ बल्लेबाजी की। इतना ही नहीं, पाँचों बच्चों, दीपिका एम, मैलारी एन, अनन्या वी, नव प्रणव और पाओगोहाओ एल को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत बनाम बांग्लादेश टी-20 मैच देखने का मौका भी मिला।

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय में पूर्व राष्टपति के जन्मदिन पर कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय देवारी सदर दरभंगा में भूतपूर्व राष्ट्रपति वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 94वी जयंती विद्यालय के यूथ क्लब द्वारा आयोजित की गई। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने भाषण निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई। प्रधानाध्यापक डॉ चन्द्र मोहन पोद्दार ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि डॉ कलाम महान वैज्ञानिक थे।मिसाइल मैन के रूप में उनकी ख्याति थी। अपनी ईमानदारी और योग्यता के कारण वो राष्ट्रपति बने एवं जन जन में लोकप्रिय हो गए। उन्हें देश सदा याद करेगा। कार्यक्रम को विद्यालय के शिक्षक डॉ संजन कुमार चौधरी, संतोष आनंद, सर्वेश कुमार, मनीष कुमार, पूनम कुमारी आदि शिक्षकों ने भी संबोधित किया।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भारत के अनमोल रतन थे: डॉ. गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई:-विश्व छात्र दिवस के अवसर पर कुमार कालिका मेमोरियल महाविद्यालय के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ गौरी शंकर पासवान ने कहा कि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम भारत के एक महान वैज्ञानिक और अनमोल रतन थे। विश्व छात्र दिवस एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के रूप में मनाया जाता है। डॉ कलाम का जन्म आज ही के दिन 15 अक्टूबर 1931 को रामेश्वर में हुआ था जबकि इनकी मृत्यु 27 जुलाई 2015 शिलांग में हो गई ।डॉ कलाम भारत के राष्ट्रपति, राजनीतिज्ञ और प्रोफेसर भी रह चुके हैं। इन्हें मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है। परमाणु हथियार कार्यक्रम विकास में उनकी अग्रणी भूमिका रही है । डॉ.पासवान ने कहा कि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का कहना था यदि आप सूर्य की भांति चमकना चाहते हैं, तो सूर्य की तरह चमकना होगा। इस कथन को कलाम साहब ने अपने जीते जी चरितार्थ कर दिखाया है। अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से देश को आलोकित कर कलाम साहब अमर हो गए। डॉ कलाम फर्श से अर्श तक का जो सफर तय किया है श्लाघनीय है। उनका संपूर्ण जीवन छात्रों के लिए

- विश्व छात्र दिवस पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के रूप में मनाया जाता है

प्रेरणाप्रद रहा है। और उनकी शिक्षा तथा विज्ञान में दी गई अद्वितीय योगदानो को आज के दिन विशेष रूप से याद किया जाता है। प्रो पासवान ने कहा कि डॉ कलाम ने यह भी संदेश दिया था कि सपने वो नहीं होते जो सोते समय देखते हैं। सपने वो होते हैं जो हमें सोने नहीं देते। छात्र दिवस यह संदेश देता है कि छात्रों के लिए अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनुशासन के साथ एटीट्यूड, मूल्य, ईमानदारी, नैतिकता आदि को काफी अहमियत देना चाहिए। वास्तव में इसके बिना छात्रों का जीवन और समाज तथा राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। अनुशासन का जीवन पतवार विहीन नौका की तरह होता है। भारत के रक्षा और अंतरिक्ष कार्यक्रम में उन्होंने जो भूमिका निभाई है वे बहुत ही सराहनीय है। वे छात्रों को नए विचारों और आविष्कारों के लिए हमेशा प्रेरित करते थे। उनके विचारों ने विश्व भर के छात्रों को उच्च लक्ष्य स्थापित करने के लिए प्रेरित किया है। उनका कहना था कि उचित मार्गदर्शन और कठोर परिश्रम से कोई भी इंसान अथवा छात्र असंभव को संभव बना सकता है। प्रो पासवान ने कहा कि छात्र राष्ट्र के भावि कर्णधार होते हैं। वे आशाओं के आकाशदीप होते हैं। उन्हें शिक्षा के महत्व को समझना और मूल्यों को अपनाना बहुत जरूरी है, जैसा कि कलाम साहब ने अपने संपूर्ण जीवन कर दिखाया। और इन दो चीजों के लिए समर्पित भी कर दिया था। शिक्षा केवल प्रगति का साधन नहीं है बल्कि समाज और मानवता की भलाई के लिए भी इसे उपयोग करना चाहिए। जैसा की भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने शिक्षा का सदुपयोग किया था। कलाम साहब के वैज्ञानिक, राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक विचार आज भी प्रासंगिक है और उपादेय भी हैं।

लाइक-कमेंट के चक्कर में मौत की रील

युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज्यादा लाइक्स के चक्कर में खुद को जोखिम में डाल रहे हैं। भारत में टिकटॉक पर बैन लगने के बाद रील्स और मीस बनाने का चलन सामने आया। इसके बाद लोग इंस्टाग्राम पर वीडियो डालने लगे। रील्स में इंफॉर्मेशनल, फनी, मोटिवेशनल और डांस समेत कई तरह के वीडियो होते हैं। रील्स एक तरह का इंस्टाग्राम पर शॉर्ट वीडियो होता है। शुरूआत में यह रील्स 30 सेकंड का होता था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 90 सेकंड का कर दिया है। रील बनाने का युवाओं के बीच ऐसा क्रेज आजकल है कि वह कहीं भी रील बनाने लग जाते हैं। कई बार इस रीलबाजी के चक्कर में लोग अपना ही नुकसान भी करा बैठते हैं। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के शगल के कारण युवा जिन्दगी में रील बनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। कब यह शौक सनक की हद तक पहुँच जाता है, पता ही नहीं चलता। नियमों को ताक पर रखकर रील बनाने के जुनून में जान तक गंवा देते हैं। शहर में ही युवाओं को फेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक, फ्लाई ओवर पर, चलती रेल में कोच के डिब्बे के बीच खड़े होकर या बाइक चलाते हुए रील बनाते देखा जा सकता है। युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज्यादा लाइक्स के चक्कर में खुद को जोखिम में डाल रहे हैं। कई युवा रील को रोचक बनाने के चक्कर में पानी के बीच उतर रहे हैं तो कई युवा टूटी दीवारों पर चढ़कर रील बना रहे हैं। वैसे तो रील्स बनाने का खुमार हर वर्ग के लोगों को है, लेकिन इसमें खासकर 16 से 40 वर्ष के युवा वर्ग में ये क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय होने या अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के जुनून में लोग इतने खो जाते हैं कि कुछ अलग हटकर दिखाने के चक्कर में खुद के साथ-साथ कई बार दूसरों तक की जान से खिलवाड़ कर डालते हैं। लोकप्रियता हासिल करने के लिए कभी कोई रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के सामने पहुँच जाता है तो कभी कोई बहुमंजिला इमारत पर खड़े होकर वीडियो बनाता है। कभी वाहन चलाते समय स्टंटबाजी, कभी सड़कों व चौक-चौराहों पर डांस, स्टंट करना, सिलीसेढ़ और बाँध पर खड़े होकर रील्स बनाना। कभी किसी पहाड़ पर खड़े होकर अजीब हरकतें करना। कहीं झरनों व जलाशयों के बीचोंबीच जाकर पानी में बेपरवाह मस्ती करते हुए रील्स बनाना। कभी रेलवे ट्रैक पर जाकर या प्लेटफार्म या चलती ट्रेन में दरवाजे पर खड़े होकर रील्स बनाना। रील लाइफ की तुलना से युवाओं का आत्मसम्मान प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया की दुनिया में परफेक्ट दिखने की होड़ में जब उनकी पोस्ट को वांछित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो वे निराश हो जाते हैं। इसका सीधा असर उनकी मानसिक स्थिति पर पड़ता है, जिससे वे और ज्यादा सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस समस्या से निपटने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर युवाओं को वास्तविक जीवन के महत्त्व का अहसास कराना चाहिए। टेलेंट है तो बहुत से विषय हैं रील बनाने केयदि किसी में टेलेंट है तो जान को जोखिम में डालने वाली रील बनाने की बजाय मोटिवेशनल, संगीत, नृत्य, तकनीकी ज्ञान, सेहत से जुड़ी टिप्स, धर्म, विज्ञान, फिटनेस, हास्य-व्यंग्य, खान-पान सहित सैकड़ों विषयों पर रील बनाकर ख्याति अर्जित कर सकता है। रील्स की बजाय अपने दोस्तों के साथ समय गुजारें मॉर्निंग वॉक के साथ व्यायाम करने में समय बिताएंरील्स देखने के कारण बच्चे वर्चुअल ऑटिज्म के शिकार हो रहे हैं, उन्हें मोबाइल से दूर रखेंबच्चों के सामने कम से कम मोबाइल का इस्तेमाल करेंबच्चों को वक़्त दें, उनसे पारिवारिक बातें करें। फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए टेलेंट होना बहुत जरूरी है। यदि आपके अंदर टेलेंट है तो फॉलोअर्स अपने आप ही बढ़ जाएंगे। यदि युवा ट्रैक पर खड़े होकर रील बना रहे है तो बहुत गलत है। इससे दूसरे बच्चों पर भी गलत असर पड़ेगा। रील बनाने वालों के साथ उनकी वीडियो देखने वालों की भी मूर्खता है। इनका विरोध करना चाहिए। युवा जल्दी फेमस होने के लिए रील बना रहे हैं, जोकि बहुत गलत है।

बाबा की हत्या के सवाल

महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री, तीन बार के विधायक, वरिष्ठ राजनेता और मुंबई की जिंदगी के एक अति विशिष्ट चेहरा बाबा सिद्दीकी की सरेआम हत्या कर दी गई। यह खौफनाक और चिंताजनक वारदात ह्यदशहरा पर्वह्ल की शाम में ही की गई। त्योहार की आतिशबाजियां चलाई जा रही थीं। उन्हीं के शोर में हत्यारों की गोलीबारी की आवाज गुम होकर रह गई। बाबा सिद्दीकी को 3-4 गोलियां छाती में मारी गईं और जिंदगी थम कर रह गई। अस्पताल ने भी पुष्टि की कि बाबा अब मृत हैं। मुंबई में यह अपराध एक लंबे अंतराल के बाद हुआ है। जब अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह पूरी तरह सक्रिय था, तब मुंबई सुलगा रहता था। विस्फोट होते रहते थे। कत्ल करना सामान्य बात थी, लेकिन दाऊद कमजोर होकर अस्त होने लगा और तत्कालीन अपराध की दुनिया के सरगना या तो दिवंगत हो चुके थे अथवा जेल में सजा काट रहे हैं, लिहाजा मुंबई अपेक्षाकृत शांत और स्थिर होने लगी थी। अब बाबा सिद्दीकी जैसे राजनेता और रसूखदार आदमी की सरेआम जिस तरह हत्या की गई है, वह महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के लिए एक डरा और कंपा देने वाली चेतावनी है। चुनाव नवंबर में कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के कार्यक्रम की घोषणा की प्रतीक्षा है। आखिर बाबा की हत्या क्यों की गई? अब नए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को ह्यनया डॉनह्ल माना जा रहा है। उसे दाऊद का विकल्प करार दिया जा रहा है। वह दाऊद की ह्यप्रतिच्छायाह्ल भी हो सकता है। उसके तार ह्यडीह्ल कंपनी से कहीं जुड़े हों! लॉरेंस गैंग की ओर से सोशल मीडिया पर बाबा की हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। उसके अलावा, गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा सरीखे गैंगस्टर पर भी ह्यशक की सुईह्ल टिकी है। वे फिलहाल अमरीका और कनाडा में सक्रिय बताए जाते हैं। लॉरेंस गुजरात की ह्यसाबरमती जेलह्ल में कैद है। सवाल है कि क्या जेल से ही किसी के कत्ल की सुपारी दी जा सकती है? क्या गैंगस्टर जेल से ही अपने हत्यारे नेटवर्क को चलाने में सक्षम और कामयाब हैं? धन कहां से आता है? हत्यारों को हथियार कैसे सप्लाई किए जाते हैं और हथियारों की खरीद कैसे और कहां से संभव है? लॉरेंस गैंग में करीब 700 शूटर बताए जाते हैं। उनकी भर्ती कैसे हुई और उन्हें पैसा किस तरह मुहैया कराया जाता है? इसी गिरोह ने पंजाब के होनहार गायक मूसेवाला की हत्या की, अन्य गायक ढिल्लों पर कनाडा में हमला किया और बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान के घर पर गोलीबारी की। सलमान की जान के अब भी पीछे हैं ये हत्यारे। यदि वाकई ऐसी वारदातें हो रही हैं, तो देश में कानून-व्यवस्था के मायने क्या हैं? चूंकि यह चुनाव का मौसम है, लिहाजा महाराष्ट्र में राजनीतिक रंजिश के सवाल भी उठ रहे होंगे! बॉलीवुड में शाहरुख, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी आदि असंख्य चेहरे होंगे, जो बाबा के करीबी होंगे। उनके साथ मित्रता होगी या साथ काम किया होगा। बॉलीवुड ऐसी सामाजिक दुनिया है, जिसमें असंख्य रिश्ते पलते हैं। गैंगस्टर किस-किस पर सवाल चस्पा कर उसकी हत्या करेंगे? बाबा की हत्या के पीछे बिल्डर लॉबी भी हो सकती है। पुलिस का संदेह उस पर भी गहरा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दिलचस्पी ह्यधारावी पुनः विकास परियोजनाह्ल में रही है। उनका मानना है कि यह योजना उनकी दोबारा ताजपोशी कर सकती है। बहरहाल पुलिस की जांच से यह जरूर साफ होना चाहिए कि हत्याकांड के पीछे असली सरगना कौन है?

आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई का प्रभाव और वादा

निजी क्षेत्र में अधिकृत अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या और मात्रा का अनुपात क्रमशः 57 प्रतिशत और 67 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भागीदारी को दशार्ता है। लाभार्थी के पास राज्य के दिशा-निदेर्शों के अनुसार सूचीबद्ध अस्पताल, सार्वजनिक या निजी, चुनने का विकल्प मौजूद है। इस योजना ने अनेक राज्यों में सरकारी अस्पतालों में भी सेवा प्रदायगी को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। इन अस्पतालों ने अपनी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए योजना के तहत प्रतिपूर्ति की गई धनराशि का उपयोग किया है।

विनोद के पॉल
लेखक

राजू (बदला हुआ नाम), आयु 18 वर्ष, को सामान्य रूप से चलते हुए भी सांस लेने में तकलीफ होती थी और वह थकान महसूस करता था। साल 2017 में उसे सीने में दर्द के कारण दिल की गंभीर बिमारी से पीड़ित होने के बारे में पता चला। इलाज की अंतहीन जद्दोजहद में उसके पिता ने परिवार के मवेशी और जमीन तक बेच डाली और पांच लाख रुपये से अधिक रकम के कर्ज में डूब गए। साल 2019 में, उन्हें आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई) की ओर से एक पत्र मिला,लेकिन उन्होंने इसको ज्यादा अहमियत नहीं दी। साल 2022 में, राजू की हालत बिगड़ गई, जिसके लिए फौरन सर्जरी करने की आवश्यकता थी। वे हताश और बेबस हो चुके थे। तभी अस्पताल के एक कर्मचारी ने उनके परिवार को पीएमजेएवाई के बारे में पता करने की सलाह दी और उनकी पात्रता की पुष्टि की। इसकी बदौलत राजू की लगभग 1.83 लाख रुपये की लागत वाली जीवन रक्षक सर्जरी संभव हो सकी । आखिरकार, 67 दिन बाद उसे नए सिरे से जिंदगी शुरू करने के लिए अस्पताल से छुट्टी दे मिल गई। आशा, सेहत और खुशी से भरपूर यह कहानी, उन अनगिनत कहानियों में से एक है, जो एबी पीएमजेएवाई के लाभार्थियों के जीवन के इर्द-गिर्द बुनी गई हैं। बीते छह वर्षों में इस योजना के तहत अस्पतालों में लगभग 7.8 करोड़ दाखिलों के साथ पीएम-जेएवाई ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है और उनके प्राणों की रक्षा की है और साथ ही, उन रोगियों के परिवारों को अस्पताल के खर्च के कारण गरीबी और पीड़ा के चंगुल में फंसने से भी बचाया है। यह योजना माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। पीएमजेएवाई ने प्रति लाभार्थी परिवार द्वितीयक और तृतीयक उपचार के लिए 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करके सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के आधार को छुआ है। निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों द्वारा प्रचारित भारी-भरकम रकम की तुलना में यह राशि छोटी लग सकती है, लेकिन योजना की रूपरेखा और पैमाने को देखते हुए लाखों परिवारों के लिए इस राशि का प्रभाव जीवन बदलने वाला और जीवन रक्षक है। योजना की रूपरेखा के अनुसार, पीएमजेएवाई का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती रोगियों को द्वितीयक और तृतीयक देखभाल उपलब्ध कराना है, तथा बहिरंग रोगी सेवाएं इस योजना के अंतर्गत नहीं आती। एक महत्वाकांक्षी व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल मिशन के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के इस दूसरे घटक पर समान रूप से गौर किया जा रहा है, जिसके तहत 1,75,000 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्थापित किए गए हैं, जिन्हें पहले स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र कहा जाता था। इनमें निःशुल्क परामर्श, और कई दवाएं (172 तक) और निदान (63 तक) निःशुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। वर्तमान में सरकारी प्रयासों का केंद्र इन दोनों प्रणालियों में देखभाल का सुदृढ़ दो-तरफा सम्मिलन और निरंतरता है। भारत का यूएचसी मॉडल सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित है। स्वास्थ्य नीति और सेवाओं को अलग-थलग करके नहीं अपितु समग्रता में देखे जाने की आवश्यकता है। इस योजना के कार्यान्वयन के दौरान, स्वास्थ्य लाभ पैकेज (एचबीपी) के तहत प्रक्रियाओं और कीमतों को संशोधित और युक्तिसंगत बनाया गया है। साल 2018 में एचबीपी की संख्या 1393 थी, जो 2022 तक बढ़कर 1949 हो गई। स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में क्षेत्रीय भिन्नता को ध्यान में रखते हुए, विभेदक मूल्य निर्धारण की अवधारणा शुरू की गई है। साथ ही, स्थानीय संदर्भ के अनुसार एचबीपी दरों को और अधिक अनुकूलित करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अतिरिक्त लचीलापन प्रदान किया गया है। सेवाओं की निर्बाध प्रदायगी सुनिश्चित करने और व्यवस्था में दुरुपयोग की गुंजाइश को कम करने के लिए पीएमजेएवाई स्वाभाविक रूप से प्रौद्योगिकी-संचालित है, और पेपरलेस या कागज रहित होने के साथ-साथ कैशलेस या नकदी रहित भी है। इसमें प्रतिपूर्ति या सह-भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि अधिकांश दावों का निपटान समय पर होता है, लेकिन राज्यों के साथ साझेदारी में और सुधार लाने के लिए गहन प्रयास किए जा रहे हैं। इस योजना की सफलता और जन कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के कारण इस वर्ष इसके दायरे को बढ़ाने के लिए दो बड़े कदम उठाए गए हैं। अंतरिम बजट में सरकार द्वारा इस योजना को विस्तारित करते हुए आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को इसके दायरे में लाया गया। दूसरा, भारत की बढ़ती जीवन प्रत्याशा के मद्देनजर, एक और बड़ा कदम सरकार का 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह न करते हुए पीएमजेएवाई कवरेज देने का निर्णय है। इससे 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों वाले 4.5 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। भारत में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) की स्वास्थ्य से संबंधित 75वें चरण की रिपोर्ट से पता चलता है कि इस आयु वर्ग के लिए अस्पताल में भर्ती होने की दर 11 प्रतिशत से अधिक है। लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एलएएसआई) की 2021 की रिपोर्ट से पता चलता है कि 75 प्रतिशत बुजुर्गों को एक या एक से अधिक पुरानी बीमारियां हैं, 40 प्रतिशत को किसी न किसी तरह की विकलांगता है, और 4 में से 1 बहु-रुग्णता से पीड़ित है। उल्लेखनीय रूप से, 58 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी महिलाओं की है, जिनमें 54 प्रतिशत विधवाएं हैं। वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित अनेक निजी बीमा उत्पादों के विपरीत, पीएमजेएवाई किसी भी वरिष्ठ नागरिक को पहले से चली आ रही बीमारी के कारण बाहर नहीं करता है; न ही यह लाभ देने से पहले किसी वर्ष की प्रतीक्षा अवधि की शर्त रखता है। वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करके यह योजना उन्हें स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने में समर्थ बनाती है। पीएमजेएवाई सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य क्षेत्रों को एक राष्ट्र, एक प्रणाली के सूत्र में जोड़ता है। वर्तमान में, पीएमजेएवाई के पास 29,000 से अधिक सूचीबद्ध अस्पतालों का अखिल भारतीय नेटवर्क है, जिनमें लगभग 13,000 निजी अस्पताल शामिल हैं। इसके अलावा, इनमें से लगभग 25,000 अस्पताल टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित हैं।

क्यों हम क्वालीफाई हो रहे, एजुकेट नहीं??

इसके अलावा, आजीवन सीखने की अवधारणा को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि युवा यह समझें कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवनभर चलने वाली एक सतत प्रक्रिया है। अंततः, कंपनियों को केवल डिग्री के आधार पर भर्ती करने के बजाय, उम्मीदवारों के वास्तविक ज्ञान, कौशल, और अनुभव पर ध्यान देना चाहिए। यदि हम इन बिंदुओं को सही मायनों में लागू कर पाएं, तो न केवल हमारे देश की कार्य शक्ति मजबूत होगी, बल्कि समाज की भी नींव मजबूत होगी।

अतुल मलिकराम
लेखक

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था,ह्यशिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं है, बल्कि इसे समाज के हित में उपयोग करना चाहिए।ह्ल लेकिन समय के साथ यह धारणा धुंधली होती जा रही है। हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहाँ डिग्री को योग्यता का प्रमाण माना जाता है, लेकिन उस डिग्री के पीछे वास्तविक शिक्षा और ज्ञान का कितना योगदान है, यह एक गंभीर सवाल बन गया है। डिग्री का महत्व यह है कि वह किसी व्यक्ति की योग्यता का प्रमाण पत्र होती है। लेकिन जब यह प्रमाण पत्र केवल नाम का रह जाए, और इसके पीछे कोई ठोस ज्ञान न हो, तो इसका वास्तविक मूल्य क्या रह जाता है? आज के समय में योग्यता और शिक्षा के बीच की खाई इतनी गहरी हो गई है कि इसे पाटना मुश्किल होता जा रहा है। हर साल लाखों छात्र ग्रेजुएट हो रहे हैं लेकिन लाखों छात्रों के ग्रेजुएट होने का मतलब यह नहीं कि वे अपनी डिग्री के अनुसार शिक्षित भी हो रहे हैं। इनमें से केवल कुछ प्रतिशत ही ऐसे होंगे जो सच में कुछ सीख के निकले होंगे। इसका कारण यह है कि आज के युवाओं में डिग्री लेने की इच्छा तो है लेकिन वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने की नहीं। या यूँ कहें कि हमारे युवा डिग्री लेकर क्वालीफाई तो हो रहे हैं, लेकिन वास्तव में एजुकेट नहीं हो रहे हैं। अब आप कहेंगे कि क्वालीफिकेशन और एजुकेशन दोनों एक ही बात है, तो मैं आपको बता दूँ यह दो अलग-अलग चीजें है, जिसे हम अक्सर एक समझने की भूल कर देते हैं। क्वालीफिकेशन और एजुकेशन के अंतर को समझना बेहद जरूरी है। क्वालीफिकेशन का मतलब है, किसी व्यक्ति का औपचारिक रूप से किसी खास काम के लिए योग्य होना, जिसे आमतौर पर डिग्री, सर्टिफिकेट, या डिप्लोमा के रूप में पहचाना जाता है। दूसरी ओर, शिक्षा का मतलब है, वास्तविक ज्ञान और कौशल का विकास, जो न केवल किताबी ज्ञान से बल्कि अनुभव, विश्लेषण, और तार्किक सोच से आता है। आजकल अक्सर यह देखने में आता है कि युवाओं का मुख्य लक्ष्य केवल डिग्री प्राप्त करना हो गया है। उनका ध्यान सिर्फ इस बात पर होता है कि किस तरह जल्द से जल्द कोर्स को पूरा कर लिया जाए, एक अच्छी सी डिग्री हासिल की जाए और उस डिग्री के आधार पर एक बढ़िया सी नौकरी मिल जाए। इस चक्कर में वे न तो उस कोर्स की गहराई में जाते हैं, न ही उस विषय के बारे में कुछ सीखते हैं। यह स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है जब ऐसे लोग उच्च पदों पर पहुंच जाते हैं। बिना किसी वास्तविक ज्ञान और अनुभव के, वे उस पद की जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभा नहीं पाते। इसका असर न केवल उनके काम पर, बल्कि उस संगठन पर भी पड़ता है, जहाँ वे कार्यरत होते हैं। दूसरी ओर, ऐसे लोग भी होते हैं, जिनके पास अनुभव और ज्ञान तो होता है, लेकिन डिग्री न होने के कारण वे उस पद के लिए क्वालीफाई नहीं हो पाते। इस असमानता के कारण न केवल योग्य लोग बेरोजगार रह जाते हैं, बल्कि अयोग्य लोगों के रोजगार में होने से कार्य की गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस अव्यवस्था का मुख्य कारण हमारी शिक्षा प्रणाली है, जहाँ छात्रों को केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए तैयार किया जाता है, उन्हें ना विषय को गहराई से समझने के लिए प्रेरित किया जाता है ना ही किसी नए दृष्टिकोण से सोचने के लिए तैयार किया जाता है। बड़े-बड़े कॉलेज भी सिर्फ प्लेसमेंट कराने का लक्ष्य ही रखते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि छात्र शिक्षा की वास्तविक महत्ता से अंजान रह जाते हैं। शिक्षा का असली मकसद व्यक्ति को व्यावहारिक जीवन के लिए तैयार करना है, लेकिन हमारे पुराने जमाने के पाठ्यक्रमों में आज की जरुरत के लिए उपयोगी व्यावहारिक ज्ञान का अभाव है। उदाहरण के लिए दुनिया आज सोशल मिडिया और वीडियो कॉल पर पहुँच गई है और हमारे पाठ्यक्रमों में आज भी पत्र लेखन ही सिखाया जा रहा है। वास्तविक जीवन में इसका परिणाम यह होता है कि छात्र केवल किताबी ज्ञान के आधार पर पास तो हो जाते हैं, लेकिन व्यावहारिक समस्याओं का सामना करने में असमर्थ होते हैं। ऊपर से आजकल युवाओं में सीखने की ललक भी नहीं है। पहले के समय में शिक्षक कठोर मेहनत करवाकर कोई पाठ सिखाते थे और छात्र भी बड़ी निष्ठा से उसे सीखते थे। लेकिन आजकल के बच्चे बिना मेहनत के बिना कुछ नया सीखे एक बने बनाए ढर्रे पर चलने के आदि हो गये हैं। जब बच्चे कुछ नया सीखना ही ना चाहें, तो आखिर कोई सीखा भी कैसे पाएगा। टेक्नोलॉजी ने भी इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी है। पहले सुविधाओं के अभाव में बच्चे अच्छी तरह किसी भी पाठ को सीखते थे लेकिन आज जब सब एक क्लिक पर उपलब्ध है तो छात्रों में वैसी लगन नहीं है। सामाजिक तौर पर भी आजकल केवल दिखावा ही महत्वपूर्ण हो गया है, समाज में आपको इस आधार पर आंका जाता है कि आपके पास कितनी बड़ी डिग्री और कितनी अच्छी नौकरी है। फिर चाहे आपके पास सच में कोई योग्यता हो या नहीं इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसलिए भी आजकल क्वालीफिकेशन का महत्व एजुकेशन से ज्यादा हो गया है। बड़ी-बड़ी कंपनियों में चयन का आधार भी डिग्री ही है, जिससे केवल क्वालीफाईड लोग ही नौकरी पा सकते हैं, भले ही उनके पास वास्तविक ज्ञान और कौशल हो या न हो। जब तक हम शिक्षा के मूल उद्देश्य को नहीं समझेंगे और केवल डिग्री के पीछे दौड़ते रहेंगे, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। इसके समाधान के लिए सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में सुधार करते हुए, कौशल विकास पर जोर दिया जाना चाहिए।

अंतरिक्ष में भारत की लंबी छलांग की तैयारी

मुकुल व्यास

हाल ही में चार महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशनों को मंजूरी मिलने के बाद भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम को नया बल मिला है। इन मिशनों का उद्देश्य अंतरिक्ष अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति को मजबूत करना है। ये मिशन अंतरिक्ष क्षमताओं को आगे बढ़ाने और वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए देश की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं। मंजूर किए गए मिशनों में चंद्रयान-4, वीनस ऑर्बिटर मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण और गगनयान अनुवर्ती कार्यक्रम शामिल हैं। प्रत्येक मिशन की अपनी चुनौतियां हैं। उनकी सफलता उन्नत तकनीक, कुशल विशेषज्ञता और पर्याप्त वित्तीय सहायता पर निर्भर करेगी। उनमें से सबसे प्रमुख चंद्रयान-4 है जो चंद्र अन्वेषण की दिशा में भारत की अगली छलांग है। चंद्रयान-4 भारत के लिए एक अभूतपूर्व मिशन है, जो चंद्रमा से नमूने एकत्र करने और उन्हें पृथ्वी पर वापस लाने पर ध्यान केंद्रित करता है। 2,104.06 करोड़ रुपये के प्रभावशाली बजट वाला यह मिशन चंद्रयान-3 की सफलता पर आधारित है, जिसने चंद्रमा पर उतरने की भारत की क्षमता को साबित किया। अब चंद्रयान-4 का लक्ष्य चंद्रमा की संरचना और भूगर्भीय इतिहास के बारे में हमारी समझ को गहरा करना है। चंद्रयान-4 का प्राथमिक उद्देश्य चंद्रमा की सतह से मिट्टी और चट्टान के नमूने एकत्र करना और उनका विश्लेषण करना है। ये नमूने चंद्रमा की संरचना और विकास के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करेंगे, जिससे वैज्ञानिकों को इसके निर्माण और अरबों वर्षों में इसे आकार देने वाली प्रक्रियाओं के बारे में बेहतर समझ मिलेगी। सरकार द्वारा मंजूर किए गए अन्य मिशनों में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारत ने 2035 तक यह स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई है। पृथ्वी की कक्षा में एक परिक्रमा स्टेशन स्थापित करना क्यों जरूरी है? भारत अपने गगनयान मिशन के तहत तीन अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना चाहता है। एक बार अंतरिक्ष मानव उड़ानों का सिलसिला शुरू होने के बाद भारत को अंतरिक्ष में एक ऐसे ठौर-ठिकाने की जरूरत पड़ेगी जहां अंतरिक्ष यात्री कुछ समय बिताकर शून्य गुरुत्वाकर्षण की स्थिति में वैज्ञानिक प्रयोग कर सकें। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) अंतरिक्ष में हमारा अपना ठिकाना होगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीएएस की पहली इकाई के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर परिक्रमा करेगा। बीएएस को स्वीकृत का निर्णय गगनयान कार्यक्रम के विस्तार का हिस्सा है। वहीं, गगनयान कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त 11,170 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस कार्यक्रम का दायरा बढ़ने के साथ कुल निधि 20,193 करोड़ रुपये हो गई है। इस कार्यक्रम में बीएएस के सफलतापूर्वक निर्माण और संचालन के लिए आवश्यक तकनीकों का परीक्षण और प्रमाण देने के मिशन भी शामिल किए जाएंगे। यह विशाल संरचना एक रिसर्च सेंटर के रूप में कार्य करेगी, जहां भारतीय अंतरिक्ष यात्री और वैज्ञानिक सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण, खगोल विज्ञान और पृथ्वी अवलोकन से संबंधित प्रयोग कर सकते हैं। अंतरिक्ष यात्री 15-20 दिन तक इस स्टेशन में रह सकेंगे। संशोधित योजना में अब बीएएस के विकास और इसके लिए आवश्यक प्रारंभिक मिशन शामिल हैं। इसमें एक और चालक दल रहित मिशन और गगनयान कार्यक्रम के लिए आवश्यक अतिरिक्त उपकरण जोड़ना भी सम्मिलित है। कार्यक्रम को अपडेट करने का मतलब यह है कि दोनों परियोजनाओं की सुचारु प्रगति के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। ध्यान रहे कि दिसंबर, 2018 में स्वीकृत गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य मानव को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने के अलावा भारत के भविष्य के मानव अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों के लिए आवश्यक बुनियादी तकनीकों को स्थापित करना है। आज अंतरिक्ष में एडवेंचर करने वाले सभी प्रमुख देश भविष्य के चंद्रमा मिशनों और अन्य दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक क्षमताओं का निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास और बड़े निवेश कर रहे हैं। भारत के गगनयान कार्यक्रम को इसरो की मौजूदा परियोजना प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करके संचालित किया जाएगा। इसका लक्ष्य दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक प्रमुख तकनीकों का निर्माण और प्रदर्शन करना है।

संक्षिप्त खबरें

छात्राओं से दुर्व्यवहार का आरोपी शिक्षक निलंबित

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिले के चरथावल ब्लॉक के सिकंदरपुर गांव में एक सरकारी प्राथमिक स्कूल के शिक्षक को स्कूल में छात्राओं से दुर्व्यवहार करने के आरोप में सोमवार को निलंबित कर दिया गया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी शिक्षक की पहचान प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि शिक्षक प्रदीप कुमार को निलंबित कर दिया गया है और स्कूल के प्रधानाध्यापक हरिराज को कर्तव्य में लापरवाही के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की गई। अधिकारी ने कहा कि अभिभावकों के विरोध और कार्रवाई की मांग के बाद स्कूल शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की गई और उन्होंने कहा कि स्कूल की छात्राओं ने आरोप लगाया था कि आरोपी शिक्षक प्रदीप उनके साथ दुर्व्यवहार करता था।

अलीगढ़ में खेत के पास एक व्यक्ति का शव मिला

अलीगढ़ । उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में एक खेत के पास ग्रामीणों को एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव मिला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शव सोमवार सुबह इगलास थाना क्षेत्र के धौलिया गांव में झाड़ियों में मिला। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह की सैर पर गए एक स्थानीय निवासी ने सबसे पहले झाड़ी के नीचे शव का एक हिस्सा देखा। उन्होंने तुरंत मदद के लिए और लोगों को बुलाया तथा अन्य लोगों की सहायता से शव का बाकी हिस्सा थोड़ी दूरी पर बरामद किया गया।अधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों को संदेह है कि संभवतः आवारा कुत्तों ने अवशेषों को खाने की कोशिश की होगी, क्योंकि शरीर के कुछ हिस्से क्षत-विक्षत हो गए हैं। पुलिस के क्षेत्राधिकारी (इगलास) राजीव द्विवेदी ने बताया, पुलिस के श्वान दस्ते को तैनात किया गया है और मृतक की पहचान करने के लिए पड़ोसी गांवों से संपर्क किया गया है। द्विवेदी ने कहा,पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ज्यादा जानकारी मिलेगी। पुलिस ने अवशेषों को कब्जे में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है।

बलिया में मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान नाचते समय एक व्यक्ति की गिरकर मौत

बलिया । बलिया में देवी दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे पर नाचते समय असंतुलित होकर गिर जाने के कारण 20 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि संभवतः युवक की मौत दिल का दौरा पड़ने के कारण हुई। रसड़ा क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी ने मंगलवार को बताया कि यह घटना सोमवार रात उभांव क्षेत्र के उभांव मोड़ के पास हुई, जब जुलूस में शामिल अन्य लोगों के साथ नाचते समय हिमांशु कन्नौजिया असंतुलित होकर गिर गया। कुरैशी ने बताया कि उसे सीयर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार झा मौके पर पहुंचे। कुरैशी ने बताया, ह्यह्यप्रारंभिक अंदेशा है कि संभवतः हिमांशु को दिल का दौरा पड़ा होगा, लेकिन जांच जारी है। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अच्छे किस्म के गन्ने की पौध तैयार करेगा महिलाओं का स्वयं सहायता समूह

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। महिला आर्थिक सशक्तिकरण और उनके उत्थान की दिशा में अवध शुगर एण्ड एनर्जी लिमिटेड यूनिट-स्योहारा (बिजनौर) ने कदम बढ़ा दिए हैं। गौरतलब है कि स्योहारा चीनी मिल द्वारा अपने क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा गन्ने की उन्नतशील प्रजातियों की पौध तैयार करायी जा रही हैं। गन्ने की पौध उत्पादन का कार्य मिल के तकनीकी विशेषज्ञ अधिकारियों के मार्ग दर्शन में सम्पन्न किया जा रहा है इसमें प्रयोग होने वाली पोर्ट ट्रे एवं कोकोपिट (निःशुल्क) तथा उच्च गुणवत्ता का गन्ना बीज चीनी मिल द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।इस तरह से तैयार गन्ने की पौधों को चीनी मिल के अधिकारियो के निर्देशानुसार कृषकों को बिक्री की जायेंगी। तथा इस तरह तैयार गन्ने की पौधों से हुई आय को महिला स्वयं सहायता समूहों में कार्यरत महिलाओं के बीच बांटा जायेगा। जिससे महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से प्रोत्साहन मिलेगा और महिलाएं सशक्त होंगी।

बहराइच के मृतक के परिजनों से मुलाकात के बाद बोले सीएम योगी, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

प्रात : किरण, संवाददाता

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ आवास पर बहराइच के मृतक रामगोपाल मिश्रा के परिजनों से मुलाकात की। सीएम योगी ने पीड़ित परिजनों को आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुलाकात के बाद सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो भी शेयर की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में लिखा, जनपद बहराइच की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में काल-कवलित हुए युवक के शोक संतप्त परिजनों से आज लखनऊ में भेंट की। दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। आश्वस्त रहें, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना यूपी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इस घोर निंदनीय और अक्षम्य घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए बहराइच से भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह ने जानकारी दी कि पीड़ित परिवार की मांग थी, हमारे बेटे को मारा गया, हमें न्याय चाहिए। उनके बेटे की हत्या में जो भी शामिल है, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने उनके प्रति संवेदना व्यक्त की, सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने आगे बताया कि सीएम योगी ने पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता, मुख्यमंत्री आवास, शौचालय, आयुष्मान कार्ड और उनकी पत्नी को नौकरी देने पर विचार करेगी। सुरेश्वर सिंह ने कहा कि हिंसा के बाद उसी दिन इंस्पेक्टर और चौकी इंचार्ज निलंबित कर दिए थे। इसके अलावा मामले की जांच चल रही है। सीएम योगी से मुलाकात के बाद मृतक रामगोपाल मिश्रा के भाई किशन मिश्रा ने बताया कि सभी लोग विसर्जन करने गए थे, उससे पहले वहां पथराव हुआ था, प्रशासन ने लाठीचार्ज कराया, जिससे वहां भगदड़ मच गई। उसी दौरान जब हम लोग भाग रहे थे तभी भाई को खींच लिया गया। एक छोटे बच्चे ने इशारा किया गोली चली है, हम लोग पहुंचे तो देखा कि वो (रामगोपाल मिश्रा) लहूलुहान पड़ा था। हम पर भी फायरिंग हुई, लेकिन हम किसी तरह से बचकर निकलकर आएं। गौरतलब है कि रविवार को बहराइच के महाराजगंज कस्बे में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए विवाद में रामगोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद हिंसा भड़क गई। हिंसा के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। हिंसा में अस्पताल चौराहे पर कई दुकानों को जला दिया गया। अब तक इस मामले में 30 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा चुका है। पुलिस हिंसा को लेकर सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में संलिप्त सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। घटनास्थल पर इंटरनेट सेवा पर रोक लगा दी गई है।

आपसी सहमति से व्यभिचार दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रात : किरण, संवाददाता

प्रयागराज । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि लंबे समय से पारस्परिक सहमति से हुआ व्यभिचार जिसमें प्रारंभ से धोखाधड़ी का कोई तत्व मौजूद नहीं हो, दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता। अदालत ने शादी का वादा करने के बहाने एक महिला से दुष्कर्म करने के आरोपी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा रद्द कर दिया। अदालत ने यह भी कहा कि जब तक यह साबित ना हो कि प्रारंभ से ही ऐसा झूठा वादा किया गया था, तब तक शादी का वादा करके सहमति से यौन संबंध बनाना दुष्कर्म नहीं की श्रेणी में नहीं आता। अदालत ने कहा, ह्यह्यजब तक यह आरोप ना हो कि ऐसे संबंध की शुरूआत से आरोपी की तरफ से ऐसा वादा करते समय उसमें धोखाधड़ी के कुछ तत्व मौजूद हों, तो इसे शादी का झूठा वादा नहीं माना जाएगा। श्रेय गुप्ता नामक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने मुरादाबाद की अदालत में लंबित आपराधिक मुकदमे को रद्द कर दिया। याचिकाकर्ता के खिलाफ एक महिला की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया था। मुरादाबाद में महिला थाने में दर्ज प्राथमिकी में महिला ने आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता ने उसके पति की मृत्यु के बाद शादी का बहाना कर उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित किए थे। महिला का दावा था कि गुप्ता ने कई बार शादी करने का वादा किया, लेकिन बाद में वादा तोड़ दिया और एक अन्य महिला के संपर्क में आ गया। शिकायतकर्ता महिला ने यह आरोप भी लगाया कि गुप्ता ने यौन संबंध का वीडियो जारी नहीं करने के लिए उससे 50 लाख रुपये की मांग की थी। महिला की शिकायत पर निचली अदालत ने नौ अगस्त, 2018 को दाखिल आरोप पत्र को संज्ञान में लिया। हालांकि, आरोपी ने आरोप पत्र और पूरे आपराधिक मुकदमे को रद्द करने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया। तथ्यों पर गौर करने के बाद अदालत ने पाया कि शिकायतकर्ता महिला और आरोपी व्यक्ति के बीच करीब 12-13 साल शारीरिक संबंध कायम रहा और यह संबंध उस समय से है जब महिला का पति जीवित था। अदालत ने पाया कि शिकायतकर्ता महिला ने अपनी उम्र से काफी छोटे व्यक्ति जो उसके पति की कंपनी में कर्मचारी था, पर अनुचित प्रभाव जमाया। नईम अहमद बनाम हरियाणा सरकार के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय का हवाला देते हुए उच्च न्यायालय ने दोहराया कि शादी के हर वादे को तोड़ने को झूठा वादा मानना और दुष्कर्म के अपराध के लिए एक व्यक्ति पर मुकदमा चलाना मूर्खता होगी।

7वीं की छात्रा ने स्कूल टीचर पर लगाया छेड़खानी का आरोप, आरोपी सस्पेंड

प्रात : किरण, संवाददाता

मुजफ्फरनगर, । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां के एक गांव में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक प्रदीप कुमार पर छात्राओं के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है। छात्राओं ने इस घटना की जानकारी अपने परिजन से की। इसके बाद गुस्साए परिजन ने स्कूल प्रशासन से इसकी शिकायत की। इसके बाद आरोपी टीचर के खिलाफ ऐक्शन लेते हुए उसे सस्पेंड कर दिया गया है। इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए मुजफ्फरनगर के बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 3 सदस्यीय टीम का गठन कर दिया है। उनका कहना है कि मामले में जो भी फैक्ट्स सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि जैसे ही उनके संज्ञान में मामला आया उन्होंने ऐक्शन लिया। दरअसल इस मामले में सातवीं क्लास में पढ़ने वाली छात्रा ने बताया कि प्रदीप सर ने उसका हाथ पकड़ लिया और फिर आई लव यू कहा था। छात्रा ने शिकायत करते हुए आरोपी टीचर को स्कूल से हटा दिए जाने की मांग की। अब जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में परिजन ने गांव वालों के साथ मिलकर स्कूल के इन्चार्ज से शिकायत दर्ज कराई। बेसिक शिक्षा आरोपी टीचर को सस्पेंड कर दिया गया गया है। जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया गया।

17 अक्टूबर को धूमधाम से महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाएगी योगी सरकार

प्रात : किरण, संवाददाता

लखनऊ, । योगी सरकार 17 अक्टूबर को धूमधाम से वाल्मीकि जयंती मनाएगी। इस दौरान कई भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दिन मंदिरों में श्रीराम चरित मानस पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन, कीर्तन आदि कराए जाएंगे। महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली चित्रकूट में वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। योगी सरकार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय कलाकारों को आध्यात्मिक मंच देगी। योगी सरकार के निर्देशानुसार 17 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में वाल्मीकि जयंती मनाई जाएगी। महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों-मंदिरों आदि पर दीप प्रज्वलन, दीपदान के साथ-साथ रामायण पाठ कराए जाएंगे। यह कार्यक्रम जनपद, तहसील और विकास खंड स्तर पर होंगे। सीएम योगी ने हर आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, ध्वनि, प्रकाश व सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था कराने का निर्देश दिया है। योगी सरकार महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली लालापुर चित्रकूट में वृहद आयोजन कराएगी। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव को कार्यक्रम का नोडल ऑफिसर बनाया गया है। उन्होंने बताया कि लालापुर में महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ सुबह 11 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। भगवती जागरण मंच और दयाराम रैकवाड़ व टीम की तरफ से आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस दौरान पूजन-हवन, भजन, वाल्मीकि रामायण पाठ, लवकुश प्रसंग आदि के भी कार्यक्रम होंगे। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी और जनसहभागिता भी रहेगी। जनपदों में स्थित प्रभु श्रीराम मंदिर, हनुमान मंदिरों व रामायण से संबंधित मंदिरों में कार्यक्रम होंगे। इसमें स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध कराया जाएगा। जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा जनपद में चयनित मंदिरों व स्थलों पर कार्यक्रम के लिए कलाकारों का चयन किया गया है। इसका समन्वय संस्कृति विभाग, सूचना-जनसंपर्क विभाग, जिला पर्यटन व संस्कृति परिषद द्वारा किया जाएगा। हर जनपद में आयोजन के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। योगी सरकार ने कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ जनसहभागिता पर भी जोर दिया है।

अच्छे किस्म के गन्ने की पौध तैयार करेगा महिलाओं का स्वयं सहायता समूह

प्रात : किरण, संवाददाता

स्योहारा। महिला आर्थिक सशक्तिकरण और उनके उत्थान की दिशा में अवध शुगर एण्ड एनर्जी लिमिटेड यूनिट-स्योहारा (बिजनौर) ने कदम बढ़ा दिए हैं। गौरतलब है कि स्योहारा चीनी मिल द्वारा अपने क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा गन्ने की उन्नतशील प्रजातियों की पौध तैयार करायी जा रही हैं। गन्ने की पौध उत्पादन का कार्य मिल के तकनीकी विशेषज्ञ अधिकारियों के मार्ग दर्शन में सम्पन्न किया जा रहा है इसमें प्रयोग होने वाली पोर्ट ट्रे एवं कोकोपिट (निःशुल्क) तथा उच्च गुणवत्ता का गन्ना बीज चीनी मिल द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।इस तरह से तैयार गन्ने की पौधों को चीनी मिल के अधिकारियो के निर्देशानुसार कृषकों को बिक्री की जायेंगी। तथा इस तरह तैयार गन्ने की पौधों से हुई आय को महिला स्वयं सहायता समूहों में कार्यरत महिलाओं के बीच बांटा जायेगा। जिससे महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से प्रोत्साहन मिलेगा और महिलाएं सशक्त होंगी।

अमरोहा से मुम्बई के लिए सीधी ट्रेन का संचालन हुआ शुरू, स्थानीय लोग बोले शुक्रिया

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। बीते काफी सालों से अमरोहा वासियों को मुंबई के लिए जाने वाली सीधे ट्रेन का इंतजार था। बीते दिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमरोहा , मुरादाबाद को मुंबई के लिए सीधी ट्रेन देकर इस इंतजार को समाप्त कर दिया। गौरतलब है कि मुरादाबाद एक औद्योगिक नगरी है और मुंबई भी औद्योगिक नगरी है। इन दोनों शहरों के बीच काफी कारोबार होता है। लेकिन मुरादाबाद अमरोहा से मुंबई के लिए सीधी ट्रेन ना होने के कारण यहां के व्यापारियों को वहां आने-जाने में अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ता था।अमरोहा मुरादाबाद रामपुर के हजारों लोग मुंबई में बसते हैं।यहां उनका आना-जाना लगा रहता है। मुंबई से आने वाले मुसाफिरों को अमरोहा आने के लिए पहले दिल्ली उतरना पड़ता था, और उसके बाद वह फिर दिल्ली से अमरोहा आते थे। इस बीच में उन्हें बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था। महिलाओं व बुजुर्गों को बहुत ही कठिनाई होती थी। इन सब परेशानियों को देखते हुए जज्बा फाउंडेशन ने बहुत मजबूती के साथ इस मुद्दे को लगातार उठाय रखा। जज्बा फाउंडेशन की अपील पर पूर्व संसद कुमार दानिश अली ने भी संसद में दो बार यह मुद्दा उठाया। रेलवे बोर्ड की बैठक में भी मान्य सांसद जी ने इस मुद्दे को बहुत गर्मजोशी के साथ उठाया। जज्बा फाउंडेशन और अलग-अलग तंजीमो की मेहनत रंग लाई और और रविवार को बांद्रा टर्मिनल मुम्बई से चलकर दिल्ली के रास्ते होते हुए यह ट्रेन अमरोहा में रुकी और आगे का सफर तय करते हुए मुरादाबाद रामपुर होते हुए यह ट्रेन लाल कुआं उत्तराखंड अपनी मंजिल पर पहुंची। अपने निर्धारित समय से लगभग चार घंटे देरी से पहुंची इस ट्रेन का अमरोहा स्टेशन पर जज्बा फाउंडेशन के अध्यक्ष इकबाल खान के नेतृत्व में सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने इस ट्रेन का ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। आपको बताते चलें कि यह ट्रेन मुंबई से प्रत्येक रविवार को शाम 4:20 पर रवाना हुआ करेगी और अगले दिन 7:45 पर लाल कुआं पहुंच करेगी। लाल कुआं से यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को चला करेगी। लोकोमोटिव ड्राइवर गार्ड आदि व स्टेशन अधीक्षक श्री सरदार सिंह व वरिष्ठ टीसी श्री कैलाश चंद

मान मनव्वोल के बाद परिजनों ने किया दीपक का अंतिम संस्कार, पुलिस प्रशासन ने ली राहत की सांस

उपनिरीक्षक ,मुख्य आरक्षी, महिला आरक्षी, लड़की सहित सात पर हुआ मुकदमा दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता,

स्योहारा। जनप्रतिनिधीयो एवं गणमान्य लोगों के समझाने बुझाने एवं मान मनव्वल के बाद दीपक के परिजनो ने दीपक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। अंतिम संस्कार के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। गौरतलब है कि थाना स्योहारा में 13 अक्टूबर 2024 पंजिकृत हुए मुकदमा अपराध संख्या 503/ 24 में आरोपित दीपक और उसके साथ गई लड़की को थाना स्योहारा पुलिस में तैनात दरोगा सुनील कुमार ,कांस्टेबिल राजीव कुमार महिला कांस्टेबल अन्नू के द्वारा बरामद कर कर लिया गया था। जिसमें बाद उप निरीक्षक सुनील कुमार लड़के लड़की को अपने निवास शामली ले गए थे वहां पर संदिग्ध परिस्थितियों में आरोपित युवक दीपक की मौत हो गई थी।जिस पर पुलिस विभाग में हड़कंप गया था। सूचना पाकर स्थानीय थाना कोतवाली शामली पुलिस ने उप निरीक्षक सुनील कुमार और लड़की के परिजनो को हिरासत में लेते हुए दीपक के शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद दीपक का शव उसके घर पैतृक गांव मुंडाखेड़ी थाना स्योहारा जनपद बिजनौर पहुंचा। शव पहुंचने पर परिवार में कोहराम मच गया और गांव में सन्नाटा छा गया। सुबह होने पर दीपक के परिजन दीपक के शव का अंतिम संस्कार करने को तैयार नहीं हुए परन्तु जनप्रतिनिधी और गणमान्य लोगों में परिवार को सांत्वना देने आए नूरपुर के विधायक रामावतार सैनी, डॉक्टर सीपी सिंह, डॉक्टर विनीत कुमार देवरा ,भाजपा नेता देशबंधु आदि के बहुत समझाने बुझाने पर दीपक के परिजनों ने उसके शव का अंतिम संस्कार कर दिया। जिस पर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में भारी पुलिस बल के साथ पुलिस प्रशासन मौजूद रहा जिसमें एसपी सिटी बिजनौर, एसपी पूर्वी धर्म सिंह मार्छाल ,पुलिस क्षेत्राधिकार धामपुर सर्वम सिंह ,नवागत थाना प्रभारी निरीक्षक स्योहारा अमित कुमार सहित कई थानों की पुलिस मौजूद रही। दूसरी ओर दीपक के पिता अरविंद पुत्र मुरारी निवासी मुंडा खेड़ी थाना स्योहारा के द्वारा थाना कोतवाली शामली में दी गई तहरीर दी गई जिसमें उपनिरीक्षक सुनील कुमार, कांस्टेबल राजीव कुमार,महिला कांस्टेबल अन्नू, लड़की आजल रानी,लड़की के पिता चुनमुन ,ममेरे भाई कपिल तथा चाचा सुनील कुमार उर्फ सोनू पर अपने लड़के दीपक की हत्या करने की बात कह गई। तरहरीर के आधार पर उपरोक्त सात आरोपियों के खिलाफ सम्बंधित संगीन धाराओं 103(1)व 61(2) में मुकदमा दर्ज कर लिया।

आरोपी युवक की मौत प्रकरण मे दरोगा सहित चार पुलिस कर्मी निलंबित,थानाध्यक्ष भी हटाये गये 6

इंस्पेक्टर अमित कुमार को मिला चार्ज, बोले पीड़ित को न्याय मिलेगा

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। थाना स्योहारा पर पंजीकृत हुए मुकदमा अपराध संख्या 503 /24 धारा 137(2)/87/61(2) बीएनएस में आरोपी और अपहर्ता को बरामद करने के बाद उप निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी राजीव कुमार,महिला आरक्षी अनु द्वारा घोर लापरवाही बरती गई। बरामद किये गये लड़के, लड़की को उपनिरिक्षक सुनील कुमार थाने लाने की बजाये अपने निवास पर ले गए। जिसमें आरोपी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में उपनिरिक्षक सुनील कुमार के निवास पर मौत हो गई। अचानक हुए गंभीर प्रकरण से पुलिस विभाग में हड़कंभ गया। इस गम्भीर घटना का जनपद के तेजतर्रा पुलिस कप्तान ने तुरन्त संज्ञान लिया और इस पूरे प्रकरण की जांच अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी को सौंपी। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी ने इस घटना की जांच कर अपनी आख्या प्रस्तुत की। जिसके आधार पर पुलिस कप्तान अभिषेक झा ने कड़ा एक्शन लेते हुए। स्योहारा थानाध्यक्ष अवनीत मान, उप निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी राजीव कुमार ,महिला आरक्षी अनु को सस्पेंड कर दिया है। तथा थाना स्योहारा का कार्य भार चलाने के लिए स्वाट टीम बिजनौर में कार्यरत इंस्पेक्टर अमित कुमार को नये थाना स्योहारा प्रभारी निरीक्षक के रूप में तैनात किया।

रोटरी क्लब आकर्षण हसनपुर का चार्टर प्रेजेंटेशन समारोह का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/हसनपुर। रोटरी क्लब आकर्षण हसनपुर का चार्टर प्रेजेंटेशन समारोह का आयोजन मैथिली गार्डन हसनपुर में किया गया। जिसमें रोटरी क्लब आकर्षण की चार्टर अध्यक्ष संगीता अग्रवाल को रोटरी क्लब मंडल 3100 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर दीपा खन्ना द्वारा शपथ ग्रहण कराई गई। तदुपरांत संगीता अग्रवाल अध्यक्ष द्वारा अपनी नवगठित टीम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शपथ लेने वालों में रोटरी क्लब आकर्षण हसनपुर की सचिव डॉ ऋचा गुप्ता कोषाध्यक्ष ऋतु सक्सैना क्लब ट्रेनर एडवोकेट सतीश चंद्र अग्रवाल उपाध्यक्ष डॉ दीपिका अग्रवाल डॉक्टर संदल अग्रवाल नगर पालिका परिषद हसनपुर के अध्यक्ष राजपाल सिंह सैनी, संजय गर्ग डॉक्टर पुनीत गुप्ता, मोहित शर्मा, निशा शर्मा, शरद अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, विवेक गर्ग, अमित अग्रवाल तरुण अग्रवाल राजपुरुष अग्रवाल आयुष रस्तोगी, अभिषेक जिंदल चार्टर्ड अकाउंटेंट नैंसी अग्रवाल प्राची रस्तोगी प्रियंका अग्रवाल रहे। रोटरी क्लब आकर्षण द्वारा नगर के 15 समाजसेवियों को लोई, सम्मान पत्र, प्रतीक चिन्ह, प्रदान करते हुए उनको माला पहनाकर सम्मानित किया गया।सम्मानित होने वाले समाजसेवियों में रोटरी क्लब हसनपुर के फाउंडर चेयरमैन श्रीमती अभयानंद रस्तोगी जी की धर्मपत्नी अंजलि रस्तोगी एडवोकेट महेंद्र कुमार अग्रवाल एडवोकेट, चंद्रसेन अग्रवाल, त्रिभुवन रस्तोगी श्री रामचंद्र सिंह गुर्जर प्रधानाचार्य श्री धर्म प्रकाश अग्रवाल लायंस क्लब गजरौला के फाउंडर चेयरमैन श्री अनिरुद्ध रस्तोगी जी श्री अतुल सक्सेना जी श्री शिव महामंडल रामलीला समिति के अध्यक्ष श्री राकेश अग्रवाल जी श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (जय भोले वाले) सहित लगभग 15 समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चीफ असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन सुशील साहू जी रोटरी क्लब चंदौसी से /२३१३ ङ्क्षू१ेल्ल पब्लिक इमेज रोटेरियन अनुराग मित्तल जी चीफ असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन चक्रेश लोहिया /२३१३ ङ्क्षू१ेल्ल प्रशांत सिंघल, रोटरी क्लब चंदौसी से श्री अमित सराफ, अंकित जैन, रोटेरियन आदेश अग्रवाल रोटेरियन राजीव कुमार अग्रवाल सर्राफ, रोटेरियन कुलभूषण सक्सेना, रोटेरियन लवकेश अग्रवाल, कुलदीप अग्रवाल, आलोक रस्तोगी, शशि रस्तोगी, वंदना रस्तोगी, अलका रस्तोगी, अक्षी अग्रवाल रोटेरियन अमित गर्ग रोटेरियन जोगिंदर चावला अंकुर अग्रवाल रोटेरियन दिनेश अग्रवाल बैंक वाले श्री रविंद्र जिंदल कपिल कुमार मयंक आदि लोग उपस्थित है।

सफाई कर्मचारियों के अटैचमेंट को लेकर सुभासपा जिलाध्यक्ष ने जताई आपत्ति, सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सफाई कर्मचारियों के अटैचमेंट को लेकर सुभासपा जिला अध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौप कर आपत्ति जताई। उक्त ज्ञापन में सुभासपा जिला अध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने बताया कि जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में वर्षों से अटैच सफाई कर्मचारियों को उनके मूल तैनाती स्थलों पर भेजने की माँग उठाई है। ज्ञापन में यह आरोप लगाया गया कि वर्ष 2008 से लेकर अब तक करीब 200 सफाई कर्मचारी बिना किसी लिखित आदेश के विभिन्न विकास खण्डों, जनपदीय कार्यालयों और माननीयों के आवासों में लिपिकीय कार्यों में अटैच किए गए हैं। सत्यपाल तोमर ने जोर देते हुए कहा कि शासनादेशों के बावजूद सफाई कर्मचारियों का गैर-सफाई कार्यों में उपयोग शासन और न्यायालय के आदेशों की अवहेलना है। उन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति ग्राम पंचायतों की सफाई व्यवस्था के लिए की जाती है, लेकिन बिना किसी स्पष्ट आदेश के उन्हें अन्य कार्यालयों में तैनात कर दिया गया है। जिला पंचायत राज विभाग के कर्मचारियों को उनके मूल कार्यों से हटाकर अन्यत्र अटैच करने का सीधा उल्लंघन कई शासनादेशों और उच्च न्यायालय के आदेशों का है। शासन ने पहले ही स्पष्ट किया है कि सफाई कर्मचारियों को उनकी मूल तैनाती पर भेजा जाना चाहिए। सत्यपाल तोमर ने बताया कि अटैच सफाई कर्मचारियों के स्थानांतरण और तैनाती में अवैध वसूली का आरोप भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी इस स्थिति का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिससे ग्राम पंचायतों की सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है।ज्ञापन में माँग की गई कि सभी अटैच सफाई कर्मचारियों को तत्काल उनके मूल स्थान पर भेजा जाए ताकि जनपद की सफाई व्यवस्था में सुधार हो सके और ग्राम पंचायतों की समस्याओं का समाधान हो। सत्यपाल तोमर ने कहा कि मुख्यमन्त्री द्वारा भी इस संबंध में आदेश दिए जा चुके हैं कि सफाई कर्मचारियों को उनकी मूल तैनाती पर भेजा जाए, लेकिन इसके बावजूद आदेशों की अनदेखी की जा रही है।

रोहतास एसपी ने की फरियादियों से मुलाकात
समस्याओं के समाधान के दिए आवश्यक निर्देश

■ जनहित से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लें पदाधिकारी:एसपी

प्रातः किरण संवाददाता

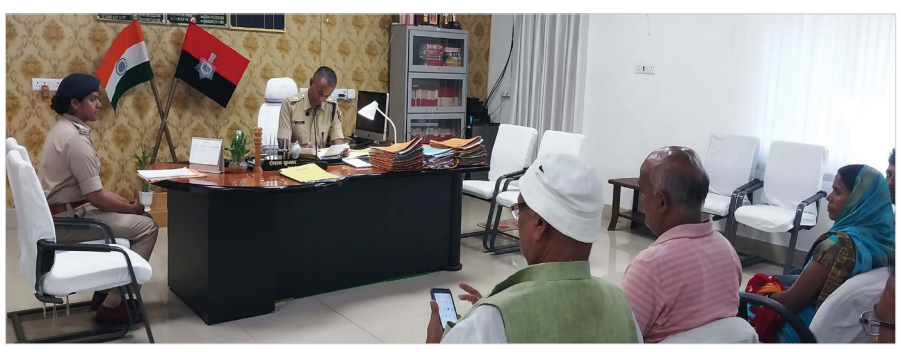

डेहरी(रोहतास) : पुलिस अधीक्षक रोहतास रौशन कुमार ने पुलिस कार्यालय, डिहरी में आमजनों और फरियादियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों की विभिन्न समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान के लिए समुचित दिशा-निर्देश जारी किए। रोहतास पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों से की मुलाकात, समस्याओं के समाधान हेतु दिए आवश्यक निर्देश। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनहित से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लें और समयबद्ध तरीके से उनका निराकरण सुनिश्चित करें। फरियादियों ने भी इस पहल का स्वागत किया और अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जताई। पुलिस प्रशासन द्वारा इस प्रकार की जनसुनवाई को हर महीने आयोजित करने की योजना है, जिससे आमजन और पुलिस के बीच समन्वय बेहतर हो सके। पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की समस्या के लिए सीधे पुलिस से संपर्क करें, और अफवाहों से बचते हुए आपसी सौहार्द बनाए रखें।

गोड़ारी में जच्चा-बच्चा मौत के मामले में कार्रवाई
फर्जी नर्सिंग होम को स्वास्थ्य विभाग ने किया सील

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) : काराकाट नगर पंचायत की गोड़ारी में वगैर निबंधन के चल रहे मां इमरजेंसी नर्सिंग होम में शुक्रवार को प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत हो गई थी। जिसके बाद मामले में चिकित्सक के विरूद्ध पीड़ित ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज करायी थी। मीडिया में छपी खबरों के बाद हरकत में आई स्वास्थ्य विभाग अपने टीम के साथ गोड़ारी पहुंची जहां वगैर निबंधन के चल रहे मां इमरजेंसी नर्सिंग होम, बंद मिला तो एक और महिला हॉस्पिटल की जांच की तो कुछ कागजों में कमी पाई गई । जिसके बाद मामले में कार्रवाई करते हुए दोनो नर्सिंग होम को अब सील किया गया है। घटना 11 अक्तूबर को बघैला थाना क्षेत्र के श्रीनगर गांव निवासी दशरथ पासवान की पतोहू और जितेंद्र कुमार की पत्नी ममता देवी को प्रसव के लिए गोड़ारी मां इमरजेंसी नर्सिंग होम लाया गया था । झोला छाप डॉक्टर और फर्जी नर्सिंग होम की लारवाही से 12 अक्तूबर को जच्चे बच्चे की मृत्यु ही गई थी। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग संज्ञान लेते हुये मंगलवार 15 अक्तूबर की सुबह करीब आठ बजे गोड़ारी पहुंचे । सीएस डॉ. मनिराज रंजन के नेतृत्व में छापेमारी शुरू हुआ । सबसे पहले मां इमरजेंसी नर्सिंग होम में छापेमारी टीम पहुंची तो नर्सिंग होम बंद मिला जिसे सील कर दिया गया । इसके बाद टीम सीएचसी गोड़ारी के पास महिला नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन जांच किया इसके बाद कुछ कागजात की कमी के कारण नर्सिंग होम को सील कर दिया गया । दो नर्सिंग होम के सील होते ही फर्जी नर्सिंग होम , अल्ट्रासाउंड संचालक शटर गिरा कर फरार हो गये । छापेमारी टीम कई अवैध नर्सिंग होम के पास पहुंची लेकिन शटर बंद मिला ।

गौरतलब हो कि गोड़ारी नगर में करीब दस से पन्द्रह नर्सिंग होम व लअल्ट्रासाउंड है जो खुलेआम कई वर्षों से संचालित हो रहा है लेकिन स्वास्थ्य विभाग कभी कभार कारवाई करती है जब कोई शिकायत होती है तब लेकिन एक दो दिन बाद सभी फर्जी नर्सिंग होम , अल्ट्रासाउंड का संचालन शुरू हो जाता है ।

बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ का प्रथम अधिवेशन संपन्न

● मुख्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । स्थानीय नागरी प्रचारिणी सभागार आरा में बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ का अधिवेशन(बैठक) संपन्न हुआ इस अधिवेशन में बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ पटना के पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी के अन्य सदस्यगण के साथ-साथ बिहार के अन्य जिलों के कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम सत्यार्थ सिंह महामंत्री एवं राजेश्वर तिवारी प्रदेश अध्यक्ष बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ के उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश्वर तिवारी, महामंत्री सत्यार्थ सिंह, व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ भोजपुर के जिला अध्यक्ष सुशील कुमार राय, जिला सचिव बसावन राम, संयोजक सुभाष सिंह, संरक्षक दिलीप सिंह एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुरूआत किया गया। विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा स्वागत गान गाकर सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया।

अजय शंकर मीडिया प्रभारी सह प्रवक्ता व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ भोजपुर के द्वारा शंखनाद एवं जय घोषकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। इसके बाद मंच का संचालन प्रीति गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ भोजपुर के द्वारा किया गया इस अधिवेशन में निम्नलिखित मुख्य मुद्दों पर चर्चा एवं विचार में वर्ष किया गया।

1. राज्य कार्यकारिणी की पुनर्गठन हेतु चुनाव समिति का गठन तथा चुनाव तिथि एवं स्थान का घोषणा किया गया।
2. राज्य कार्यकारिणी का प्रमंडल स्तरीय बैठक हेतु टीम का गठन किया गया।
3. इस कार्यकाल अवधि में बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय के कर्मचारियों के हित में किए गए कार्यों एवं उपलब्धियां पर चर्चा की गई।
4. संघ की वर्तमान गतिविधियों एवं आगे की रणनीति से सभी सदस्यगण को अवगत कराया गया।
5. बिहार के जिन-जिन जिलों में संघ का चुनाव अभी तक नहीं हो पाया है एवं जिन-जिन जिलों में जिला इकाई का पुनर्गठन होना है वहां भी जल्द से जल्द चुनाव कराने के संदर्भ में चर्चा की गई।

अंत में व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ भोजपुर के जिला अध्यक्ष सुशील कुमार राय के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर अधिवेशन का समापन किया गया।

रंगदारी ना देने पर अपराधियों ने खैनी दुकानदार को मारी गोली

दुकानदार के दाहिने साइड हाथ और दाहिने साइड सीने में गोली लगी

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर में मंगलवार की सुबह हथियारबंद अपराधियों ने रंगदारी ना देने पर खैनी दुकानदार को दिनदहाड़े गोली मार दी। दुकानदार को गोली दाहिने साइड हाथ और दाहिने साइड सीने में लगी है। घटना कोईलवर थाना क्षेत्र के कपिल देव चौक पर हुई।

जख्मी दुकानदार कोईलवर थाना क्षेत्र के कोईलवर गांव निवासी स्व. कपूर चंद चौधरी के 50 वर्षीय पुत्र राम दयाल चौधरी है। वह करीब 34 वर्षों से कपिल देव चौक पर खैनी की दुकान चलाते हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई हैं। वहीं, पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा भी बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस आसपास के इलाके में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाल रही है। इधर, जख्मी दुकानदार ने बताया कि 8 अक्टूबर की रात करीब साढ़े आठ बजे उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति का कॉल आया था। फोन करने वाले ने कहा- मैं सिपाही गैंग से बोल रहा हूं। तुम हमें पांच लाख रुपए दे दो। 10 अक्टूबर को उन्होंने स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर इस घटना की जानकारी पुलिस को दी थी।

मंगलवार की सुबह वह अपने खैनी दुकान पर बैठे हुए थे। तभी एक बाइक पर सवार तीन हथियारबंद अपराधी आए और पूछा- भइया ने कुछ कहा है? तो मैंने कहा कि कौन भइया। किसी ने कुछ नहीं कहा है। आप लोगों को खैनी लेना है तो बोलिए। इसके बाद उन्होंने हथियार निकाल कर ताबड़तोड़ उन्हें गोली मार दी।

स्वच्छता दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुखिया, स्वच्छता पर्यवेक्षक को सम्मानित किया गया

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) । सोमवार को बिक्रमगंज प्रखंड के घोसिया खुर्द गांव में स्वच्छता दिवस के शुभ अवसर पर जिला पदाधिकारी द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्राप्त मुखिया विनय प्रकाश चौधरी स्वच्छता पर्यवेक्षक अनूप कुमार स्वच्छता कर्मी नंद जी खरवार को अंग वस्त्र फूल माला एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। बिहार सरकार बीस सूत्री सदस्य रोहतास नवीन चंद्र शाह बिक्रमगंज नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष गुप्तेश्वर गुप्ता तथा तथा वैश्य समाज की अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सभी को बारी-बारी से सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नवीन चंद्र साह अपने अध्यक्षीय भाषण में कहां की हम सबको भी उनके ही जैसा उल्लेखनीय कार्य करना चाहिए ताकि आने वाला दिन ऐतिहासिक हो। स्वच्छता ही सेवा है इन लोगों ने धरातल पर उतारा है। हम सबको भी स्वच्छता को अपने जीवन का स्वभाव एवं संस्कार बना लेना चाहिए। इसके लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन उदाहरण स्वरूप है राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जो सपना देखा था प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का सपना इस और एक कदम है। इस सम्मान समारोह के शुभ अवसर पर डॉक्टर विभूति सिंह, प्राचार्य नवनीत शाह, कोषाध्यक्ष सनातन गुप्ता, युवा नेता हरिओम गुप्ता ,हेमराज गुप्ता ,इंद्रदेव चौधरी ,संतोष गुप्ता ,मुन्ना गुप्ता, पीतांबर गुप्ता ,जनार्दन साह ,शंभू कुमार सिन्हा, मुन्ना शर्मा ,बुधन शर्मा, श्री भगवान पासवान, प्रोफेसर सुनील कुमार सिंह, शंभू शरण चौधरी ,इत्यादि। 2 अक्टूबर स्वच्छ भारत दिवस 2024 को याद करते हुए राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

गाजे- बाजे हाथी- ऊंट घोड़ा के साथ सैकड़ो महिलाएं एवं पुरुष के साथ निकला गया जलभरी सह कलश यात्रा

प्रातः किरण संवाददाता

आरा :श्री सूर्य भगवान मनोकामना मंदिर के प्राण प्रतिष्ठात्मक गायत्री महायज्ञ शांति कुंज हरिद्वार के तत्वधान में अहिरपुरखा घाट आरा भोजपुर मे भव्य जलभरी सह कलश यात्रा सैकड़ो पुरुष एवं महिलाएं ने भाग लिए जिसमें कलश भात्रा में 801 कलश अपने सर पर लेकर श्री सूर्य भगवान मनोकामना मंदिर अहिपुरवा घाट से हाथी, ऊट घोडा, बैंड बाजा डंका के साथ निकला गया जो धरहरा पुल होते हुए पड़ाव से गांगी सूर्य मंदिर से जल लेकर (जल सिन्हा गंगा नदी से मंगाया गया) वापस गोला होते शिशमहल चौक से जेल रोड दुर्गा मंदिर से सपना मोड से बाईपास रोड होते हुर्व श्री सूर्य मनोकामना मंदिर अहिरपुवा आरा तक क्लश यात्रा संपन्न हुई संध्या 5 बजे प्रवचन किया जायेगा। प्रवचन श्री नरेन्द्र विद्यार्थी एख उनके सहयोगी श्री नकुल शास्त्री हरिद्वार शांतिकुज से आये हुए है।

एवं प्रख्यात महिला प्रवचन करता एवं संगीत श्री मति मंदाकनी मिश्रा एवं श्री गोविन्द जी मुल्य रूप से प्रवचन करे यज्ञ भंडारा श्री सूर्य भगवान मनोकामना मंदिर प्राण प्रतिपालक गायत्री महायज्ञ शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2024 तक श्री सूर्यनारायण गायत्री महामंत्र अनुष्ठान 15 अक्टूबर 2024 को प्रातः 7 बजे से जलभरी सह कलश यात्रा एवं संध्या 5 बजे से संगीत / प्रवचन 16 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2024 को देवपूजन एवं प्राण प्रतिष्ठा एवं संध्या 5 बजे से 8 बजे रात्रि तक संगीत प्रक्रन 18 अक्टूबर 2024 को पूणार्हुती एवं भंडारा आयोजन किया जाएगा अध्यक्ष श्री समिति के अध्यक्ष अ ललन ५० सिंह कोषाध्यक्ष अनिल कुमार प्रजापति, उपाध्यक्ष - सहाच रंजन चाहव रिंकू यादव एवं मिथलेश कुमार, कमेन्याहव रितेश कुमार-माघो पडित, राजेश ठाकुर मधु की मुरली अवण कुमार, शालिग्राम मेटुजी, सतिशकुप निहाल सिंह मोहन यादव, आदि यज्ञ समिति सदस्य की सहयोग किया जा रहा हो।

अल्ट्रासाउंड केंद्र विशेषज्ञ के अभाव में बंद

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास)खबर रोहतास जिले से है जहां सदर अस्पताल सासाराम के अत्याधुनिक मातृ-शिशु अस्पताल में लगे अल्ट्रा साउंड मशीन विशेषज्ञ के अभाव में बंद पड़ा है। लाखों रूपए की मशीन लगाई गई है, लेकिन इसका फायदा मरिजों को नहीं मिल पा रहा हैं। जबकि कई गर्भवति महिलाओं को चिकित्सक अल्ट्रा साउंड के लिए कहते हैं। लेकिन अस्पताल में अल्ट्रा साउंड ना हो पाने के कारण उन्हें बाहर निजी सेंटरों पर भारी फिस देकर अल्ट्रा साउंड कराना पड़ रहा है। कई लोग फिस देने में असमर्थ होने के कारण अल्ट्रा साउंड नहीं करा पा रहे हैं। इसे लेकर मरिजों में अक्रोश भी देखा जा सकता है।

इस संबंध में पूछने पर रोहतास के सिविल सर्जन डॉ मणिराज रंजन ने कहा कि वो पांच माह पूर्व आए हैं, जब से आए हैं, उसके पूर्व से अल्ट्रा साउंड बंद पड़ा है।

अस्पताल में कोई चिकित्सक इसका विशेषज्ञ नहीं है। ना ही सरकार द्वारा अल्ट्रासाउंड के लिए किसी महिला चिकित्सक को ट्रेनिंग दिलवाने का निर्देश मिला है। जब मातृ-शिशु अस्पताल शुरू हुआ था तो एनएमसीएच के एक कर्मी द्वारा यहां अल्ट्रा साउंड किया जाता था, परंतु उसका टेनयोर पूरा होने के बाद वह चला गया, तब से अल्ट्रा साउंड की सुविधा बंद है। विभाग के पास भी लिखा गया है कि किसी ट्रेंड को भेजा जाए। स्थानीय स्तर पर अगर कोई मिलता है तो उसे मानदेय पर रखा जाएगा।

उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए बिहार सरकार द्वारा छात्रों के लिए शुरू की गई अति महत्वाकांक्षी योजना

■ इंटर पास करने के बाद जो छात्र उच्च शिक्षा हेतु नामांकन ले चुके हैं उन्हें बिहार सरकार चार लाख रुपये तक की सहायता राशि प्रदान करती है: प्रबंधक

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास) : उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए बिहार सरकार द्वारा छात्रों के लिए शुरू की गई अति महत्वाकांक्षी योजना स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिए गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय ,जमुहार में डी आर सी सी रोहतास की टीम द्वारा आज देवमंगल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मार्गदर्शन किया गया । छात्रों को संबोधित करते हुए डी आर सी सी मोकर के सहायक प्रबंधक मोहम्मद साबिर हुसैन ने कहा कि इंटर पास करने के बाद जो छात्र उच्च शिक्षा हेतु नामांकन ले चुके हैं उन्हें बिहार सरकार चार लाख रुपये तक की सहायता राशि प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि इसके लिए छात्र को बिहार का निवासी होना चाहिए एवं बिहार के ही किसी संस्थान से इंटर पास होना चाहिए ।

उन्होंने कहा कि शिक्षा पूरी करने के बाद पुरुष छात्रों को 4% की दर से एवं महिला, विकलांग अथवा ट्रांसजेंडर छात्रों के लिए एक प्रतिशत ब्याज दर के साथ ऋण का भुगतान करना होगा । छात्रों द्वारा इस बारे में पूछे गए विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान किया गया तथा उन्हें हर संभव मदद करने और जानकारी प्रदान करने हेतु कार्यालय मोकर, सासाराम में बुलाया गया है ।

कार्यक्रम का समन्वय मनीष कुमार सिंह ने किया जबकि इस अवसर पर डीआर सी सी के आरसी कमल, राहुल कुमार एवं मोहन कुमार उपस्थित थे।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

सासाराम(रोहतास) , प्रातः किरण। जिला पदाधिकारी के निदेशानुसार अपर समाहर्त्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी-सह-अपर जिला कृषि गणना पदाधिकारी की अध्यक्षता की अध्यक्षता में डी०आर०डी०ए० सभागार में आज दिनांकः- 15.10.2024 को 11वीं कृषि गणना 2021-22 फेज 2 एवं फेज 3 से संबंधित प्रशिक्षण सभी राजस्व पदाधिकारी एवं राजस्व कर्मचारियों को दिया गया। कृषि संगणना देश में कृषि सांख्यिकी के संग्रह की व्यापक प्रणाली का हिस्सा है कृषि संगणना डेटा का उपयोग विभिन्न हित धारकों द्वारा विकास योजना, सामाजिक आर्थिक नीति निर्माण और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की स्थापना के लिये किया जाता है। जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी एवं राजस्व अधिकारी आदि उपस्थित थे।

ट्रेन की चपेट में आने से घर से निकले मजदूर की मौत

■ पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

आरा। आरा-सासाराम रेलखंड पर चरपोखरी थाना क्षेत्र के कथराई गांव के स्थित रेलवे ट्रैक पर मंगलवार की सुबह ट्रेन की चपेट में आने से घर से निकले मजदूर की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक पीरो थाना क्षेत्र के सारोपुर गांव निवासी झखाड़ी चौधरी के 71 वर्षीय पुत्र ननकू चौधरी एवं पेशे से मजदूर थे। इधर मृतक के बेटे राज कुमार चौधरी ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब छह बजे घर से वह बाहर निकले थे। देर शाम तक जब वह घर वापस नहीं लौटे तो परिजन ने पीरो,नगरी एवं चरपोखरी में कई जगह पर उनकी काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। मंगलवार की सुबह जब वह ट्रेन पकड़ कर आर आ रहा था। तभी वहां पर मौजूद एक रेल गॉर्ड ने बताया कि आज सुबह एक बुजुग की ट्रेन दुर्घटना में मौत हो गई। सूचना पाकर वह पहले पीरो थाना पहुंचा। उसके बाद वह चरपोखरी थाना आया। जहां पुलिस के मोबाइल में फोटो देख अपने पिता की पहचान की।

इसके बाद परिजन आरा सदर अस्पताल परिसर में स्थित पोस्टमार्टम गृह आए। इसके बाद उनके शव को दाह-संस्कार के लिए वापस गांव ले गए।

अवैध संबंध का विरोध करने पर सगे भाई-बहन की पिटाई

जख्मियों का आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के नहसी गांव में मंगलवार की सुबह अवैध संबंध का विरोध करने पर सगे भाई-बहन की जमकर पिटाई कर दी गई। इससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में गड़हनी थाना क्षेत्र के नहसी गांव निवासी जोगिंदर सिंह की 40 वर्षीया पत्नी सुनीता देवी एवं उदवंतनगर थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर गांव निवासी रामजस यादव के 52 वर्ष से पुत्र जोगिंदर सिंह है एवं दोनों रिश्ते में सगे भाई-बहन है। इधर सुनीता देवी ने बताया कि उसके पति जोगिंदर सिंह का उसकी जेठानी से ही करीब पांच वर्षों से अवैध संबंध चल रहा है। जिसका वह बराबर विरोध करती है। विरोध करने पर उसके पति,जेठानी एवं उसके बेटे द्वारा उसके साथ बराबर मारपीट की जाती है। मंगलवार की सुबह जब वह अपने घर का काम करने जा रही थी। तभी उसी विवाद में एकबार फिर तूल पकड़ लिया। जिसको लेकर उनके बीच पहले कहासुनी हुई। इसके बाद उसकी जेठानी एवं उसका बेटा द्वारा उसका बाल पकड़ जमीन पर पटक कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। जिसके बाद उसने फोन कर इसकी जानकारी अपने भाई जोगिंदर सिंह को दी। सूचना पाकर जोगिंदर सिंह अपने संबंधियों के साथ उसके ससुराल पहुंचे। तभी उसका जेठानी बेटा द्वारा लोहे के रॉड से मारकर उसके भाई को भी गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया। इसके बाद दोनों को इलाज के लिए रस्तादार अस्पताल लाया गया।

वहीं दूसरी ओर जख्मी सुनीता देवी ने अपनी जेठानी गीता देवी का पति के साथ अवैध संबंध होने का विरोध करने पर उस पर व उसके बेटे अंशु कुमार पर दोनों भाई-बहन को मारपीट कर जख्मी करने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

टोल प्लाजा के मनमानी को लेकर ट्रांसपोर्टरों ने बवाल काटा
कुल्हड़िया टोल प्लाजा पर मनमानी का आरोप

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के आरा-पटना मुख्य मार्ग पर कुल्हड़िया के समीप टोल प्लाजा पर संचालको के मनमानी के खिलाफ आरा, बिहियां, बिहटा समेत कोईलवर के ट्रांसपोर्टरों ने टोल प्लाजा पर जमकर बवाल काट प्रदर्शन किया। बिहियां के ट्रांसपोर्टर मोहन तिवारी, लोरिक सिंह, शोभनाथ साह, बिहटा के मनोज सिंह, पवन कुमार, कोईलवर के चन्दन सिंह,

रोशन पांडेय, रितिक ओझा ने बताया कि कुल्हड़िया टोल पर ओवरलोड वाहनों के नाम पर अवैध वसूली का खेल चल रहा है। जिससे ट्रक चालकों से जबरन अवैध उगाही की जाती है। ओवरलोड के नाम पर चालको से गाड़ी का पेपर छीन कई घण्टो तक बैठाया जाता है। साथ ही आरोप लगाया कि टोल प्लाजा के कर्मी अवैध पैसे की मांग करते है। पुलिस भी टोल प्लाजा की ही मदद करता है। रौशन पांडेय ने बताया उनका घर कुल्हड़िया है। जिससे जरूरी काम से टोल को पार कर सकड्डी आना जाना होता है। उन्हें बिना टोल वाले (वीआईपी)लेन से पार तो करा दिया जाता है, लेकिन कई घण्टे बाद कर्मी टोल का सीसीटीवी फुटेज देख उनके चार पहिया वाहन रजिस्ट्रेशन से टोल काट देते है। ऐसी दर्जनों लोगों की शिकायत है कि गाड़ी सुबह में बिना टोल वाले लेन से गुजरी थी और चार से पांच घण्टे बाद उनके फास्ट टैग से पैसा कट गया है, जबकि उस समय उनकी गाड़ी घर पर खड़ी रहती है।

इधर ट्रांसपोर्टरों ने कहा कि अगर टोल प्लाजा की इसी तरह मनमानी चलती रही थी, मजबूरन सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे। सूत्रों की माने तो रात्रि में टोल प्लाजा पर ट्रक चालकों को बंधक बनाने वाले और उगाही करने वाले एपीएम को हटा भी दिया गया है। इधर टोल पर के प्रबंधक सुधीर सेंगवान ने बताया कि ट्रांसपोर्टरों द्वारा लगाया गया आरोप बेबुनियाद है।

प्रखंड के पहले प्रमुख के देहांत से एक युग का अंत

प्रातः किरण संवाददाता

दावथ (रोहतास) सोमवार को रात्रि में दावथ एवं सूर्यपूरा के संयुक्त प्रथम प्रखंड प्रमुख नारायण सिंह का देहांत हो गया। वयोवृद्ध दिवंगत प्रखंड प्रमुख जग नारायण सिंह के निधन से क्षेत्र में शोक का लहर है। उनका देहांत उनके पैतृक गांव शहादत डिहरा में हुआ ।बताया जाता है कि पिछले कई दिनों से वे अस्वस्थ चल रहे थे। प्रखंड के पहले प्रखंड प्रमुख रहने के साथ-साथ सबसे लंबी अवधि लगभग 22 वर्षों तक इस कुर्सी पर काबू रहने वाले भी वह पहले व्यक्ति थे जिनके बारे में कहा जाता है कि अपने क्षेत्र की मयार्दा रखने के लिए कई बार उन्होंने अपने समय में बगावती तेवर भी अख्तियार किये तो वही पुलिस और प्रशासन को भी हर संभव मदद करने वाले बुद्धिजीवियों में उनकी गिनती की जाती थी। सामाजिक समरसता के साथ साथ उन्होंने राजनीतिक हस्तियों के साथ भी तालमेल बैठाने का हर संभव प्रयास किया। उनकी मृत्यु पर क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों एवं राजनीतिक हस्तियां के आने जाने का तांता लगा हुआ है। शोक संतप्त परिवार के प्रति सहानुभूति रखने वालों में सच्चिदानंद सिंह, सत्येंद्र नारायण सिंह मंत्री, शिक्षक श्री भगवान प्रसाद ,मुखिया संतोष कुमार सिंह, पत्रकार सहित क्षेत्र के वरिष्ठ लोग मौजूद रहे। जगनारायण सिंह अपने पीछे तीन पुत्रों हीरालाल सिंह, जवाहर सिंह एवं छोटेलाल सिंह को छोड़ गए हैं।

परम सुंदरी में नजर आएगी

सिद्धार्थ -जान्हवी की जोड़ी

मैडॉक फिल्म्स के निर्माता दिनेश विजन ने कथित तौर पर एक फिल्म के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर को अपने साथ जोड़ा है। उनका इरादा फिल्म निर्माता तुषार जलोटा को फिल्म के निर्देशक के रूप में लेकर एक गंभीर थ्रिलर बनाने का था। नवीनतम विकास यह है कि विजान ने स्पष्ट रूप से नए बदलाव किए हैं और एक नई फिल्म की स्थापना की है। उसी निर्देशक और स्टारकास्ट के साथ एक नई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म बनाई जाएगी। सिद्धार्थ और जान्हवी की फिल्म का अस्थायी नाम परम सुंदरी रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तुषार जलोटा मैडॉक फिल्म्स के तहत सिद्धार्थ और जान्हवी की फिल्म का निर्देशन करेंगे। विजान द्वारा एक नई फिल्म के साथ आगे बढ़ने का मुख्य कारण यह था कि उन्हें और सिद्धार्थ को एहसास हुआ कि स्क्रिप्ट में बॉक्स ऑफिस पर सीमित संभावनाएं थीं। उनका मानना है कि दर्शक अब सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी पर थ्रिलर कंटेंट देखना पसंद करते हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने पारस्परिक रूप से फिल्म के पहले विचार को रद्द करने का फैसला किया और तुषार के साथ अन्य कहानी के विचारों की खोज शुरू कर दी। कई योजनाओं पर विचार करने के बाद, उन्होंने एक रोमांटिक कॉमेडी पर विचार किया.

लोग जितना अमीर समझते हैं उतना नहीं हूं: राजकुमार राव

राजकुमार राव की फिल्म 'स्त्री 2' ने हाल ही में बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। कई रिकॉर्ड भी तोड़े। वहीं, 11 अक्टूबर को उनकी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' भी रिलीज हुई। राजकुमार राव बॉलीवुड के बेहद प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक हैं। वह इन दिनों अपनी फिल्मों की सफलता का आनंद उठा रहे हैं। हाल ही में अभिनेता ने खुलासा किया कि उनके पास उतने पैसे नहीं हैं, जितना लोग सोचते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक राजकुमार राव ने 'अनफिल्टर्ड बाय समदिश' से बातचीत की। इस दौरान अभिनेता से पूछा गया कि क्या वह अपने जीवन से संतुष्ट हैं? इस पर, अभिनेता ने स्वीकार किया कि वह संतुष्ट हैं, लेकिन उनकी भूख अभी भी बनी हुई है। होस्ट ने जब बैंक बैलेंस को लेकर चर्चा की तो अभिनेता ने धारणाओं को नकारते हुए अपना पक्ष रखा। अभिनेता ने कहा कि उनके पास इतने पैसे नहीं हैं कि वह किसी भी शोरूम में गए और 6 करोड़ रुपये की कार खरीद ली। उन्होंने कहा, 'यार, ईमानदारी से कहूं तो इतना पैसा नहीं है, जितना लोगों को लगता होगा कि यह तो भाई 100 करोड़ रुपये है। इतना नहीं है। भाई, ईएमआई चल रही है। मतलब घर लिया हुआ है, उसकी ईएमआई अच्छी खासी है, तो मतलब ऐसा भी नहीं है, पर ऐसे वाला भी नहीं कि आज मन किया की शोरूम में जा के कहा, 'कितने की है वो?' 'सर, 6 करोड़ रुपये की।' 'दे दो।' वहीं, जब उनसे पूछा गया कि 6 करोड़ रुपये नहीं, लेकिन क्या वह 50 लाख रुपये की कार खरीद सकते हैं, तो अभिनेता ने कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं, लेकिन इस पर चर्चा होगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह इसे लेकर थोड़ा तनाव में होंगे, लेकिन वह आसानी से 20 लाख रुपये की कार खरीद सकते हैं। राजकुमार राव ने यह भी माना कि अगर एक रात में बहुत अधिक पैसा मिल जाए तो यह उनकी मानसिकता को खराब कर सकता है।

राजकुमार राव के वर्क फ्रंट की बात की जाए तो 11 अक्टूबर को उनकी पारिवारिक-कॉमेडी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' रिलीज हुई है। उनकी इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, मल्लिका शेरावत मस्त अली, अर्चना पूरन सिंह, मुकेश तिवारी, अर्चना पटेल, राकेश बेदी, टीकू तलसानिया और अश्विनी कालसेकर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

इस बीमारी से जूझ रही हैं आलिया

इन दिनों आलिया भट्ट के चर्चा में रहने की वजह यूं तो उनकी फिल्म जिगरा होनी चाहिए। लेकिन, फिल्म के प्रमोशन के दौरान आलिया जितने इंटरव्यू आदि दे रही हैं, उनमें फिल्म का ही जिक्र सबसे कम होता नजर आ रहा है। आलिया की निजी जिंदगी और अन्य नई-नई बातें लगातार चर्चा में आ रही हैं। अब आलिया को लेकर एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है और वह उनकी सेहत से संबंधित है। आलिया भट्ट को एडीएचडी यानि अटेनशन डिफिशिएट हाईएक्टिविटी डिसऑर्डर है। इसका खुलासा खुद उन्होंने किया है।

आलिया भट्ट ने हाल ही में एक बातचीत में खुलासा किया कि उन्हें एडीएचडी यानि अटेनशन डिफिशिएट हाईएक्टिविटी डिसऑर्डर का पता चला था। एक मनोवैज्ञानिक टेस्ट में इस बीमारी का मालूम हुआ। अपने बचपन के दिनों की बात करते हुए उन्होने आगे कहा कि वे बचपन में अपनी क्लास के बच्चों से दूर हो जाया करती थीं और कभी-कभी बातचीत के दौरान गुस्सा हो जाया करती थीं। हाल ही में आलिया को अपनी इस बीमारी के बारे पता चला है।

दोस्तों से किया बीमारी का जिक्र

आलिया भट्ट ने कहा कि जब उन्होंने अपने दोस्तों को अपनी बीमारी के बारे में बताया तो आलिया के दोस्तों ने उनसे कहा कि वो पहले से ही जानते थे। हालांकि, आलिया को इस बारे में अब जाकर पता चला है। इस बीमारी से पीड़ित इंसान में ध्यान की कमी पाई जाती है और चीजों पर गुस्सैल रवैये से तुरंत प्रतिक्रिया देना उसकी आदत में शामिल होता है। अपनी इस बीमारी पर खुद आलिया ने हाल ही में मुहर लगाई है।

आलिया भट्ट की जिगरा दशहरे के मौके पर 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह भाई-बहन की कहानी पर आधारित फिल्म है। इसमें आलिया ने बहन की भूमिका निभाई है तो उनके भाई के किरदार में वेदांग रैना नजर आए हैं। फिल्म का निर्देशन वसन बाला ने किया है।

अब मुझे लग रहा है कि मैं सच में अपनी हैसियत से बाहर आ गया :भुवन बाम

भुवन बाम यूट्यूब से ओटीटी पर आ चुके हैं। वेब सीरीज़ ताजा खबर को लेकर चर्चा में रहे भुवन बाम महेश मांजरेकर के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने फिल्मों को लेकर अपनी इच्छा जताते हुए कहा -मैं झपट्टा मारने की नहीं सोच रहा, मैं धीरे-धीरे एक रास्ता बना रहा हूं।

सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म और यूट्यूबर पर अपने अलग-अलग किरदारों के दम पर युवाओं के बीच पहचान बनाने वाले भुवन बाम इन दिनों अपनी वेब सीरीज़ ताजा खबर को लेकर चर्चा में हैं। पिछले दिनों हमारे पाठकों से मिलने आए भुवन बाम ने हमसे बातचीत की-

● आप बीबी की वाइंस में सारे किरदार और बाकी काम खुद ही करते थे। लेकिन जब आपने ओटीटी पर ऐक्टिंग शुरू की तो आपको डायरेक्ट किसी और ने किया। वह अनुभव कैसा था?

वह मेरे लिए बहुत नया और अच्छा अनुभव था क्योंकि अभी तक तो मैं चारदीवारी में ही शूट करता था। मगर सेट पर तो 200 लोगों का क्रू मौजूद था। ऐसे में हाथ-पांव कांपने लगते हैं। शुरू के 10 दिन तो बिल्कुल मैं डर-डर कर ही उठता था कि आज किसके साथ शूट करना है। एक दिन मैं उठा तो मैंने पूछा कि आज रात का शूट है तो किसके साथ है! तो मुझे बताया गया कि महेश मांजरेकर सर के साथ है।

तब मैंने कहा कि कौन-सा डायलॉग बोलना है, बता दो पहले ही। इतने लंबे-लंबे डायलॉग थे। मैंने सोचा कैसे होगा ये। लेकिन जब आपके पास सपोर्टिव लोग हों तो मुश्किल से मुश्किल चीज आसानी से हो जाती है। और सबसे मजे की बात ये है जो मैं गर्व से कहता हूं कि पूरे सेट पर उम्र में सबसे छोटा और काम में सबसे कम तजुर्बे वाला मैं ही था। इस बात पर मुझे गर्व है और सबसे ज्यादा मुझे सीखने को मिला।

● दिल्ली में आपने काफी वक्त बिताया है। यहां रहने का अनुभव कैसा रहा?

दिल्ली में तो हर दिन एक एक्सपीरियंस ही है। मेरे साथ एक बहुत ही अच्छा और प्यारा किस्सा यहां हुआ है। एक इवेंट था, लोगों को पता नहीं था कि मैं वहां हूं लेकिन मेरा वहां परफॉर्मेंस था। वहां मेरा लास्ट एक्ट था। तो जब ऐक्ट खत्म हुआ तो सब मेरे साथ फोटो लेने लगे। एक अंकल जी भी मेरे साथ फोटो ले रहे थे। मैंने उनसे पूछा, आपको पता है कि मैं क्या करता हूं। तो वह कहने लगे कि नहीं, लेकिन आपके साथ फोटो खींचकर फेसबुक पर डालूंगा तो कोई ना कोई बता ही देगा कि आप क्या करते हो और कौन हो। तब मैंने कहा वाह जीनियस हो आप। उन्होंने बड़े स्मार्ट तरीके से जवाब दिया। मैं उस टाइम खूब हंसा। ऐसे बहुत से किस्से दिल्ली में होते रहते हैं।

● आप ओटीटी के बाद क्या बड़े पर्दे की तरफ भी देख रहे हैं? क्या फिल्मों में भी आने का आपका प्लान है?

(हंसते हुए) आपने बोल दिया है तो अब हो ही जाएगा। ये वरदान है मेरे लिए। पर सपना है, जैसे हर एक बच्चे को जिसे सिनेमा और ऐक्टिंग से प्यार है, उसका ये सपना होता है कि मैं भी खुद को एक बड़े पर्दे पर देखूं। वह मेरा भी सपना है और रहेगा। उसी की तरफ सारी एनर्जी लगी हुई है। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत जल्दबाजी है कि मुझे ये चाहिए ही चाहिए। मुझे चाहिए जरूर लेकिन सब्र से चाहिए। मैं ऐसा नहीं सोच रहा कि ये अभी चाहिए। मैं झपट्टा मारने की नहीं सोच रहा। मैं धीरे-धीरे एक रास्ता बना रहा हूं। उस रास्ते पर मुझे सिखाने वाले जावेद जाफरी सर हैं, मनोज मांजरेकर सर हैं, श्रिया पिलगांवकर हैं। धीरे-धीरे अपने दोस्तों और परिवार वालों, सबसे सीखकर मैं कभी ना कभी तो बड़े पर्दे पर आ ही जाऊंगा।

● आप अपनी इस वेब सीरीज़ के दूसरे पार्ट के प्रड्यूसर भी हैं। इसके बारे में हमें बताएं।

हमने एक कोशिश की है। जिस तरह लोगों का प्यार मिला, उससे हमने कोशिश की है कि सीजन 2 उससे भी बेहतर बनाएं। शो में एक टैग लाइन है कि किधर जा रहे हैं हम लोग। औकात के बाहर। मेरे लिए तो हैसियत के बाहर जाने का मतलब ये है कि मैं सीजन 2 बना पाया। दूसरी बात, जिस इंसान (जावेद जाफरी) को मैं देख-देख कर बड़ा हुआ हूं, जो मेरा सबसे बड़ा आइकन है, वह आज मेरे साथ तो है ही, साथ ही उन्होंने सीजन 2 में काम करने के लिए भी हां कर दिया, वह मेरे लिए बड़ी बात है। अब मुझे लग रहा है कि मैं सच में अपनी हैसियत से बाहर आ गया हूं।

मराठी एक्टर अतुल परचुरे का 57 साल की उम्र में निधन

दिग्गज अभिनेता अतुल परचुरे का 57 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने सोमवार को अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे। अतुल एक मशहूर मराठी अभिनेता थे, जिन्होंने कई हिंदी टीवी शो और फिल्मों में काम किया। वह कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में भी नजर आ चुके हैं। अतुल ने एक टॉक शो में अपनी कैंसर की बीमारी का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि डॉक्टरों को उनके लीवर में पांच सेमी का ट्यूमर मिला है।

उन्होंने अपनी स्थिति की गंभीरता को व्यक्त करते हुए कहा था, मुझे बताया गया कि मेरे लीवर में लगभग पांच सेंटीमीटर लंबा ट्यूमर है और यह कैंसर है। हालांकि, कैंसर से पीड़ित होने के बाद अतुल परचुरे की सेहत काफी खराब हुई थी। उन्होंने बताया था, कैंसर के बाद मेरा पहला डायग्नोसिस गलत हो गया है, जिससे मेरा अग्न्याशय प्रभावित हुआ और कई मुश्किलें पैदा हो गईं। गलत उपचार ने वास्तव में मेरी स्थिति को और बिगाड़ दिया। मैं चलने में असमर्थ था और बोलने में भी मुश्किलें महसूस करता था। उस हालत में डॉक्टर ने मुझे डेढ़ महीने तक आराम करने की सलाह दी थी। अतुल परचुरे ने इंडस्ट्री में अपनी पहचान एक सफल एक्टर के तौर पर स्थापित की थी। वह फिल्मों और टेलीविजन में एक्टिंग करते दिखाई दे जाते थे। अतुल को उनके काम के लिए भी जमकर सराहा गया। वह वासु ची सासु, प्रियतम, और तरुण तुर्क म्हातारे अर्का जैसे प्रोजेक्ट में नजर आए।

सनी का लहंगे में हुआ बुरा हाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया, जो हर लड़की को पसंद आएगा। ये सनी के लहंगे के बारे में है कि वो इसे पहनकर कैसा महसूस करती हैं और यह भारी लहंगा पहनने के बाद वो उठ नहीं पा रही थीं। शादी से लेकर कई इवेंट्स तक, यह प्यारी सी ड्रेस हर लड़की की अलमारी में होती है। लेकिन सनी लियोनी ने इसका जो साइड अब दिखाया है उससे हर कोई जरूर रिलेट कर पाएगा। वीडियो में वह अपनी टीम से मदद लेती नजर आ रही हैं। हालांकि, वह अभी भी लड़खड़ाती हुई दिखीं और बड़ी मुश्किल के बाद आखिरकार वो उठने में कामयाब रहीं। उन्होंने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, मुझे अभी भी मदद की जरूरत है, लॉल।

गजनी 2 का

एलान करेंगे आमिर

भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक आमिर खान बॉक्स ऑफिस पर लगातार हिट फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। फिलहाल अभिनेता 2025 में रिलीज होने वाली अपनी आगामी फिल्म सितारे जमीन पर की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा वह अपनी भविष्य की परियोजनाओं को मजबूत करने के लिए कई फिल्म निर्माताओं के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। इन चर्चाओं के बीच उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक गजनी की सीक्वल गजनी 2 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट जानकर मिस्टर परफेक्शनिस्ट के प्रशंसकों का खुश होना लाजमी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान फिलहाल निर्माता अल्लू अरविंद के साथ गजनी को फ्रेंचाइजी में बदलने के बारे में चर्चा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अल्लू अरविंद, मधु मंटेना और पूरी टीम को गजनी 2 के लिए एक योग्य विषय के साथ आने के लिए कहा है। अगर यह तय हो जाता है तो वह भारतीय सिनेमा की पहली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की सीक्वल बनाकर इतिहास रच सकते हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, टीम सक्रिय रूप से विचारों पर मंथन कर रही है और आमिर पहले ड्राफ्ट का इंतजार कर रहे हैं। आमिर खान वर्तमान में अपनी अगली फिल्म सितारे जमीन पर में व्यस्त हैं और 2025 में अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर सकते हैं। कथित तौर पर सुपरस्टार एक सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जिस विचार ने उन दोनों को उत्साहित किया है वह एक सुपरहीरो फिल्म है और लोकेश अब अपने लेखकों की टीम के साथ इसे विकसित करना चाह रहे हैं।

खबरें हैं कि अगर आमिर खान स्क्रिप्ट को मंजूरी दे देते हैं, तो सुपरहीरो फिल्म का निर्माण 2026 में शुरू हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह विचार फिलहाल विकास के चरण में है और लोकेश को भी आमिर के साथ चीजों को अगले स्तर पर ले जाने का दायित्व सौंपा गया है। फिलहाल रजनीकांत कैथी 2 से पहले रजनीकांत अभिनीत कुली की शूटिंग कर रहे हैं। अपने संभावित सहयोग के अलावा, आमिर खान कनगराज की फिल्म कुली में एक कैमियो में भी दिखाई देंगे।

विशेष उपस्थिति का निर्णय तब लिया गया जब वे सुपरहीरो फिल्म पर चर्चा कर रहे थे। हालांकि, इन रिपोर्ट्स पर अभी आधिकारिक मुहर लगना बाकी है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मुनाफा पांच फीसदी घटा

जियो का 23 फीसदी बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मुनाफा दूसरी तिमाही में पांच फीसदी गिरकर 16,563 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले यह 17,394 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने सोमवार को बताया, उसकी कुल आय मामूली बढ़कर 2.4 लाख करोड़ रही है। कुल कर्ज बढ़कर 3.36 लाख करोड़ हो गया है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, हमारा प्रदर्शन डिजिटल सेवाओं व अपस्ट्रीम व्यवसाय में मजबूत वृद्धि को दर्शाता है।

जियो प्लेटफॉर्म का शुद्ध मुनाफा 23.4 फीसदी बढ़कर 6,539 करोड़ रुपये रहा है। हर ग्राहक से औसत मासिक कमाई बढ़कर 195 रुपये के पार पहुंच गई है। राजस्व 18 फीसदी तेजी के साथ 31,709 करोड़ रहा।

कंपनी का मुनाफा दूसरी तिमाही में 10.5 फीसदी बढ़कर 4,235 करोड़ रुपये हो गया है। राजस्व 8.21 फीसदी बढ़कर 28,862 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के नतीजे बाजार की उम्मीदों से बेहतर हैं। भारत की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी का जुलाई-सितंबर 2025 का परिचालन राजस्व बढ़कर 28,862 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की तुलना में 8.2त्न अधिक है। क्रमिक आधार पर, एचसीएलटेक के दूसरी तिमाही के शुद्ध लाभ में मामूली 0.5त्न की गिरावट आई, जबकि राजस्व में तिमाही आधार पर लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एचसीएलटेक ने 12 रुपये प्रति शेयर का एक और अंतरिम लाभांश भी घोषित किया, जिससे वित्तीय वर्ष के लिए अब तक का कुल अंतरिम लाभांश 42 रुपये प्रति शेयर हो गया।

देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर, 2024 में एक फीसदी घटकर 3,56,752 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में 3,61,717 यात्री कारें बिकी थीं। हालांकि, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री में 16 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले माह 20,25,993 दोपहिया वाहन बिके। सितंबर, 2023 में यह आंकड़ा 17,49,794 था। कुल तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी सात फीसदी बढ़कर 79,683 इकाई पहुंच गई। सितंबर, 2023 में 74,671 तिपहिया वाहन बिके थे।

चालू वित्त वर्ष में पांच फीसदी तक बढ़ेगी बिक्री

सियाम के अध्यक्ष शैलेष चंद्र ने कहा, त्योहारी सीजन में मजबूत प्रदर्शन के दम पर चालू वित्त वर्ष के दौरान यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3-5 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में बिक्री में 5-8 फीसदी तेजी का अनुमान लगाया गया था। चंद्रा ने कहा, मई व जून हमारी उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। हालांकि, त्योहारी मांग मजबूत दिख रही है। अक्तूबर के पहले 12 दिन में वाहनों की मांग में 25 फीसदी की तेजी रही है।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के तीसरे चरण के उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए 38 कंपनियों ने आवेदन किया है। इनमें डाइकिन, वोल्टास व ब्लू स्टार सहित अन्य शामिल हैं। इससे 4,121 करोड़ के निवेश की संभावना है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा, अगले तीन वर्षों (2028-29 तक) में ये कंपनियां 55,877 करोड़ रुपये का उत्पादन कर सकती हैं।इससे 47,851 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। आने वाले वर्षों में मूल्य संवर्धन 80 फीसदी तक बढ़ जाएगा।

रियल एस्टेट में इक्विटी निवेश छह साल के शीर्ष पर, 46 फीसदी बढ़ा

रियल एस्टेट में जनवरी से सितंबर के बीच इक्विटी निवेश 46 फीसदी बढ़कर 8.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। सीबीआरई के आंकड़ों के मुताबिक, 2018 के बाद यह अब तक का सर्वाधिक निवेश है। आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर साल 2018 में इक्विटी निवेश 5.8 अरब डॉलर, 2019 में 6.5 अरब डॉलर, 2020 में 6 अरब डॉलर, 2021 में 5.9 अरब डॉलर, 2022 में 7.8 अरब डॉलर और 2023 में 7.4 अरब डॉलर रहा था। घरेलू निवेशकों ने इक्विटी निवेश में लगभग 79 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बढ़त हासिल की।

जुलाई-सितंबर के बीच 25 डील

जुलाई से सितंबर के बीच रियल एस्टेट में 25 सौदे हुए हैं। इनका मूल्य 1.4 अरब डॉलर रहा है। ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही के बाद यह सर्वोच्च स्तर है।

तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा की बदल दी पूरी कहावत, देखते ही देखते 3 दोस्तों ने ऐसे खड़ी कर दी 1,700 करोड़ की कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। तीन दोस्तों ने मिलकर एक बड़ी सफलता हासिल की है। इन्होंने तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा की कहावत को गलत साबित किया है। अपनी मेहनत और संगठित प्रयास से इन तीनों ने देखते ही देखते 1,700 करोड़ रुपये की कंपनी खड़ी कर दी है। साल 2016 में विजय अरिसेट्टी, अभिषेक कुमार और श्रेयंस डागा ने मिलकर माईगेट की शुरुआत की थी। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके गेटेड कम्युनिटी में रहने के तरीके को आसान और सुरक्षित बनाता है। आइए, यहां विजय, अभिषेक और श्रेयस की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। विजय अरिसेट्टी, अभिषेक कुमार और श्रेयंस डागा ने 2016 में सिक्योरिटी मैनेजमेंट स्टार्टअप माईगेट की शुरुआत की थी। उन्होंने गेटेड कम्युनिटीज के सिक्योरिटी सिस्टम में एक कमी देखी थी। उन्होंने महसूस किया कि औसतन हर घर में एक दिन में कम से कम दो से तीन लोग आते हैं। एक अकेले सिक्योरिटी गार्ड के लिए सभी लोगों को चेक करना और सही लोगों को अंदर आने देना एक चुनौती हो सकता है। इससे माईगेट का जन्म हुआ। माइगेट ऐप एंड-टू-एंड कम्युनिटी मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म ऑटोमेशन का उपयोग करके इस सेक्टर में क्रांति ला रहा है।

कोरोना के बाद तेजी से बढ़े मकानों के दाम, बड़े शहरों में कितनी उछाल

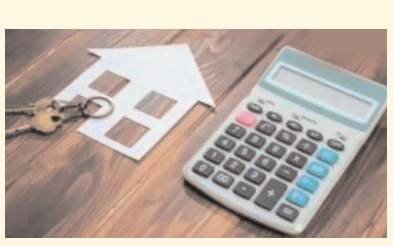

नईदिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट मार्केट में इन दिनों भारी उछाल दिख रहा है। कोरोना काल से पहले की बात करें तो तब से अब तक स्थिति काफी बदल गई है। बीते पांच साल में ही देश के टॉप 10 शहरों में प्रॉपर्टी की कीमतें काफी बढ़ गई है। इन शहरों में मकान की कीमतों में 88 फीसदी तक का उछाल आया है। इसकी जानकारी रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म प्रॉपइक्विटी की एक रिपोर्ट से मिलती है। इस रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान गुरुग्राम में सबसे अधिक, 160 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है। साल 2019 में वहां मकान की औसत कीमतें 7,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। यह साल 2024 में बढ़कर 19,500 रुपये प्रति वर्ग फुट पर पहुंच गई हैं। मतलब कि पांच साल पहले गुड़गांव में 75 लाख रुपये में 1,000 वर्ग फुट का मकान मिल जाता था। अब यह करी दो करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बीते पांच साल की अवधि के दौरान मकान की कीमतें सबसे कम मुंबई में बढ़ी है।

लोन का ईएमआई नहीं भरा तो छिन गया था मकान, लुलु ग्रुप ने लोन तो चुकाया ही, लाखों की मदद भी की

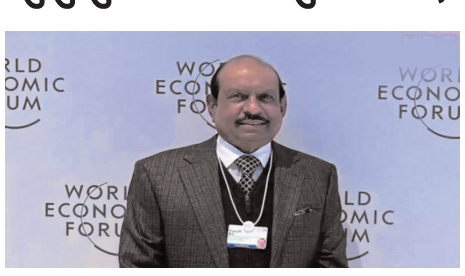

नईदिल्ली, एजेंसी। अगाध रुपये-पैसे तो बहुतों के पास होता है। लेकिन वक्त पर किसी के काम आना बहुत कम अमीरों में दिखता है। इनमें से लुलु ग्रुप के अरबपति चेयरमैन एम.ए. युसूफ अली अलग हैं। उन्होंने पिछले दिनों केरल की एक ऐसी महिला की मदद की, जो कर्ज की वजह से अपना घर गंवा चुकी थी। उनका परिवार सड़क पर आ गया था। लुलु ग्रुप ने न सिर्फ उनका लोन चुका कर मकान दिलाया बल्कि 10 लाख रुपये भी दिए ताकि उनकी गृहस्थी चल सके। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2019 में संध्या के परिवार ने अपना मकान बनाने के एक वित्तीय संस्थान से 4 लाख रुपये का लोन लिया था। साल 2022 में उनके जीवन ने एक कठिन मोड़ तब लिया जब संध्या के पति चल बसे। पति के जाते ही आमदनी बंद हो गई। ऐसे हालात में परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया, फिर लोन का ईएमआई कौन भरता। ईएमआई का पेमेंट रूकते ही फाइनेंस कारपोरेनशन ने फौजदारी कार्यवाही शुरू कर दी। एक दिन कंपनी ने उसके मकान पर भी कब्जा कर लिया। यही नहीं, संध्या को अपना सामान निकालने का भी मौका नहीं मिला।

हुंडई मोटर की भारतीय इकाई का आईपीओ खुला

कंपनी ने एंकर निवेशकों से पहले ही जुटाए 8,315 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आज भारतीय बाजार में आ गया। सार्वजनिक निर्गम 17 अक्टूबर 2024 तक खुला रहेगा। इसलिए, हुंडई मोटर इंडिया की आईपीओ सदस्यता इस सप्ताह मंगलवार से गुरुवार तक बोली लगाने के लिए खुली रहेगी।

ऑटो ओईएम कंपनी ने हुंडई मोटर इंडिया आईपीओ का मूल्य बैंड 1865 से 1960 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। यह पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, जिसका मतलब है कि सार्वजनिक निर्गम की शुद्ध आय कंपनी की बैलेंस शीट में नहीं आएगी। ऑटो कंपनी का लक्ष्य हुंडई मोटर इंडिया आईपीओ से 27,870.16 करोड़ जुटाना है।

दक्षिण कोरिया वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से एक दिन पहले ही सोमवार को एंकर निवेशकों से 8,315 करोड़ रुपये जुटा लिए।

बीएसई की वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिक न्यू वर्ल्ड फंड इंक, सिंगापुर सरकार, फिडेलिटी फंड्स, ब्लैकरॉक ग्लोबल फंड्स, जेपी मॉर्गन फंड्स, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस जैसी कंपनियां एंकर (बड़े) निवेशकों में शामिल रही, जिन्हें शेयर आवंटित किए गए। दावा किया जा रहा है कि यह भारत का सबसे बड़ा आईपीओ होगा, जो एलआईसी के 21,000 करोड़ रुपये के आईपीओ को पार कर जाएगा।

देश में जनभागीदारी से जल संग्रहण के लिए प्रधानमंत्री मोदी के महत्वाकांक्ष कैच द रैन अभियान का बिगुल फूंका

सूरत एजेंसी। जनभागीदारी से जल संचयन के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी अभियान कैच द रैन के तहत देशव्यापी जन आंदोलन शुरू करने का बिगुल रविवार को सूरत से फूंका गया। सूरत में कर्मभूमि थी जन्मभूमि पहल के तहत गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, डॉ. मोहन यादव, भजल लाल शर्मा और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने राज्यों में जल संग्रहण बढ़ाने पर विचार विमर्श किया।

सूरत को कर्मभूमि बनाते हुए वर्षों से सूरत आकर बसे राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार के व्यवसायी, उद्यमी तथा समाज के अग्रणी अपने गृहनगर में जल संरक्षण गतिविधियों में शामिल होकर बोर रिचार्ज, वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहन दे और इसके लिए हमवतन लोगों को प्रेरित करे, ऐसे उम्दा उद्देश्य के साथ सूरत के अठवालाइन्स स्थित इनडोर स्टेडियम में आयोजित कर्मभूमि से जन्मभूमि कार्यक्रम में सभी ने सामूहिक रूप से मातृभूमि का ऋण चुकाने के लिए जल बचाने और इसके संग्रहण का संकल्प लिया। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में कैच द रैन प्रोजेक्ट शुरू करके बूंद-बूंद बारिश के पानी को एकत्रित करने के लिए गांव का पानी गांव में रहे ऐसी संकल्पना की थी। उन्होंने कहा कि, कैच द रैन अभियान ने पूरे देश को एक नई दिशा दी है। गुजरात में जल संचय जनभागीदारी अभियान हाल ही में सूरत से शुरू किया गया था। केंद्र सरकार संपूर्ण समाज और संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है। उन्होंने इस बात की सराहना करते हुए कि, सूरत के व्यवसायियों और पेशेवरों ने कर्मभूमि में रहने और जन्मभूमि के प्रति प्रेम बनाए रखने का नेक दृष्टिकोण अपनाया है। सरकारी स्तर पर चलाए जाने वाले जल संचयन अभियान में लोगों की भागीदारी बढ़ेगी तो भूमिगत जल अवश्य बढ़ेगा। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल संचयन जनभागीदारी अभियान में जन-जन की भागीदारी को प्राथमिकता दी गई है। समग्र राज्य में 80,000 से अधिक वर्षा जल संचयन कार्यों, रिचार्ज स्ट्रक्चर्स के लिए प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, गुजरात सरकार ने निकट भविष्य में दो लाख से अधिक वर्षा जल संचयन संरचनाओं की स्थापना का लक्ष्य रखा है।

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने प्रमुख इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स द्वारा ओवरसब्सक्रिप्शन के साथ 5,000 मिलियन रुपये के क्यूआईपी के सफल समापन की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड भारत में एक लीडिंग स्टील ट्यूब्स और पाइप्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है, जिसने प्रमुख इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स द्वारा ओवरसब्सक्रिप्शन के साथ 5,000 मिलियन क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के सफल समापन की घोषणा की है। क्यूआईपी, जो 7 अक्टूबर, 2024 (बाज़ार खुलने के बाद) को खुला और 11 अक्टूबर, 2024 को बंद हुआ, इसे 8,000 मिलियन रुपये से अधिक की बोलियाँ प्राप्त हुईं। प्रमुख योग्य इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की जबरदस्त प्रतिक्रिया, कंपनी की विकास संभावनाओं पर मज़बूत विश्वास को दर्शाती है

क्यूआईपी ने म्यूचुअल फंड और प्रसिद्ध फॉरेन इंस्टीट्यूशंस और ट्रेजरीज़ (कोषागारों) सहित शीर्ष स्तरीय इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के एक विविध समूह को आकर्षित किया, जिससे उद्योग की चुनौतियों से निपटने और ईआरडब्ल्यू (इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डिंग) स्टील ट्यूब्स और पाइप्स सेग्मेंट में बढ़ती मांग को भुनाने की हाई-टेक की क्षमता में बाज़ार के विश्वास की पुष्टि हुई।

क्यूआईपी ने मोतीलाल ओसवाल फंड, बंधन म्यूचुअल फंड, बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड, जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड, एलआईसी म्यूचुअल फंड, व्हाइटओक म्यूचुअल फंड, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस जैसे प्रमुख डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशंस को आकर्षित किया। इसके अलावा, प्रमुख ग्लोबल इंस्टीट्यूशंस बीओएफए सिक्योरिटीज़ यूरोप एसए, सोसाइटी जेनरल - ओडीआई, इंटुएटिव अल्फा इन्वेस्टमेंट फंड सहित अन्य ने भी क्यूआईपी में भाग लिया।

चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अजय कुमार बंसल ने कहा कि, हम क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के सक्सेसफुल क्लोजिंग की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं, जो हमारी ग्रोथ स्ट्रेटजी में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। इससे हम क्षमता विस्तार के अपने लक्ष्य को पूरा कर सकेंगे और बाज़ार में अपनी उपस्थिति को और मज़बूत कर सकेंगे।

श्री अजय कुमार बंसल ने आगे कहा कि, मज़बूत फाइनेंशियल फ्लैक्सिबिलिटी और क्लीयर ग्रोथ ट्रेजेक्टरी (प्रक्षेपवक्र) के साथ, हम उभरते अवसरों का लाभ उठाने और स्टेकहोल्डर्स वैल्यू को और अधिक अनुकूलित करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

पूर्णकालिक निदेशक, श्री अनीश बंसल ने कहा कि, हम इश्यू को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से रोमांचित हैं और हमारे इन्वेस्टर्स ने हम पर जो भरोसा जताया है, उसे हम बहुत महत्व देते हैं। इन फंड्स को स्ट्रेटिजिकली आवंटित करके, हमारा लक्ष्य न केवल रेवेन्यू बढ़ाना है, बल्कि पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं, कॉस्ट एफिशिएंसीज़ और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी के द्वारा लाभप्रदता भी बढ़ाना है। हम अपनी क्षमताओं को दोगुना करने की राह पर हैं और हमारा लक्ष्य अगले 3 वर्षों में अपनी क्षमताओं को 2 मिलियन टन तक बढ़ाना है। कंपनी ने क्यूआईपी के तहत 185.50 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की दर से 26,996,734 नए इक्विटी शेयर्स जारी किए, जो कि फ्लोर प्राइस पर 4.86त्न की छूट और 7 अक्टूबर, 2024 को एनएसई पर अंतिम कारोबार मूल्य पर 7.39त्न की छूट दर्शाता है।

हाल ही में, कंपनी ने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त होने वाली वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए प्रभावशाली सेल्स वॉल्यूम परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने फाइनेंशियल ईयर 25 की दूसरी तिमाही के लिए 123,027 मीट्रिक टन के सेल्स वॉल्यूम की सूचना दी, जो साल-दर-साल उल्लेखनीय 22.50त्न ग्रोथ का प्रतिनिधित्व करती है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही के लिए, सेल्स वॉल्यूम 245,182 मीट्रिक टन तक पहुंच गई, जो सालाना 32.55त्न की उत्कृष्ट वृद्धि को दर्शाती है।

जेसीबी इंडिया ने ईंधन के मामले में सबसे किफायती ट्रैक्ड ऐक्सकैवेटर लांच किया

पुणे, एजेंसी। अर्थमूविंग और कंस्ट्रक्शन उपकरण बनाने वाली भारत में अग्रणी कंपनी जेसीबी इंडिया ने आज जेसीबी नेक्स्ट 215 एलसी फ्यूल मास्टर ट्रैक्ट ऐक्सकैवेटर को पुणे स्थित अपनी अत्याधुनिक फैक्ट्री में लांच किया। भारतीय बाजार में बिक्री के अलावा इस मशीन का निर्यात दुनिया भर में किया जाएगा।

जेसीबी नेक्स्ट 215 एलसी फ्यूल मास्टर को इस तरह विकसित किया गया है कि पिछले मॉडल के मुकाबले इसमें ईंधन की 14 प्रतिशत कम खपत होती है। भारत में कठिन कार्यों के लिए इसका सफल परीक्षण किया गया है और ग्राहकों की परिचालन लागत में कमी लाकर यह उत्पाद उनके लिए काफी लाभदायक साबित होगा। ईंधन की खपत में यह बचत हाइड्रोलिक्स को ऑप्टीमाइज़ कर के हासिल की गई है, जिसके लिए जेसीबी की इंटेलीफ्लो हाइड्रोलिक्स टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। अब यह मशीन ऑनबोर्ड इंटरफेस स्क्रीन के जरिए और साथ ही लाइव लिंक पर ईंधन खपत का रियल-टाईम डाटा देती है, गौर तलब है कि लाइव लिंक जेसीबी का अभिनव रिमोट मॉनिटरिंग सॉल्यूशन है।

लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल ने 'सर्वश्रेष्ठ नाइसर ग्लोब उपयोगकर्ता कंपनी' पुरस्कार से सम्मानित किया

मुंबई, एजेंसी। स्पेशियलिटी केमिकल्स कंपनी लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल (आईसीसी) ने 2023 के लिए प्रतिष्ठित 'बेस्ट नाइसर ग्लोब यूज़र कंपनी अवार्ड' से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार लैंक्सेस इंडिया की सुरक्षा और स्थिरता के प्रति उनकी उत्कृष्ट प्रतिबद्धता को मान्यता देता है, खासकर परिवहन क्षेत्र में। कंपनी ने अपने एम्पावर्ड ड्राइवर पहल के माध्यम से इन प्रयासों को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह सम्मान लैंक्सेस इंडिया को 20 सितंबर को मुंबई में आईसीसी के 59वें वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान दिया गया, जिसमें केमिकल उद्योग के कई प्रमुख लीडर्स शामिल थे। लैंक्सेस इंडिया हमेशा से अपने उद्योग में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में सबसे आगे रही है। कंपनी ने नाइसर ग्लोब पहल की शुरुआत की है, जो परिवहन में सुरक्षा और आपातकालीन स्थिति में बेहतर प्रतिक्रिया के लिए बनाई गई है। लैंक्सेस ने इस पहल के तहत दूसरी केमिकल कंपनियों के साथ मिलकर सुरक्षित परिवहन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य मानकों और सेवाओं की पेशकश की है।

प्रातः किरण राष्ट्रीय दैनिक
स्पोर्ट्स
नई दिल्ली, बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024

एचआईएल ऑक्शन के दूसरे दिन बेल्जियम के विक्टर वेगनेज सबसे महंगे खिलाड़ी रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेल्जियम के मिडफील्डर विक्टर वेग्नेज हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के खिलाड़ियों की नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। वेग्नेज को सूरमा हॉकी क्लब ने 40 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन बड़ी रकम हासिल करने वालों में नीदरलैंड के थिएरी ब्रिंकमैन (38 लाख रुपए) और आर्थर वान डोरेन (32 लाख रुपए) भी शामिल है। इन दोनों के लिए कलिंगा लांसर्स ने बड़ी बोली लगाई। टॉमस डोमिन (दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए 36 लाख रुपए में), ऑस्ट्रेलिया के अरन जालेवस्की (कलिंगा लांसर्स के लिए 27 लाख रुपये में) और ब्लेक गोवर्स (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 27 लाख रुपए में) पर फ्रेंचाइजी टीमों ने ने बड़ी रकम खर्च की। मोरियांगथेम रबीचंद्र (कलिंगा लांसर्स के लिए 32 लाख रुपए में) और मोहम्मद राहिल मौसीन (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 25 लाख रुपए में) जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी अच्छी रकम मिली।

पाकिस्तान - इंग्लैंड दूसरा टेस्ट

शुरुआती विकेट के बाद सईम और कामरान ने पाक को संभाला; लीच ने दो विकेट लिए

मुल्तान (एजेंसी)। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मुल्तान में खेला जा रहा है। मंगलवार को दूसरे टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने लंच तक दो विकेट पर 79 रन बनाए। सईम अयूब और कामरान गुलाम नाबाद लौटें।

इंग्लैंड ने पहला मुकाबला पारी और 47 रन से जीता था। टीम तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। तीसरा मुकाबला 24 अक्टूबर से रावलपिंडी में खेला जाएगा।

पाकिस्तान की खराब शुरुआत – पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 15 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। अब्दुल्ला शफीक 7 रन बनाकर आउट हुए। दूसरा झटका 19 रन पर लगा। कप्तान शान मसूद 3 रन बनाकर आउट हुए। दोनों विकेट जैक लीच ने लिए। यहां से सईम और कामरान ने पाक की पारी को संभाला।

टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, यह खेल का शिखर है: अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को फिर से परिभाषित करते हुए इसे खेल का शिखर बताया। उन्होंने सोशल मीडिया एक वीडियो में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व बेंगलुरु में टीम इंडिया के अभ्यास सत्र की झलक दिखाई गई, जिसमें अश्विन की आवाज भी है। स्पिनर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में, हर रोज खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुकूल होने और नई रणनीति और दृष्टिकोण के साथ आने की जरूरत होती है। अश्विन ने वीडियो में कहा, देखिए, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, है न? आप दिन 5 की शुरुआत वैसे नहीं कर सकते जैसे आपने दिन 1 की शुरुआत की थी। हर दिन आपको परिस्थितियों के अनुकूल होने में सक्षम होने की जरूरत होती है। इसलिए वे कहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट इस विशेष खेल का शिखर है। पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की क्लीन-स्वीप में अपने प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन के बाद अश्विन के नाम 527 टेस्ट विकेट हैं। वह बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी करेंगे, जिसका पहला मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार 2021-22 में दो मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था, जिसे मेजबान टीम ने 1-0 से जीता था।

भारत वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि 2021 में खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड छठे स्थान पर है। रोहित शर्मा की टीम नवंबर-जनवरी में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे से पहले डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला आज से

पहले टेस्ट में गिल और जायसवाल पर नजरें, ये हो सकती है प्लेइंग 11

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट की अगली पीढ़ी के स्टार यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रहे तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में अपने बेहतरीन फॉर्म को आगे ले जाना चाहेंगे। विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव में है और गिल तथा जायसवाल पर उनकी विरासत को आगे ले जाने की महती जिम्मेदारी है।

गिल ने पिछली दस पारियों में तीन शतक और दो अर्धशतक जमाए हैं जबकि जायसवाल ने पिछली आठ पारियों में एक दोहरा शतक और पांच अर्धशतक जड़े हैं। अब उनके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ इस लय को कायम रखकर आगे की कठिन चुनौतियों का सामना करने के लिये आधार तैयार करना जरूरी है। गिल ने तेज गेंदबाजों की इनकमिंग गेंदों के खिलाफ परेशानी से पार पा ली है लेकिन ऐसी गेंदों पर विकेट गंवाने से बचना होगा। चेन्नई में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने उन्हें काफी परेशान किया और पवेलियन भी भेजा।

वहीं जायसवाल भी तेज गेंदबाजों को आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में तीन बार आउट हुए हैं। वह अब तक 20 पारियों में 12 बार तेज गेंदबाजों को अपना विकेट दे बैठे हैं। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला से पहले उन्हें तेज गेंदबाजों के सामने अपना रिकॉर्ड दुरूस्त करना होगा। न्यूजीलैंड के पास भी मैट हेनरी, विलियम ओ राउरकी और टिम साउदी के रूप में आक्रामक तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में गिल और जायसवाल पर जिम्मेदारी और भी बढ़ जाएगी क्योंकि विराट और रोहित सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं।

रोहित ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया लेकिन बाकी 13 पारियों में 497 रन ही बना सके हैं। वहीं 9000 टेस्ट रन से 53 रन दूर कोहली ने इस साल छह पारियों में एक अर्धशतक भी नहीं लगाया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 और बांग्लादेश के खिलाफ 47 रन की पारियां खेली। उन्हें न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनरों ऐजाज पटेल और रचिन रविंद्र को संभलकर खेलना होगा जो पहले भी उन्हें परेशान कर चुके हैं।

भारत के सामने समस्याएं बड़ी नहीं है लेकिन न्यूजीलैंड को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में कई दिक्कतों से गुजरना पड़ रहा है। स्पिनरों के सामने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण कीवी टीम को श्रीलंका ने 2-0 से हराया। अब भारत के रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे खतरनाक स्पिनरों का सामना करना उनके लिए कठिन चुनौती होगा। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच स्पिनरों की मददगार रहती है और ऐसे में भारतीय स्पिनर कहर बरपा सकते हैं। इनके अलावा जसप्रीत बुमराह भी फॉर्म में हैं जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट में 11 विकेट लिए।

पांचवें गेंदबाज पर फैसला लेने से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को काफी सोच विचार करना होगा। पिछली श्रृंखला की तरह संयोजन रखने पर आकाश दीप तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर बुमराह और मोहम्मद सिराज का साथ दे सकते हैं। भारत बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव या बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल को भी उतार सकता है जो निचले क्रम पर उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। यहां मौसम भी साफ नहीं रहने की भविष्यवाणी है जिससे खेल की शुरूआत देर से हो सकती है।

संभावित प्लेइंग 11

भारत – रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएल राहुल, रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रित बुमरा, आकाश दीप, कुलदीप यादव
न्यूजीलैंड – टॉम लाथम, डेवोन कॉनवे, विल यंग, ??रचिन रविंद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, टिम साउथी (कप्तान), एजाज पटेल, मैट हेनरी
समय – सुबह 9.30 बजे से।
टीवी पर – स्पोर्ट्स18 और कलर्स सिनेप्लेक्स
लाइव स्ट्रीमिंग – जियो सिनेमा ऐप और वेबसाइट

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले बोले रोहित

हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी में भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। रोहित ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, 'जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो। उन्होंने कहा, 'हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें। यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी।

पाकिस्तान ने चतुर गेंदबाजी की- न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में पहुंचाकर बोली कप्तान सोफी

शारजाह (एजेंसी)। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने पर खुशी जाहिर की। पाकिस्तान को 56 रन से हराने के बाद सोफी ने कहा कि अभी टीम (जीत का जश्न) डूबी नहीं है। मुझे इस समूह पर बहुत गर्व है। 2016 टी20 विश्व कप में हमारा आखिरी सेमीफाइनल था। इस बीच काफी समय हो गया। हम इसका जश्न जरूर मनाएंगे। इस टूर्नामेंट में परिणाम हमारे अनुरूप नहीं रहे। लेकिन एक कप्तान के तौर पर मुझे गर्व है कि हम प्रक्रियाओं पर टिके रहे। हम अगर अपने विश्वास पर अड़े रहे तो हम दुनिया के बड़े मंच पर किसी भी टीम को हरा सकते हैं। मुझे उस समूह पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है जो इतना युवा है।

सोफी ने कहा कि पाकिस्तान ने जिस तरह से गेंदबाजी की वह अविश्वसनीय रूप से चतुर थी। उन्होंने सारी गति धीमी कर दी। हमसे सचमुच कड़ी मेहनत कराई। विकेट उतना ख़राब नहीं था। आपको रास्ते बनाने थे और पार्क के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचना था। वे प्रतिभाशाली थे। 110 तक पहुंचने के बाद आप

हमेशा और अधिक चाहते थे। हम जानते थे कि हमें बोर्ड पर और कुछ डालना होगा। पाकिस्तान पर गाज गिरने वाली थी। यह एक रोमांचक खेल होने वाला था। लड़कियां इस पर अड़ी रहीं। अंत में हम आगे बढ़ने में सफल रहे। बड़ी बात यह है कि हमें कल एक दिन की छुट्टी मिलेगी।

ऐसा रहा मुकाबला – पाकिस्तान ने पहले गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को महज 110 रन पर रोक दिया। उम्मीद जगी कि पाकिस्तान यहां करिश्मा करती हुई नजर आएगी लेकिन ढाक के तीन पात। गेंदबाजी में बेहतर करने वाली पाकिस्तानी टीम ने बल्लेबाजी में लचर प्रदर्शन किया और 111 रन का पीछा करते हुए 56 रन बना ऑलआऊट हो गई। पाकिस्तन अगर यह मुकाबला 10.3 ओवर में जीत जाता तो उसके खुद के लिए सेमीफाइनल के चांस बन जाने थे लेकिन वह 11.4 ओवर में खुद ही 56 रन पर आलआऊट हो गई।

दोनों टीमें इस प्रकार थी-

न्यूजीलैंड एकादश – सुजी बेट्स, जॉर्जिया पलिमर, अमेलिया केर, सोफी डिवाइन (कप्तान), ब्रूक हॉलिडे, मैडी ग्रीन, इसाबेला गेज (विकेट कीपर), ली ताहुहू, रोजमेरी मेयर, ईडन कार्सन और फ्रान जोनास।
पाकिस्तान एकादश– मुनीबा अली (विकेटकीपर), सिदरा अमीन, सदफ शमास, निदा डार, ओमायमा सोहेल, आलिया रियाज, फातिमा सना (कप्तान), इरम जावेद, सैयदा अरूब शाह, नशरा संधू और सादिया इकबाल।

बुमराह को उप-कप्तान बनाए जाने पर बोले रोहित

वह शुरू से हमारे नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने जसप्रीत बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उप-कप्तान नियुक्त किए जाने पर मंगलवार को यहां कहा कि यह तेज गेंदबाज खेल की बहुत अच्छी समझ रखता है और वह शुरू से टीम के नेतृत्व समूह का अभिन्न अंग रहा है। बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए उप कप्तान नियुक्त किया गया है।

चयन समिति का यह फैसला चौंकाने वाला था क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला के लिए किसी भी खिलाड़ी को उप कप्तान नहीं बनाया गया था। इससे संकेत मिलते हैं कि बुमराह भविष्य में टेस्ट टीम की कमान संभाल सकते हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले कहा, 'बुमराह ने बहुत अधिक क्रिकेट खेली है। मैं उनके साथ काफी क्रिकेट खेल चुका हूं। वह खेल की बहुत अच्छी समझ रखते हैं। जब आप उनसे बात करते हैं तो वह खेल को समझते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं इस बारे में अभी बहुत अधिक कुछ नहीं कह सकता क्योंकि बुमराह ने बहुत अधिक कप्तानी नहीं की है। जितना मुझे पता है उन्होंने अभी तक एक टेस्ट मैच और कुछ टी20 मैचों में कप्तानी की है। बुमराह ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में भारत का नेतृत्व किया था। उन्हें पिछले साल आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत का कप्तान नियुक्त किया गया था।

रोहित ने कहा, 'बुमराह समझता है कि क्या करना जरूरी है। जब आप ऐसी स्थिति में होते हैं जहां आपको एक नेतृत्वकर्ता की जरूरत महसूस होती है तो मुझे लगता है कि बुमराह उनमें से एक होंगे। इसलिए वह शुरू से हमारे नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'चाहे वह टीम में शामिल नए गेंदबाजों से बात करना हो या टीम को आगे बढ़ाने के संबंध में की जाने वाली चर्चा हो, वह हमेशा नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं।

गुजराती और दिव्या देशमुख को महाराष्ट्र सरकार ने दिया 1 करोड़ का इनाम, ओलंपियाड गोल्ड पर सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय शतरंज खिलाड़ियों विदित गुजराती और दिव्या देशमुख को 2024 शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने पर 1 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की है। यह सम्मान शतरंज के क्षेत्र में उनके अद्वितीय प्रदर्शन और देश को गर्वित करने के लिए दिया गया है। इसी के साथ भारतीय महिला टीम की कप्तान और कोच, ग्रैंडमास्टर अभिजीत कुंटे और भारतीय ओपन टीम के सहायक कोच ग्रैंडमास्टर संकल्प गुप्ता को भी महाराष्ट्र सरकार द्वारा 10 लाख रुपये का इनाम दिया गया। महाराष्ट्र सरकार का यह कदम शतरंज के खिलाड़ियों को और अधिक प्रेरित करेगा और राज्य में शतरंज की संस्कृति को मजबूत करेगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इस सत्र लागू नहीं होगा इम्पैक्ट प्लेयर नियम

मुम्बई (एजेंसी)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) के इस सत्र से इम्पैक्ट प्लेयर का नियम लागू नहीं होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोड (बीसीसीआई) ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इम्पेक्ट प्लेयर नियम एमएमएटी इस सीजन से ही नहीं लागू होगा। इस नियम को दो वर्ष पहले एसएमएटी में लागू किया गया था। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी इसे लाया गया। हाल में हुई घोषणा के अनुसार यह नियम आईपीएल में अगले तीन सत्र यानी की 2027 तक लागू रहेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2023 में इस नियम के आने के बाद से लगातार इसके खिलाड़ियों पर प्रभाव और मदद को लेकर पर चर्चा हो रही है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने बीते आईपीएल सत्र के दौरान इस नियम की आलोचना की थी। तब बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा था कि इस नियम का यह परीक्षण का दौर है। यह अभी स्थायी नहीं है।

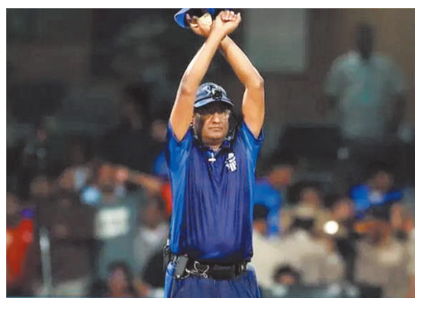

यह कदम न केवल... , शाहिद अफरीदी ने सीरीज के बीच शाहीन-बाबर को आराम देने पर तोड़ी चुप्पी

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने अगले दो टेस्ट मैचों के लिए बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को बाहर करके कुछ बड़े फैसले लिए हैं। पाकिस्तान के सहायक कोच अजहर महमूद ने कहा है कि तीनों खिलाड़ियों को 'आराम' दिया गया है ताकि वे इस श्रृंखला के बाद होने वाले टीम के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए फिट रहें। इस फैसले का कारण चाहे जो भी हो, यह एक बड़ा फैसला है क्योंकि तीनों देश के सबसे हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों में से हैं। हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी, जो शाहीन के ससुर हैं, ने अब इस फैसले का समर्थन किया है।

अफरीदी ने अपने एक्स हैंडल पर कहा, 'बाबर, शाहीन और नसीम को अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट से ब्रेक देने के चयनकर्ताओं के फैसले का समर्थन करता हूं। यह कदम न केवल इन चैंपियन खिलाड़ियों के करियर को बचाने और बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि उभरती हुई प्रतिभाओं को परखने और उन्हें तैयार करने का एक शानदार अवसर भी देता है जिससे भविष्य के लिए मजबूत बेंच स्ट्रेंथ तैयार होगी।

टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली टीम बन गई है, जिसे अपनी पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बावजूद पारी की हार का सामना करना पड़ा। यह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वाइटवॉश करने वाली पहली टीम बनने के तुरंत बाद हुआ। उस सीरीज में बांग्लादेश ने पहली बार पाकिस्तान में टेस्ट मैच जीता था। हालांकि उस परिणाम को पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास में सबसे खराब में से एक माना गया था, लेकिन उसके बाद इंग्लैंड से मिली हार को भी ऐसा ही माना गया है।

भारत का ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर का वर्तमान मूल्य 3.1 बिलियन डॉलर है। रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियों के बीच 2034 तक ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर 60 बिलियन डॉलर तक बढ़ने की क्षमता रखता है। सोमवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारत के गेमिंग सेक्टर में अमेरिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2.5 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में से 1.7 बिलियन डॉलर अकेले अमेरिका से आया है। यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष और सीईओ डॉ. मुकेश अघी के अनुसार, यह भारत के तेजी से बढ़ते गेमिंग बाजार में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दिखाता है, जिसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस एफडीआई का 90 प्रतिशत हिस्सा पे-टू-प्ले सेगमेंट में है, जो कि इस सेक्टर के समग्र मूल्यांकन का 85 प्रतिशत है। हालांकि, रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियां

बनी हुई हैं। यूएसआईएसपीएफ और टीएमटी लॉ प्रैक्टिस की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने हाई टैक्स रेट के लिए जाना जाता है। ऑनलाइन गेमिंग के लिए प्लेयर्स को अपनी कुल जमा पर सभी फॉर्मेट के लिए 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी चुकाना होता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय उत्पाद वर्गीकरण (यूएन सीपीसी) गेमिंग को ऑनलाइन जुए से अलग परिभाषित करता है। अघी ने कहा, 600 मिलियन से ज्यादा गेमर्स के साथ इस सेक्टर का तेजी से मुद्रीकरण किया जा रहा है। यह निर्यात के लिए अवसर पेश करता है। हालांकि, भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, हमें प्रगतिशील टैक्स और रेगुलेटरी नीतियों के साथ समान अवसर की आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो। रिपोर्ट में 12 प्रमुख गेमिंग बाजारों में रेगुलेटरी फ्रेमवर्क और टैक्सेशन पॉलिसी पर नजर डाली गई। इसमें पता चला कि सभी 12 देशों में गेम्स ऑफ चांस को लेकर अलग कानूनी परिभाषा है।

महाराष्ट्र में भाजपा का 100 सीटों पर मंथन, 150 पर लड़ने का प्लान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मददेनजर भाजपा जैसे बड़े राजनीतिक दल ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि लगभग 150 सीटों पर भाजपा लड़ेगी। इन सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर भी एक राउंड का मंथन हो चुका है। सोमवार को दिल्ली में भाजपा नेताओं की इस संबंध में मीटिंग भी थी। इस बैठक में केंद्रीय नेताओं के साथ ही डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, आशीष शेलार और पंकजा मुंडे जैसे लीडर भी शामिल थे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अन्य नेता भी थे।

इस मीटिंग में सबसे पहले उन 100 सीटों पर बात हुई, जहां फिलहाल भाजपा के ही विधायक हैं। यह बैठक भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और अमित शाह की मौजूदगी में हुई। अब तक मिली जानकारी के अनुसार भाजपा ने मुख्य तौर पर कोंकण क्षेत्र, विदर्भ और उत्तर महाराष्ट्र की सीटों पर लड़ने का फैसला लिया है। वहीं मराठवाड़ा समेत अन्य कुछ इलाकों में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी को सीटें दी जाएंगी। राज्य में कुल 288 सीटें हैं और अब तक तय समझौते के अनुसार करीब 80 सीटें एकनाथ शिंदे गुट को मिलेंगी। इसके अलावा बाकी लगभग 50 सीटें अजित पवार गुट को दी जा सकती हैं।

मुंबई की ज्यादातर सीटों पर भाजपा का ही दावा रहेगा। इसके अलावा ठाणे इलाके की सीटें शिंदे गुट को देने पर सहमति बनी है। भाजपा नेताओं का कहना है कि 288 में से लगभग 90 फीसदी सीटों पर सहमति बन चुकी है। सोमवार को हुई मीटिंग में उन इलाकों को लेकर भी चर्चा हुई, जहां अच्छी संभावना के बाद भी पार्टी को हार मिली। इन सीटों में बीड़, मुंबई उत्तर मध्य जैसी सीटें शामिल हैं। बीड़ से पंकजा मुंडे और मुंबई नॉर्थ सेंट्रल से नामी वकील उज्ज्वल निकम को हार का सामना करना पड़ा था।

भाजपा नेताओं का कहना है कि हमने करीब 8 से 9 लोकसभा सीटें इसलिए खो दीं क्योंकि मुस्लिमों का पोलराइजेशन एकतरफा थे। वे उन पार्टियों के साथ गए, जो भाजपा के साथ सीधे मुकाबले में थे। वहीं भाजपा समर्थक मतदाता बाहर ही नहीं निकले। इससे नतीजा बदल गया। अब विधानसभा चुनाव में भाजपा ऐसी रणनीति बना रही है ताकि इस समस्या की काट की जा सके।

शरद पवार बोले -महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाकर रहेंगे और इसके लिए हर वक्त काम करेंगे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव को देखते हुए बीच सीनियर नेता शरद पवार का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि भले ही मेरी उम्र 84 साल है, लेकिन मैं रुकने वाला नहीं हूं। यही नहीं भले ही उम्र 90 साल हो जाए, लेकिन मैं इसी तरह काम करता रहूंगा। शरद पवार का कहना है कि वह महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाकर रहेंगे और इसके लिए हर वक्त काम करेंगे। उनका इशारा अजित पवार की ओर था। शरद पवार फिलहाल एनसीपी-एसपी के नेता हैं। उन्हें यह नई पार्टी तब बनानी पड़ी थी, जब बीते साल अजित पवार बगावत करके अलग हो गए थे।

शरद पवार ने एक कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र सरकार की ओर से घोषित लड़की बहिन योजना पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि बहन तो बारामती में भी थी, लेकिन वहां उसके सामने चुनाव लड़ा गया। यही नहीं उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पहले तो बहन के खिलाफ चुनाव प्रचार हुआ और लड़ाई की गई। इसके बाद जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए तो वे बहन को याद करने लगे। शरद पवार ने कहा कि हमारे सामने सवाल यह है कि आखिर महाराष्ट्र किसके हाथों में रहना चाहिए। यह आम लोगों के हाथ में रहे या फिर किसी और को कमान मिले।

सीनियर नेता ने कहा कि आप जब भी अखबार खोलते हैं तो एक नई स्कीम पढ़ते हैं। कभी यह बहनों के बारे में होती है। हर कोई बहन का सम्मान करता है। परिवार में वह सबसे अहम होती है और उसका सम्मान करने से सभी को खुशी मिलती है। उन्होंने कहा कि लेकिन मजे की बात यह है कि बीते 10 सालों में बहनों को याद नहीं किया गया। देवेंद्र फडणवीस के समय में पूरे 5 साल बीत गए और बहनों की याद नहीं आई। इसके बाद भी बहनों को याद नहीं किया गया। उनकी याद उस वक्त आई, जब लोकसभा चुनाव में 48 में से 31 सीटें महाविकास अघाड़ी ने जीत लीं।

उन्होंने कहा कि आम जनता इन नेताओं से ज्यादा तेज है। बारामती में भी एक बहन सामने थी, लेकिन जनता ने बहन का साथ दिया। इस दौरान शरद पवार ने खुद के डटने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि भले ही मैं 90 साल का हो जाऊं, लेकिन ऐसे ही काम करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि मैंने 60 सालों से एक भी छुट्टी नहीं ली है। उन्होंने कहा कि मैंने 14 बार चुनाव लड़ा। 7 बार लोकसभा इलेक्शन में उतरा और इतनी ही बार विधानसभा में लड़े। पवार ने कहा कि आप लोगों की सेवा में मैंने एक भी छुट्टी आज तक नहीं ली है।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक की एक अदालत ने दर्शन, पवित्रा गौड़ा की जमानत याचिका की खारिज

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु की एक अदालत ने सोमवार को जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन और उनकी पार्टनर पवित्रा गौड़ा की जमानत याचिकाएं को खारिज कर दी। यह याचिका दर्शन के प्रशंसक रेणुकास्वामी की सनसनीखेज हत्या के मामले में दायर की गई थी। दर्शन और पवित्रा गौड़ा को अब जमानत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना होगा। दर्शन के करीबी सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को उच्च न्यायालय में याचिका दायर की जाएगी।

अदालत ने ग्यारहवें आरोपी नागराज और बारहवें आरोपी लक्ष्मण की जमानत याचिकाएं भी खारिज कर दीं। अदालत ने अन्य आरोपी व्यक्तियों प्रदोष एस. राव, विनय और जगदीश की जमानत याचिकाओं पर फैसला 16 अक्टूबर तक सुरक्षित रख लिया है। न्यायाधीश जयशंकर ने आठवें आरोपी रविशंकर और तेरहवें आरोपी दीपक की जमानत याचिकाएं भी मंजूर कर लीं। दर्शन, पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य को चित्रदुर्ग से रेणुकास्वामी का अपहरण और बेरहमी से हत्या करने के आरोप में 11 जून को गिरफ्तार किया गया था।

रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर पवित्रा गौड़ा को अपमानजनक और अश्लील संदेश भेजे थे। इस बीच दर्शन के समर्थक, प्रशंसक और परिवार के सदस्य जो उनका स्वागत करने के लिए बेल्लारी जेल के बाहर एकत्र हुए थे, उन्हें अपने पसंदीदा स्टार को जेल से बाहर आते हुए देखने का अवसर प्राप्त किए बिना ही वापस लौटना पड़ा। पुलिस ने प्रशंसकों को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड्स लगा दिए थे। महिला प्रशंसक भी बड़ी संख्या में जेल के पास आ गई थी। बेंगलुरु सेंट्रल जेल में दर्शन के साथ शाही व्यवहार की तस्वीरें सामने आने के बाद उन्हें बेल्लारी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। इस संबंध में उनके खिलाफ तीन एफआईआर दर्ज हैं।

सूत्रों के अनुसार दर्शन के परिवार के सदस्य उसे बेल्लारी से विशेष हेलीकॉप्टर से बेंगलुरू ले जाने के लिए तैयार थे। उन्हें उम्मीद थी कि उसे जमानत मिल जाएगी। आपराधिक वकील सी.वी. नागेश ने दर्शन की ओर से पैरवी की और पुलिस के आरोपों को मनगढ़ंत बताया। उन्होंने जांच को एक क्लासिक विफलता करार दिया और आरोपपत्र में लगाए गए आरोपों की तुलना अरेबियन नाइट्स की कहानी से की।

कर्नाटक भाजपा ने हुबली दंगा मामले की वापसी के खिलाफ किया विरोध-प्रदर्शन

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक भाजपा ने हुबली दंगा मामले में 150 से अधिक लोगों के खिलाफ केस वापस लेने के राज्य सरकार के कदम की निंदा करते हुए सोमवार को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में विरोध-प्रदर्शन किया। भाजपा ने यह भी घोषणा की है कि यह एक प्रतीकात्मक विरोध-प्रदर्शन है और अगले सप्ताह हुबली में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक, पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा सांसद गोविंद करजोल, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चालावाड़ी नारायण स्वामी, एमएलसी एन. रविकुमार और अन्य ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बेंगलुरु में विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करने वाले पोस्टर पकड़े और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ नारे लगाए। विजयेंद्र ने मीडियाकर्मियों से कहा, सिद्दारमैया कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं। उनकी स्थिति पहले से ही डावांडोल है। उन्हें किसी भी समय इस्तीफा देना होगा और उन्हें ऐसा करना ही होगा। अपनी कुर्सी बचाने के लिए सिद्दारमैया यह सब भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिद्दारमैया जाति जनगणना को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं।

हरियाणा में अब राज्यसभा चुनाव की रेस, भाजपा विधायक के इस्तीफे के बाद बढ़ी हलचल

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा इसराना विधानसभी सीट पर चुनाव जीतने के बाद बीजेपी के वरिष्ठ नेता कृष्ण लाल पंवार ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। पंवार ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को इस्तीफा सौंपा था जो कि स्वीकार कर लिया गया है। 6 बार के विधायक रहे पंवार को बीजेपी ने इस बार इसराना की आरक्षित सीट से चुनाव लड़ाया था।

हरियाणा में 17 अक्टूबर को शपथ ग्रहण समारोह होने जा रहा है। माना जा रहा है कि कृष्ण लाल पंवार को कोई अहम मंत्रालय दिया जाएगा। वह मनोहरलाल खट्टर की सरकार में भी राज्य में मंत्री थे। वहीं 2022 में उन्हें राज्यसभा भेज दिया गया था। अब राज्यसभा में उनके इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट के लिए भी लॉबीइंग शुरू हो गई है।

फिलहाल राज्यसभा में हरियाणा से पांच राज्यसभा सांसद हैं। इसमें बीजेपी के तीन हैं। इनके नाम सुभाष बराला, राम चंद्र जांगरा और किरण चौधरी हैं। इसके अलावा एक निर्दलीय सांसद को भी बीजेपी का समर्थन है। बता दें कि कृष्ण लाल पंवार ने कांग्रेस के बलबीर सिंह बाल्मीकि को हराया है। दोनों के बीच 13895 वोटों का हार का अंतर है। कृष्ण लाल पंवार के पास हरियाणा प्रदेश के बीजेपी उपाध्यक्ष की भी जिम्मेदारी है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कैबिनेट में कोई जिम्मेदारी दी जाती है तो वह उसे निभाने के लिए तैयार हैं।

कुलदीप बिश्नोई भी चाहते हैं राज्यसभा सीट?

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अपनी पैतृक आदमपुर की सीट से इस बार भव्य बिश्नोई की हार के बाद कुलदीप बिश्नोई भी राज्यसभा सीट के लिए लॉबीइंग में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने परिवार सहित उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और बीजेपी के नेताओं से मुलाकात की थी। उनका दिल्ली का यह दौरा बताता है कि राज्यसभा के लिए वह भी इच्छुक हैं। 2022 में ही वह कांग्रेस से बीजेपी में आए थे। वहीं जिस सीट पर उनके परिवार का 1968 से कब्जा था, उस सीट पर पहली बार उन्हें छोटे अंतर से हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में मुआवजे के तौर पर वह राज्यसभा की सीट चाहते हैं।

अमरावती में रतन टाटा इनोवेशन हब बनेगा - चंद्रबाबू नायडू

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार जल्द ही अमरावती में रतन टाटा इनोवेशन हब स्थापित करेगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास, एमएसएमई और खाद्य प्रसंस्करण के लिए अपनाई जा रही नीतियों की समीक्षा बैठक की और स्पष्ट किया कि रोजगार सृजन उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि औद्योगिक नीतियां इसके अनुरूप होनी चाहिए और निवेश आकर्षित करके व्यापार करने की गति को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

उन्होंने महसूस किया कि निजी औद्योगिक पार्कों की नीति पर और अधिक अभ्यास की आवश्यकता है और उन्होंने मंत्रिमंडल की अगली बैठक में अन्य तीन नीतियों को सामने लाने का फैसला किया। अधिकारियों ने जब इन विषयों पर तैयार की गई नीतियों को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया, तो चंद्रबाबू ने उन पर गहन अध्ययन किया और अधिकारियों के साथ अपने विचार और अनुभव भी साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरावती में स्थापित किए जाने वाले इनोवेशन हब का नाम प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा के नाम पर रखा जाएगा, जिनका पिछले सप्ताह निधन हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हब कौशल विकास, स्टार्ट-अप, सुविधा केंद्र और नवाचार का केंद्र होगा।

राज्य में पांच स्थानों पर ऐसे हब स्थापित किए जाएंगे और प्रत्येक हब के लिए एक प्रमुख कंपनी मेंटर होगी। चंद्रबाबू नायडू ने उम्मीद जताई कि नवाचार केंद्र राज्य में औद्योगिक क्षेत्र को बहुत आगे ले जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा, हमें राज्य में निवेश करने के लिए उद्योगपतियों को आकर्षित करने के संबंध में एक मित्रवत सरकार के रूप में काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और इस प्रयास के तहत सभी विभागों के लिए नई नीतियां तैयार की जा रही हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इन नई नीतियों के लागू होने के तुरंत बाद राज्य में निवेश करने के लिए आगे आने वालों को सब्सिडी दी जाएगी। मसौदा नीतियों में उल्लेख किया गया है कि जो 200 कंपनियां अपनी स्थापना और वाणिज्यिक उत्पादन की तिथि की सहमति देने के लिए सबसे पहले आगे आएंगी।

ऑस्ट्रेलियाई लड़की का दावा- डेटिंग के लिए भारतीय लड़के सबसे अच्छे

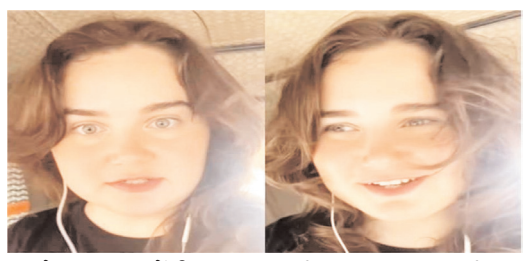

केपटाउन एजेंसी। भारत की डेटिंग कल्चर की चर्चे पूरी दुनिया में हैं। कई देशों में मानना है कि भारतीय लोग ज्यादा रोमांटिक होते हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर ऑस्ट्रेलिया की एक लड़की का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस लड़की ने भारत की डेटिंग कल्चर की प्रशंसा की है। उसने एक भारतीय लड़के को डेट किया और अपने अनुभव को शेयर किया है। ब्री स्टील एक ऑस्ट्रेलियाई ट्रैवलर और पॉडकास्ट प्रोड्यूसर हैं, जो पिछले एक साल से भारत में घूम रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर भारत की डेटिंग कल्चर और ऑस्ट्रेलिया की डेटिंग कल्चर की तुलना की है। ब्री के अनुसार, भारत की डेटिंग कल्चर में गहराई और भावना होती है, जो ऑस्ट्रेलिया में कम देखने को मिलती है। उनके अनुभवों ने इस बात को उजागर किया है कि भारतीय संस्कृति में रिश्तों की अहमियत और रोमांस को किस तरह से देखा जाता है।

भारत में लोगों का व्यवहार अच्छा: ऑस्ट्रेलियाई ट्रैवलर और पॉडकास्ट प्रोड्यूसर ब्री स्टील ने भारत की डेटिंग कल्चर पर अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में पुरुष अक्सर मजाक के जरिए फ्लर्ट करते हैं, जो कभी-कभी मतलबी लगता है। लेकिन भारत में लोग बहुत अच्छे व्यवहार के साथ मिलते हैं और रिश्ते तेजी से आगे बढ़ते हैं। ब्री ने एक पार्टी का उदाहरण दिया, जहां एक लड़के ने अचानक उनका हाथ पकड़ लिया, जो ऑस्ट्रेलिया में कभी नहीं होता।

मुंबई में डेटिंग इवेंट का अनुभव: हाल ही में, ब्री ने मुंबई में एक डेटिंग इवेंट में हिस्सा लिया। उन्होंने इसे स्कूल डिस्को जैसा बताया, जहां महिलाएं एक-दूसरे से और पुरुष भी अपने दोस्तों से बात कर रहे थे।

अमीर देशों की तरक्की का राज़ जानने वाले अर्थशास्त्रियों को मिला नोबेल सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ब्रिटेन के तीन प्रमुख अर्थशास्त्रियों को 2024 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इन अर्थशास्त्रियों में टर्किश मूल के अमेरिकी डेरॉन ऐसमोग्लू, ब्रिटिश मूल के अमेरिकी साइमन जॉनसन, और ब्रिटेन के जेम्स ए रॉबिन्सन शामिल हैं। उन्हें यह पुरस्कार 10 दिसंबर को स्वीडन में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया जाएगा। इन तीनों ने अपनी रिसर्च में यह समझाया है कि क्यों गरीब देश लंबे समय की प्रगति के बावजूद अमीर देशों की तरह विकसित नहीं हो पाते। ऐसमोग्लू और जॉनसन अमेरिका के एमआईटी में कार्यरत हैं, जबकि रॉबिन्सन शिकागो विश्वविद्यालय में रिसर्च कर रहे हैं।

इकॉनमिक साइंस पुरस्कार समिति के अध्यक्ष जैकब स्वेन्सन के अनुसार, देशों के बीच आय में भारी अंतर को कम करना हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इन पुरस्कार विजेताओं ने अपनी रिसर्च में गहरी जानकारी प्रदान की है कि देश सफल या असफल क्यों होते हैं।ये रिसर्च अमीर और गरीब देशों के बीच के विकास के अंतर को समझने में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है।

संसाधनों का वितरण और शक्ति का नियंत्रण: समाज में संसाधनों का बंटवारा कैसे होता है और निर्णय लेने की शक्ति किसके पास होती है, इस आधार पर अमीर वर्ग और आम जनता के बीच संघर्ष होता रहता है।

जनता का सत्ताधारी वर्ग पर प्रभावः जब जनता संगठित होती है, तो वे सत्ताधारी वर्ग को चुनौती देकर अपनी मांगें मनवाने की कोशिश करते हैं। इस प्रक्रिया में समाज की ताकत सिर्फ निर्णय लेने तक सीमित नहीं रहती है।

हांगकांग में बदहाली के कारण दुकानों और 1000 रेस्तरां पर लटका ताला

विक्टोरिया, एजेंसी। हवाई कंपनियां हांगकांग के लिए पर्यटकों को छूट दे रही हैं। वहां पर्यटकों के लिए ड्रोन और दूसरे एअर शो हो रहे हैं। हांगकांग ने सैकड़ों सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को अपने यहां आमंत्रित किया है कि वे आकर देश की खूबसूरती देखें और इसकी कहानी बताएं। इसके बावजूद हांगकांग को पर्यटक नहीं मिल रहे, तो यह आश्चर्य की ही बात है।

दरअसल, एक समय पर्यटन व्यवसाय ही हांगकांग की आर्थिक ताकत था। लेकिन कोविड और राजनीतिक उथल-पुथल के कारण वहां पर्यटकों की संख्या जो घटी, उसमें अब भी वृद्धि नहीं हो पा रही। हांगकांग के लिए परेशानी की बात यह भी है कि थाईलैंड, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे दूसरे एशियाई देशों में

पर्यटकों का आंकड़ा कोविड से पहले के स्तर पर आ गया है। लंबे समय से पर्यटकों की कमी के कारण हांगकांग की छोटी-छोटी असंख्य दुकानें और रेस्तरां बंद हो गए हैं। जबकि बड़े होटलों में किसी भी समय दर्जनों कमरे खाली पाए जाते हैं।

ग्राहकों की कमी से छोटी दुकानों और रेस्तरां को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। मार्च से अगस्त के बीच देश में लगभग 1,000 रेस्तरां बंद हो गए हैं। वर्ष 2019 में चीन के वर्चस्ववाद के खिलाफ हांगकांग में हुए जनांदोलन के कारण पर्यटन उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ा। क्रिस्टिन चुंग हांगकांग की इस बदहाली के कई कारण बताए जा रहे हैं। वर्ष 2019 में चीन के वर्चस्ववाद के खिलाफ हांगकांग में हुए जनांदोलन के कारण पर्यटन उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ा। उस साल के उत्तरार्ध में वहां पर्यटकों के आंकड़े में 2018 की तुलना में 40 फीसदी की कमी आ गई। वर्ष 2020 में कोविड से निपटने के लिए हांगकांग ने अपनी सीमाएं सील कर दी थीं। और अब भारी संख्या में विदेशी नागरिकों और कंपनियों के बाहर निकल जाने से लंबे समय से वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में हांगकांग की जो छवि बनी थी, उसे धक्का लगा है। और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चीन में खाना और शॉपिंग करना महंगा होने के कारण हांगकांग के स्थानीय लोग शॉपिंग करने और यहां तक कि भोजन करने तक के लिए सीमा पार कर चीन पहुंच रहे हैं। ग्राहकों की कमी से छोटी दुकानों और रेस्तरा को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। हांगकांग फेडरेशन ऑफ रेस्टोरेंट्स ऐंड रिलेटेड ट्रेड्स के प्रमुख सिमॉन वांग का-वो के अनुसार, ग्राहकों के अभाव में मार्च से अगस्त के बीच देश में लगभग 1,000 रेस्तरां बंद हो गए हैं। वान चाई में कई जापानी रेस्तरां चलाने वाले केविन शीह कहते हैं, बार में पहले से बहुत कम लोग दिखते हैं और देर रात गलियों में घूमने वाले लोग भी बहुत कम हैं। मैं मानता हूं कि हांगकांग कोशिश कर रहा है।

श्रीलंका में बारिश का कहर, तीन लोगों की मौत

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि मौसम की खराब स्थिति के कारण श्रीलंका में सोमवार सुबह तक तीन लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, डीएमसी ने कहा कि श्रीलंका में सात अक्टूबर से भारी बारिश शुरू हुई और सोमवार सुबह तक देश भर के 12 जिलों में बारिश से उत्पन्न आपदाओं के कारण 34,492 परिवारों के 134,484 लोग विस्थापित हुए हैं। श्रीलंका के सिंचाई विभाग ने पांच मुख्य नदियों के सात स्थानों पर बाढ़ की चेतावनी जारी की है। श्रीलंका के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, साबरागमुवा, उत्तर-पश्चिमी और उत्तरी प्रांतों तथा गाले और मतारा जिलों में कुछ स्थानों पर 100 मिमी से अधिक भारी बारिश होने की संभावना है। बता दें कि इससे पहले खबर आई थी कि श्रीलंका में बारिश से जुड़ी घटनाओं जैसे बाढ़, तेज हवाएं, पेड़ गिरने और बिजली गिरने के कारण 22 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया था कि सात अक्टूबर से शनिवार सुबह तक दक्षिण एशियाई देश के 11 जिलों में 5 हजार 348 परिवारों के 22 हजार 64 लोग विस्थापित हो चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129